Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 13 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 56 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

यदि तुम भूलों को रोकने के लिए द्वार बंद कर दोगे तो सत्य भी बाहर रह जाएगा।

रवींद्रनाथ ठाकुर

दीपिका को अपनी प्रेरणा मानती है...

SHARE

सेंसेक्स	:	73,667.96
निफ्टी	:	22,335.70

SARAFA

सोना	:	6,235
चांदी	:	79.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (बुधवार) : 06.02
सेहरी (गुरुवार) : 04.46

BRIEF NEWS

देवघर से बासुकीनाथ रोड के फोरलेन योजना को मंजूरी

RANCHI : केंद्रीय पथ परिवहन एवं हाईवे मंत्रालय ने झारखंड के 292.65 करोड़ की सड़क परियोजना की मंजूरी दी है। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि झारखंड के दुमका जिला अंतर्गत नेशनल हाईवे 114 ए में टावर चौक से बासुकीनाथ सेक्शन सड़क को एचएएस मोड़ पर फोरलेन किया जाएगा। गडकरी ने कहा कि यह सड़क परियोजना देवघर और बासुकीनाथ पर्यटन क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा और इसके बनने से आवागमन काफी आसान होगा। अभी यह रोड दो लेन है। श्रावणी मेला में इस रोड में काफी भीड़ हो जाता है। ऐसे में इसके चौड़ीकरण की आवश्यकता थी, जिसे बदलकर फोरलेन किया जाएगा।

4 राज्यों में 30 ठिकानों पर एनआईए की रेड

NEW DELHI : नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और चंडीगढ़ के 30 ठिकानों पर छापा मारा है। एनआईए खालिस्तान-गैंगस्टर केस में एक्शन ले रही है। इसके अलावा एनआईए के पास इनपुट है कि इन चार राज्यों में कई बदमाश ऐसे हैं जो लॉरेंस बिश्नोई और उसके जैसे ही गैंगस्टर्स के साथ जुड़े हैं। ये बदमाश गैंगस्टर्स के कहने पर रंगदारी-फायरिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में थे। छापेमारी के लिए एनआईए की टीम सुबह करीब 5-6 बजे ही अलग-अलग राज्यों की पुलिस के साथ संदिग्धों के ठिकानों पर पहुंच गई थीं।

पोरबंदर के अरब सागर से 480 करोड़ की ड्रग्स जब्त

PORBANDAR : इंडियन नेवी, सेंट्रल एजेंसी, गुजरात कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस के संयुक्त ऑपरेशन के तहत सोमवार तड़के सुबह अरब सागर में भारतीय सीमा से ड्रग्स जब्त की गई। इसकी 480 करोड़ रुपए के करीब है। टीम ने ड्रग्स पैडलिंग करने वाले 6 विदेश पैडलर्स को भी गिरफ्तार किया है। पैडलर्स के पाकिस्तानी नागरिक होने की आशंका जताई जा रही है। सभी को पोरबंदर पोर्ट पर लाया जा रहा है। 13 दिन पहले वेरावल बंदरगाह से 350 करोड़ की हेरोइन मछली पकड़ने वाली नाव में पकड़ी गई थी। इसके साथ ही 5 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

होली से पहले झारखंड के कर्मचारियों का डीए 4 प्रतिशत बढ़ा

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 30 प्रस्तावों पर लगी मुहर, मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना में 11 नए तीर्थस्थलों को मिली मंजूरी

PHOTON NEWS RANCHI : सीएम चम्पाई सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को झारखंड कैबिनेट की बैठक प्रोजेक्ट भवन में हुई। इसमें 30 प्रस्तावों पर कैबिनेट ने मुहर लगायी। होली से पहले राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में चार फीसदी की बढ़ोत्तरी को मंजूरी दी है। सरकार के इस निर्णय का लाभ पेंशनधारी और पारिवारिक पेंशन धारकों को भी मिलेगा। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने बताया कि राज्य के 14000 पंचायत स्वयंसेवकों को पंचायत सहायक के नाम से जाना जाएगा और उन्हें ₹2500 मानदेय दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त इंसेंटिव भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत 11 नए तीर्थस्थल जोड़े गए हैं। राज्य के बाहर के 20 तीर्थ स्थानों को जोड़ा गया है। कैबिनेट ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके तहत पंचायत स्वयंसेवकों को अब पंचायत सहायक कहा जाएगा। कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि वे 1932 का खतियान व सरना धर्म कोड व आदिवासी-मूलवासी के मुद्दे झारखंड के लिए अहम हैं।

- 14000 पंचायत स्वयंसेवकों को ₹2500 मिलेगा मानदेय
- सड़कों के लिए राशि की मंजूरी

पाठ्यपुस्तकों की राशि में की गई है वृद्धि

झारखंड के सरकारी स्कूलों की कक्षा नौवीं से बारहवीं के छात्रों को दी जानेवाली पाठ्यपुस्तकों की राशि में वृद्धि की गयी है। इस कैबेनिट में न्यू झारखंड भवन के लिए 105 करोड़ की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गयी है। मुसाबनी से ओडिशा बॉर्डर की सड़क के लिए 35 करोड़ की राशि की मंजूरी दी गयी है। दुमका में रानेश्वर पथ के लिए 65 करोड़ की राशि मंजूर की गयी है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चतरा-रांची पथ के लिए कैबिनेट ने राशि की मंजूरी दी है। डीएवी पुंदाग से डीएवी हेहल तक फोर लेन सड़क के लिए राशि की मंजूरी दी है। प्रेझा फाउंडेशन द्वारा आठ नए राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज का संचालन किया जाएगा। आज की कैबिनेट की बैठक में राज्यकर्मियों के परिवहन भत्ता में संशोधन को स्वीकृति दी गयी है।

कैबिनेट की बैठक में इन एजेंडों पर भी लगी मुहर

- नई दिल्ली के नए झारखंड भवन के लिए 105.29 करोड़ की स्वीकृति दी गई है।
- ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव पर चंदवा लातेहार के 400 केवी संचरण लाइन और पतरातू में 400 के बीच संरक्षण नहीं की चोरी हो जाने के बाद यह पूरे मामले के डिस्प्यूट को पीजीसीईई और जेबीएसएनल से निपटारा के लिए उच्च स्तरीय कमेटी को देने का फैसला लिया गया है।
- सरकारी स्कूल में अध्ययनरत कक्षा एक से दो और कक्षा तीन से चार बच्चों का मूल्यांकन होगा और उनके मूल्यांकन शिक्षक करेंगे और आठवीं से ऊपर का मूल्यांकन जैक करेगा।
- के लेवल-वन और लेवल-टू के कर्मियों के लिए परिवहन भत्ता 3,600 और महंगाई भत्ता और अन्य लेबल के कर्मियों के लिए 18 सौ रुपये के साथ महंगाई भत्ता दिया जायेगा।
- आठवें पॉलिटेक्निक खूंटी छात्र लोहरदगा हजारीबाग जामताड़ा गोंडा पालमपुर बगोदर को पैन आईटी से संचालित करने के लिए 77 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई।
- कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा अंतर्गत पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका में डिग्री महाविद्यालय के निर्माण कार्य के लिए 39,94,08,900 रुपये की स्वीकृति दी गई।

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के घर ईडी की रेड

रांची, हजारीबाग समेत 17 ठिकानों पर छापेमारी

कार्रवाई

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में ईडी ने मंगलवार को 17 जगहों पर छापेमारी की। इनमें बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के रांची के धुर्वा स्थित आवास पर छापेमारी की गई। साथ ही बड़कागांव में उनके आवास पर भी टीम पहुंची। यह छापेमारी कई केस से जुड़ी बताई जा रही है। रांची के बिरसा चौक में हवाई नगर रोड नंबर 5 में हजारीबाग सदर के सीओ रह चुके शशिभूषण सिंह के घर भी ईडी की छापेमारी चली। घर से 20 लाख कैश मिलने की खबर है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल शशिभूषण सिंह गोविंदपुर के सीओ हैं। साथ ही हजारीबाग में विधायक अंबा प्रसाद के करीबी रिश्तेदारों के ठिकानों पर भी कार्रवाई हुई। इसमें चाचा धीरेंद्र साव, करीबी राजेन्द्र साव और राजू साव के छह ठिकाने शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक कांग्रेस विधायक के खिलाफ 2023 में ईडी के रांची जोनल ऑफिस में मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत के आधार पर ईडी के उप निदेशक स्तर के अधिकारी ने झारखंड पुलिस से उनके खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर के बारे में जानकारी मांगी थी। हजारीबाग में पांच ठिकानों पर ईडी की रेड चली। ईडी ने अंबा प्रसाद के रिश्तेदार और करीबियों का मोबाइल तक सीज कर लिया था। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने हुडहुडु स्थित विधायक अंबा प्रसाद के घर पर रात एक बजे ही पहुंची थी। आधे दर्जन से अधिक अंबा प्रसाद के सगे संबंधी के घर पर ईडी ने दबिश दी। इसके साथ ही केरेडारी में भी राजू साव के आवास पर ईडी ने कार्रवाई की। हजारीबाग में इसके पहले भी ईडी ने छापेमारी की है, लेकिन यह पहली बार है कि किसी जनप्रतिनिधि के घर हजारीबाग में छापेमारी की गई।

सीओ शशिभूषण सिंह के घर से 20 लाख कैश मिलने की सूचना

ईडी के जोनल ऑफिस में मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत हुई थी दर्ज

- पहले भी सीओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे
- दस माह पूर्व एजेंसी ने मांगी थी सभी केस और समर्पित आरोप पत्र की जानकारी
- केरेडारी, कटकमदाग और बड़कागांव थाना में दर्ज एफआईआर की जानकारी दी गयी थी

धुर्वा स्थित विधायक अंबा प्रसाद के इस घर में ईडी की टीम ने की कार्रवाई।

इन लोगों के ठिकानों पर छापेमारी

ईडी की टीम कांग्रेस की महिला नेता और बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के रांची के धुर्वा और बड़कागांव स्थित आवास, सीओ शशि भूषण सिंह के बिरसा चौक के हवाई नगर के रोड नंबर चार स्थित आवास, बीजेपी कार्यकर्ता राजू साव के हजारीबाग के केरेडारी स्थित आवास, विधायक के करीबी बिंदु दांगी और राजेंद्र साहू के घर छापामारी की है। हाल ही में एक जमीन विवाद में अंबा प्रसाद और उनके पूरे परिवार का नाम आया था। उस जमीन की चहारदीवारी भी जिला प्रशासन ने गिरा दी थी। सरकारी जमीन पर कब्जे का प्रयास का आरोप अंबा प्रसाद और उनके परिवार पर लगा था। शशिभूषण सिंह हजारीबाग के चुरचू में अंचल निरीक्षक थे, प्रमोशन के बाद अंचल अधिकारी बने। फिर हजारीबाग के ही कटमदाग और हजारीबाग सदर में अंचल अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इस दौरान भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। कार्रवाई की जगह उनको धनबाद के गोविंदपुर का अंचल अधिकारी बना दिया गया।

विधायक आवास पर जुटे समर्थक

छापेमारी की खबर के बाद कई समर्थक अंबा प्रसाद के आवास तक पहुंचे लेकिन सीआरपीएफ ने पूरे घर को सुरक्षित घेरे में ले लिया है और किसी भी व्यक्ति को अंदर जाने की इजाजत नहीं दी। विधायक अंबा प्रसाद के पिता और पूर्व मंत्री योगेंद्र साव भी घर में थे। किसी को भी बाहर निकलने की इजाजत नहीं दी गई। बताया जा रहा है कि हर एक ठिकानों पर ईडी की 10 से 12 सदस्यीय टीम ने दस्तक दी। उनके विभिन्न कागजातों को खंगाला गया साथ ही साथ प्रॉपर्टी की भी जांच की गई। वहीं खजांची तालाब स्थित जाने-माने कोयला व्यवसायी राजेंद्र साहू के घर में भी ईडी की छापेमारी चली। यहां पहले भी इनकम टैक्स की छापेमारी हुई थी, जो लगभग तीन दिनों तक चली थी। बता दें कि अंबा प्रसाद ने अपनी राजनीति की शुरूआत साल 2019 से की थी। उन्होंने बड़कागांव विधानसभा सीट से 27 साल की उम्र में चुनाव जीतकर इतिहास बनाया था। उन्होंने आजसू पार्टी के प्रत्याशी रोशनलाल चौधरी को 30,140 वोटों से हराया था।

ईडी ने कई बिंदुओं पर पुलिस से मांगी थी जानकारी

दस माह पहले ईडी द्वारा अंबा पर दर्ज सभी केस और उनमें न्यायालयों में समर्पित आरोपपत्र सहित अन्य बिंदुओं पर झारखंड पुलिस से जानकारी मांगी गयी थी। इसके लिए ईडी के अधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों को पत्राचार किया था। यह पत्राचार ईडी को मिली एक शिकायत के आधार पर किया गया था। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने ईडी को विधायक अंबा प्रसाद के खिलाफ दर्ज केस का ब्योरा भेज दिया था। जानकारी के अनुसार अंबा प्रसाद के खिलाफ एफआईआर की सूची पुलिस द्वारा उपलब्ध करवा दी गयी थी। जिन मामलों की सूची ईडी को दी गयी है, उनमें बड़कागांव थाना केस संख्या 113/21, केरेडारी में कांड संख्या 37/18, कटकमदाग थाना संख्या 96/21 और 217/21 शामिल है। केरेडारी कांड संख्या 37/18 शामिल है। इनमें अंबा प्रसाद समेत पांच-छह लोगों को आरोपी बनाया गया था।

हरियाणा के नए सीएम बने नायब सिंह सैनी

CHANDIGARH : कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नायब सिंह सैनी हरियाणा के 11वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने मंगलवार शाम चंडीगढ़ स्थित राजभवन में शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के पैर छुए। सैनी के बाद कंवर पाल, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह चौटाला, जयप्रकाश दलाल और डॉ. बनवारी लाल ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। ये पांचों खट्टर कैबिनेट में भी थे। नए सीएम सैनी मनोहर लाल के करीबी हैं। 27 अक्टूबर 2023 को ही मनोहर लाल की पैरवी पर उन्हें हरियाणा भाजपा का अध्यक्ष बनाया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा नेताओं ने सैनी को सीएम बनने पर बधाई दी। इससे पहले मंगलवार सुबह मनोहर लाल ने भाजपा और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) का गठबंधन टूटने के बाद मंगलवार सुबह 11.50 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। जिसके बाद चंडीगढ़ के हरियाणा निवास में विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें सैनी को नेता चुना गया।

पीएम ने देश को 10 वंदे भारत ट्रेनों की दी सौगात

रांची-वाराणसी वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद में 85 हजार करोड़ रुपए की रेल प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया। उन्होंने देशभर के विभिन्न राज्यों से चलने वाली 10 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पीएम ने रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद उन्होंने साबरमति आश्रम में कोचरब आश्रम का उद्घाटन किया और गांधी आश्रम स्मारक के मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पूज्य बापू का ये साबरमती आश्रम हमेशा से ही एक अप्रतिम ऊर्जा का जीवंत केंद्र रहा है। जब-जब यहां आने का अवसर मिलता है, तो बापू की प्रेरणा हम अपने भीतर स्पष्ट रूप से अनुभव कर सकते हैं।

पेज 03 भी देखें।

- पीएम बोले- रेलवे पिछली सरकारों में विक्टिम रहा
- 50 दिनों में 1 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे
- गुजरात ने कई धरोहरों को संरक्षित किया है

एसबीआई ने चुनाव आयोग को इलेक्टोरल बांड का ब्योरा सौंपा

15 मार्च तक सार्वजनिक कर सकता है चुनाव आयोग

AGENCY NEW DELHI : एसबीआई ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि उसने चुनावी बॉण्ड का ब्योरा चुनाव आयोग को सौंप दिया है। बैंक ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग 15 मार्च तक इसे सार्वजनिक कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन पहले ही बैंक को आदेश दिया था कि वह 12 मार्च तक इस ब्योरे को चुनाव आयोग को सौंप दे। बता दें कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई की याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उसने विवरण देने की समयसीमा 30 जून तक बढ़ाने की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने एसबीआई से कहा था कि वह चुनाव आयोग के समक्ष 12 मार्च को कामकाजी समय समाप्त होने तक चुनावी बॉण्ड का विवरण सौंप दे।

- सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार तक दी थी डेडलाइन
- इलेक्टोरल बॉन्ड का मसला 2017 से शुरू हुआ
- 15 फरवरी को योजना हुई कैंसिल

एसबीआई ने 30 जून तक मांगी थी मोहलत

एसबीआई ने 4 मार्च को सुप्रीम कोर्ट से राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने की समयसीमा 30 जून तक बढ़ाने की मांग की थी। 7 मार्च को एसबीआई के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग करते हुए कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। याचिका में आरोप लगाया गया कि बैंक ने छह मार्च तक चुनावी बाण्ड के माध्यम से राजनीतिक दलों को दिये गये चंदे का विवरण प्रस्तुत करने के शीर्ष अदालत के निर्देश की जानबूझकर अवज्ञा की। 11 मार्च को कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने समय बढ़ाने की मांग करने वाली एसबीआई की याचिका खारिज की और उसे 12 मार्च को तक निर्वाचन आयोग को चुनावी बाण्ड का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। दो नवंबर, 2023 को शीर्ष न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

100 ड्रोन ने एक साथ किया हमला, मोदी बोले- ये नए भारत की शक्ति

भारत में बने हथियारों ने पाक बॉर्डर पर दिखाई ताकत

AGENCY JAISALMER : एशिया की सबसे बड़ी फील्ड फायरिंग रेंज में मंगलवार को तीनों सेनाओं ने भारत शक्ति युद्धाभ्यास के जरिए भारत में बने हथियारों की ताकत दिखाई। इस युद्धाभ्यास को देखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जैसलमेर जिले के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में पहुंचे। युद्धाभ्यास में ध्रुव हेलिकॉप्टर भारतीय सेना के कमांडों को दुश्मनों के ठिकानों तक ले गया और वहां जवानों ने आर्तकियों का खात्मा किया। वहीं, तेजस विमान ने दुश्मन के टैंकों पर हमला बोलकर उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया। इसके साथ ही पिनाका मिसाइल, नाग मिसाइल, मल्टी यूटिलिटी व्हीकल और ड्रोन हमलों से दुश्मन के ठिकानों पर हमले किए गए। मोदी ने कहा कि जिन्होंने देश पर दशकों तक शासन किया, उन्होंने देश की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया। पहला घोटाला ही सेना की खरीदी में किया। 2014 में रक्षा सौदों में घोटालों की चर्चा होती थी। सेना के पास गोला-बारूद नहीं होने की चिंताएं सामने आती थीं। उन्होंने हमारी ऑर्डनेंस फैक्ट्री को बर्बाद कर दिया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को बर्बाद कर दिया, हमने उसे सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाली कंपनी बना दिया। पहले की सरकार हमारी सीमाओं पर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने से डरती थी, आज एक से एक रोड बन रहे हैं।

- प्रधानमंत्री की मौजूदगी में हुआ भारत शक्ति युद्धाभ्यास
- भारत में बने ड्रोन ने दुश्मनों के ठिकानों का पता लगाया

पांचवीं पीढ़ी के फाइटर विमान भारत में बनेंगे

मोदी ने कहा कि जिन हथियारों का इस्तेमाल जवान करते हैं, यदि वे देश में बने हों तो उन्हें पता होता है कि यह हथियार कभी कम नहीं पड़ेंगे। कुछ दिन पहले ही कैबिनेट ने फैसला लिया है कि पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान भी हम भारत में ही डिजाइन, डेवलप और मैन्युफैक्चर करने वाले हैं। भविष्य में भारत का डिफेंस सेक्टर बहुत बड़ा होने वाला है। भारत डिफेंस सेक्टर में भी निर्यातक बनता जा रहा है। मोदी ने कहा कि 10 साल में 6 लाख करोड़ के रक्षा उपकरण स्वदेशी कंपनियों से खरीदे गए। इन 10 सालों में देश का रक्षा उत्पादन दोगुना से भी ज्यादा यानी एक लाख करोड़ से भी ज्यादा हो चुका है। इसमें नौजवान अहम भूमिका निभा रहे हैं। पिछले 10 सालों में 150 से ज्यादा डिफेंस स्टार्टअप शुरू हुए हैं। सेना ने 1800 करोड़ का ऑर्डर इन्हें देने का फैसला किया है। मोदी ने कहा कि विकसित भारत की कल्पना आत्मनिर्भर भारत के बिना संभव ही नहीं है। भारत को विकसित होना है तो हमें दूसरों पर अपनी निर्भरता को कम करना होगा। इसलिए आज भारत खाने के तेल से लेकर आधुनिक लड़ाकू विमान तक हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बल दे रहा है।

सीएए के तहत नागरिकता के लिए पोर्टल लॉन्च, सुप्रीम कोर्ट पहुंची मुस्लिम लीग

NEW DELHI : सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए के तहत भारतीय नागरिकता के लिए गृह मंत्रालय ने वेब पोर्टल लॉन्च किया है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए गैर- मुस्लिम शरणार्थियों से नागरिकता के लिए आवेदन मांगे गए हैं। केंद्र ने 11 मार्च को सीएए का नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके साथ ही यह कानून देशभर में लागू हो गया। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इसके तहत 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। दूसरी तरफ, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने सीएए पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

कांग्रेस ने जारी की छह राज्यों के 43 उम्मीदवारों की लिस्ट

तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे भी बने प्रत्याशी

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। कांग्रेस की दूसरी लिस्ट में 43 उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को भी लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र नकुल नाथ को टिकट दी गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को जालौर टिकट दी गई है। असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई को जोरहाट से टिकट दी गई है। लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को कांग्रेस ने दूसरी लिस्ट जारी की है। कांग्रेस की दूसरी लिस्ट में 6 राज्यों से 43 नामों की घोषणा की गई है। इसमें असम से 12 , गुजरात से 7, मध्य प्रदेश से 10, राजस्थान से 10, उत्तराखंड से 3 और दमन द्वीप से 1 उम्मीदवार के नाम की घोषणा की गई है।

BRIEF NEWS

दो लोडेड पिस्टल के साथ अपराधी गिरफ्तार

DUMKA : जिले के शिकारीपाड़ा थाना की पुलिस ने दो लोडेड पिस्टल और चार कारतूस के साथ जेम्स मुर्मू को गिरफ्तार किया है। एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की चितरागड़िया बाजार में किसी घटना को अंजाम देने के लिए जेम्स मुर्मू पिस्तौल लेकर घूम रहा है। तत्काल एसपी ने प्रभारी थाना प्रभारी गणेश पासवान को यह सूचना दी। थाना प्रभारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जेम्स मुर्मू को गिरफ्तार किया। उसके पास से मैगजीन लोड दो पिस्टल और चार कारतूस बरामद हुए। इस मामले में थाना में मामला दर्ज किया गया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत

DUMKA : जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के रामपुरहाट-दुमका पथ पर पिकअप वैन से बाइक की टक्कर हो गई। दुर्घटना से बाइक सवार दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में सोमलाल सोरेन (40) रामपुरहाट थाना क्षेत्र के काटाबाग गांव का रहने वाला था और विजय मुर्मू (21) शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के कालीपाथर गांव का निवासी था। दोनों रिश्तेदार बताए जाते हैं। जानकारी के अनुसार दोनों युवक बाइक से रामपुरहाट की ओर जा रहे थे कि लोड़ीपहाड़ी मोड़ के पास हादसा हो गया। सूचना मिलने पर शिकारीपाड़ा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

पुलिसकर्मियों के पारण परेड में शामिल हुए डीजीपी

SAHIBGANJ : जिले के झारखंड सशस्त्र पुलिस बल नौ के प्रशिक्षुओं के पारण-परेड समारोह में डीजीपी अजय कुमार शामिल हुए। समारोह में झारखंड राज्य के विभिन्न जिला, वाहिनी और इकाई के 378 पुरुष और 111 महिला प्रशिक्षु कुल 489 प्रशिक्षु शामिल हुए। इनका बुनियादी प्रशिक्षण 06 दिसम्बर, 2021 को प्रारंभ हुआ था। प्रशिक्षण अवधि 210 दिनों की थी। झारखंड सशस्त्र पुलिस बल नौ साहिबगंज के सनादेष्टा कुमार गौरव ने प्रशिक्षुओं को शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में मुख्य अतिथि डीजीपी अजय कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथियों में एडीजी प्रशिक्षण सुमन गुप्ता, एडीजी प्रिया दुबे, आईजी प्रोविजन पंकज कम्बोज, डीआईजी मयूर पटेल कन्हैया लाल, डीआईजी संजीव कुमार अन्य कई अधिकारी शामिल थे।

अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में दहशत, जांच में जुटी पुलिस

DHANBAD : कतरास थाना क्षेत्र के निचितपुर नर्सिंग होम के पास मंगलवार को एक महिला की सड़ी-गली लाश मिली है, जिसकी सूचना पर मौके पर कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह अपने दलबल के साथ पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं। कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह ने बताया कि शव इतनी ज्यादा सड़गल चुकी है कि पुलिस को शव की शिनाख्त करने में मुश्किल हो रही है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया है। जिसकी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस मामले में कुछ खुलासा कर पाएगी। ज्ञात हो तीन दिन पहले ही कतरास के निचितपुर से ही एक लड़की की गुमशुदगी की मामला प्रकाश में आया था। इस संबंध में स्थानीय थाना में गुमशुदगी का मामला भी दर्ज की गई थी।

मरकच्चो में झामुमो कार्यकर्ताओं ने निकाली न्याय पदयात्रा

KODERMA : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ़्तारी व केंद्र सरकार के षड़यंत्रपूर्ण कार्यशैली के विरोध में झामुमो पार्टी के कार्यकताओं ने मंगलवार को मरकच्चो अस्पताल से सैकड़ों की संख्या में न्याय पदयात्रा निकला जो ब्लॉक चौक पहुंच नुकड़ सभा में तब्दील हो गया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी साढे 18 वर्षों तक झारखंड में सत्ता पर काबिज रही और भाजपा ने झारखंड में सिर्फ खनिज संपदा को लूटने का काम किया। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व में महा गठबंधन की सरकार बनी तब से भारतीय जनता पार्टी के लोगों को पेट दर्द शुरू हो गया और तब से सरकार गिराने के लिए एन केन प्रकरण के तहत पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को झूठा केस में फंसा कर जेल में डालने का काम किया।

4450 करोड़ से तीसरी रेल परियोजना आरंभ, कोयले की ढुलाई में आएगी तेजी

पीएम मोदी ने किया ऑनलाइन उद्घाटन

PHOTON NEWS PALAMU : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोशियारा में बने रेलवे के गुड्स शेड, डालटनगंज और नगर उंटारी रेलवे स्टेशन पर एक स्टेशन-एक उत्पाद स्टॉल का मंगलवार को ऑनलाइन उद्घाटन किया। डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर इसका लाइव प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम में सांसद विष्णुदयाल राम, बिश्रामपुर के विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, बीजेपी जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, परशुराम ओझा, अविनाश देव, दुर्गा जौहरी, विभाकर नारायण पांडे समेत कई गणमान्य उपस्थित थे। इनके अलावा यातायात निरीक्षक अनिल कुमार तिवारी स्टेशन प्रबंधक उमेश कुमार समेत कई रेलकर्मी मौजूद थे।

कार्यक्रम में उपस्थित सांसद विष्णुदयाल राम व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मौके पर सांसद ने कहा कि पंजरी और लालगढ़ में लंबे समय से एलएचएस निर्माण की मांग की जा रही थी। रेलवे ने यहां एलएचएस निर्माण की स्वीकृति दे दी है। उन्होंने कहा कि तीसरी रेल परियोजना के उद्घाटन से मालगाड़ियों को सीधी लाइन मिलेगी। इनकी गति बढ़ेगी। साथ ही नयी ट्रेनों का परिचालन भी संभव हो पायेगा।

सांसद ने कहा कि पतरातू से सोननगर तक चार हजार करोड़ रुपये एवं चियांकी से गढ़वा रोड तक 450 करोड़ खर्च कर तीसरी रेल परियोजना को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस को पलामू के रास्ते तीन दिनों तक चलाने की कोशिश की जा रही है।

पीएम ने एमपीएल रेलवे साइडिंग का किया उद्घाटन

PHOTON NEWS DHANBAD : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को मैथन थर्मल पावर रेलवे साइडिंग का ऑनलाइन उद्घाटन किया। इसके साथ एमपीएल रेलवे साइडिंग प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट गति शक्ति बहुविध कार्गो टर्मिनल योजना का पहला प्रोजेक्ट बन गया। अब एमपीएल में सीधे रेलवे रैक से कोयले की आपूर्ति हो सकेगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सम्मिलित हुए टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा रेलवे के आधुनिकीकरण को लेकर यह बहुत ही अच्छी पहल है। इससे आम जनता को सुविधा मिलेगी। भाजपा नेता विक्रम पाण्डेय ने

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गोमो स्टेशन को दिए गए सौगात को काफी सराहा।

इस अवसर पर एमपीएल परिसर में मोदी की गारंटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एमपीएल के पदाधिकारियों के साथ रेलवे और चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने भाग लिया। एमपीएल के पदाधिकारी डीके गंगवार ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से एमपीएल को महीने में 400 करोड़ की अतिरिक्त बचत होगी। पहले एमपीएल को 700 करोड़ रुपये का लाभ मिल रहा था। गति शक्ति बहुविध कार्गो टर्मिनल के तैयार हो जाने पर यह लाभ 1100 करोड़ पहुंच गया है। यह प्रधानमंत्री की बहुआयामी सोच का नतीजा है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद से सुबह करीब 9 बजकर 31 मिनट पर रिमोट का बटन दबाकर पूरे देश में 85 हजार करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया, जिसमें थापरनगर गति शक्ति बहुविध कार्गो टर्मिनल भी शामिल है।

एमपीएल में आयोजित समारोह में कंपनी के डीआर शर्मा, रेलवे के सीनियर डीसीएम मार्शल ए सिल्वा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक चंद्रशेखर चौधरी, सांसद प्रतिनिधि संजय महतो, चैंबर के सुकुमार अग्रवाल, मुरली किशोर साव आदि मौजूद थे।

पलामू में आरटीई के तहत एडमिशन पोर्टल की शुरुआत

कार्यक्रम में उपस्थित डीडीसी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के तहत निःशुल्क एडमिशन के लिए जिला शिक्षा विभाग के आरटीईपलामूडॉटइन नामक पोर्टल की उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को शुरूआत की। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त रवि आनंद, सहायक समाहर्ता रवि कुमार मौजूद रहे।

इसके बाद समाहरणालय के सभागार में पोर्टल के संचालित पर कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें निजी स्कूलों से आए प्रतिनिधियों, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों, बीआरपी, सीआरपी समेत अन्य ने भाग लिया। कार्यशाला में पोर्टल के माध्यम से बच्चों का एडमिशन कैसे लेना है, पोर्टल पर स्कूल की ओर से क्या-क्या किया जाना है और टेक्निकली पोर्टल को कैसे हैंडल करना है, इसकी पूरी जानकारी दी गयी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि इस पोर्टल के जरिये आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों का पारदर्शी तरीके से निजी स्कूलों में एडमिशन लेना आसान हो जायेगा। साथ ही बच्चे खुद भी अपने स्तर से पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

रामगढ़ : 205 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ शहर में पेयजल आपूर्ति की समस्या को दूर करने के लिए बड़े स्तर पर योजना तैयार की गई है। 205 करोड़ की लागत से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना से रामगढ़ शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति की समस्या न सिर्फ दूर होगी बल्कि हर घर में साफ पानी पहुंचेगा। इसके लिए रामगढ़ जिला प्रशासन ने काम भी शुरू कर दिया है। टेंडर के बाद दिल्ली की कंपनी ने पूरा सर्वे कर लिया है।

24 महीने में बनकर तैयार हो जाएगा प्लांट : नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि यह परियोजना 24 महीने में बनकर तैयार हो जाएगी। इस परियोजना का ट्रायल भी तीन महीने तक किया जाएगा। अगर इस दौरान कहीं भी खामी नजर आई तो उसे तत्काल दूर किया जाएगा। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस कंपनी को यह काम दिया गया है वह 15 वर्षों तक इस सीवेज

ट्रीटमेंट प्लांट का ऑपरेशन और मेंटेनेंस भी करेगी।

सुगिया और गोबरदाहा में स्टोर किया जाएगा पानी : इस परियोजना को बेहद बारीकी से बनाया गया है। सुगिया और गोबरदाहा में पानी को स्टोर करने के लिए लगभग नौ एकड़ जमीन अधिग्रहित की गई है। सुगिया में 4.5 एकड़ जमीन अधिग्रहित किया गया है, जहां 17 एमएलडी पानी को स्टोर कर फिल्टर किया जाएगा। गोबरदाहा में 4.9 एकड़ जमीन को अधिकृत किया गया है। वहां पर 23 एमएलडी पानी को स्टोर कर फिल्टर किया जाएगा। इतने बड़े पैमाने पर पानी की सप्लाई भी प्रतिदिन शहरी क्षेत्र में होगी।

69000 घरों में पानी पहुंचाने का रखा गया लक्ष्य : सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से रामगढ़ छावनी परिषद और नगर परिषद क्षेत्र में 69000 घरों में पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि रामगढ़ छावनी क्षेत्र के 45000 और नगर परिषद के 24000 घरों को पानी देने की क्षमता सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की रहेगी।

अंडरएज बताकर मेरिट लिस्ट से नाम हटाए जाने का विरोध

नाराज होमगार्ड अभ्यर्थियों ने समाहरणालय गेट किया जाम

PHOTON NEWS PALAMU : होमगार्ड अभ्यर्थियों ने मंगलवार को समाहरणालय गेट जाम कर जमकर प्रदर्शन किया। सारे अभ्यर्थी होमगार्ड बहाली में अंडरएज बताकर मेरिट लिस्ट से नाम हटाये जाने से नाराज थे। गेट जाम रहने के कारण अंदर और बाहर आने जाने का सिलसिला कुछ देर तक थमा रह गया। सूचना मिलते ही सदर अंचलाधिकारी अमरजीत सिंह बलहोत्रा एवं शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार मौके पर पहुंचे और नाराज अभ्यर्थियों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया।

प्रदर्शन कर रहे होमगार्ड अभ्यर्थियों ने कहा कि यदि वे अंडरएज थे या अन्य कोई त्रुटि थी तो फार्म भरते समय या दौड़ लगाते समय ही उनका नाम हटा देना चाहिए था लेकिन मेरिट लिस्ट के बाद छंटनी करना कहीं से भी न्याय संगत नहीं है। मेरिट लिस्ट में शामिल सभी अभ्यर्थियों को ज्वाइन कराया जाए नहीं तो इसी तरह से चरणबद्ध आन्दोलन किया जायेगा।

मौके पर सदर सीओ एवं थाना प्रभारी ने नाराज अभ्यर्थियों को बताया कि 01 जनवरी, 2023 को जिनकी उम्र 19 वर्ष पूरी हो चुकी है, वैसे लोगों ने अपना आवेदन दिया है, उसमें कोई त्रुटि होगी तो सुधार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यदि जिनकी उम्र 19 से कम होगी उस पर विचार नहीं किया जा सकता।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी ने होमगार्ड बहाली में भाग लिए हुए अभ्यर्थियों से मुलाकात की। अभ्यर्थियों के साथ पलामू समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन भी किया।

चतरा से शशिभूषण मेहता को उम्मीदवार बनाने की मांग

बीजेपी टिकट देती है तो ठीक, अन्यथा स्वयं चुनाव लड़ेगा कुशवाहा समाज

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा चुनाव में भाजपा की ओर से कुशवाहा समाज से एक भी प्रत्याशी नहीं देने से समाज के लोगों में नाराजगी है। इसे लेकर अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अभय कुशवाहा ने प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में कुशवाहाओं की संख्या काफी है। समाज के 90 फीसदी लोग बीजेपी को समर्थन करते है। लेकिन इस बार अब तक भाजपा की ओर से कुशवाहा समाज से एक भी उम्मीदवार नहीं दिया गया है। जबकि झारखंड के चार लोकसभा सीटों पर कुशवाहा बाहुल्य क्षेत्र है, जिसमे कोडरमा, गिरिडीह,

मीडिया को संबोधित करते कुशवाहा समाज। ● फोटोन न्यूज

हजारीबाग एवं चतरा शामिल है। समाज के लोगों आस लगाए हुए है कि चतरा से समाज के विधायक डॉक्टर कुशवाहा शशि भूषण मेहता को अवसर मिलेगा। कुशवाहा शशि भूषण मेहता को टिकट मिलने से झारखंड के सभी कुशवाहा समाज भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देगी।

अभय कुशवाहा ने कहा कि यदि ऐसा नही हुआ है तो कुशवाहा समाज निर्दलीय ही चुनाव मैदान अपना कैंडिडेट उतारेगी और भारतीय जनता पार्टी को सबक सिखाने का काम करेगी। प्रेस वार्ता में प्रदेश के पदाधिकारी चूड़ामणि महतो, अमरनाथ महतो, प्रयाग महतो समेत अन्य मौजूद थे।

युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ भाजयुमो ने जड़ा नियोजनालय में ताला

PALAMU : भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू प्रमंडल द्वारा मंगलवार को झारखंड राज्य सरकार की युवा विरोधी नीतियों एवं रोजगार के मुद्दे को लेकर नियोजन कार्यालय में तालाबंदी कर उग्र प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व युवा मोर्चा झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष शशांक राज ने किया। मौके पर श्री राज ने कहा कि 2019 से सत्ता की बागडोर संभाले महाठगबंधन की सरकार ने केवल और केवल राज्य के युवाओं के साथ छलावा किया है। सरकार के पहले मुखिया हेमंत सोरेन ने युवाओं को लोकलुभावन वादे से सत्ता की चाबी पाकर लगातार युवाओं को बरगलाने का काम किया है। नतीजा यह है कि आज हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के आरोप में होटवार जेल की हवा खा रहे हैं। पलामू प्रमंडल प्रभारी श्रीनिवास ने कहा कि युवा विरोधी सरकार लगातार युवाओं को रोजगार के नाम पर लॉलीपॉप देने का काम कर रही है, जिससे राज्य के युवा त्रस्त हो चुके हैं।

परीक्षा फल में गड़बड़ी को लेकर छात्र आजसू ने किया रांची विश्वविद्यालय के कुलपति का घेराव

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल झारखंड छात्र आजसू का प्रतिनिधिमंडल रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला व मारवाड़ी कॉलेज अध्यक्ष विशाल कुमार यादव के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अजीत कुमार सिन्हा का घेराव कर उन्हें छात्र-छात्राओं से संबंधित परेशानियों से अवगत कराया। अभिषेक शुक्ला ने कहा की आज ही मारवाड़ी महाविद्यालय सेमेस्टर 4 का परीक्षाफल प्रकाशित हुआ है जिसमें महाविद्यालय के एक भी छात्र-छात्राएं पास नहीं है सभी को प्रमोट किया गया है यह कहीं ना कहीं महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के कार्यशाली पर सवाल खड़ा करता है।

अभिषेक शुक्ला ने आगे कहा की मारवाड़ी महाविद्यालय में अमानत की परीक्षा हुए 7 माह से ऊपर का समय बीत गया के परंतु

आजसू छात्र संघ के प्रतिनिधि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

अमानत का रिजल्ट अभी तक प्रकाशित नहीं किया गया।

वही मौके पर मौजूद मारवाड़ी महाविद्यालय के अध्यक्ष विशाल कुमार यादव ने कहा की मारवाड़ी कॉलेज की ऑटोनॉमी कंटिन्यू हुई है ना कि समाप्त होने के बाद दोबारा मिला है इसलिए महाविद्यालय प्रशासन परीक्षा परीक्षा संचालन एवं परीक्षा फल का प्रकाशन का काम स्वयं देखें। आगे छात्र आजसू के सदस्यों ने कहा की 7 दिनों के अंदर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्र-छात्राओं के रिजल्ट को सुधार कर पुन प्रकाशित नहीं किया गया एवं मारवाड़ी महाविद्यालय को परीक्षा एवं परीक्षा फल प्रकाशित करने की अनुमति नहीं दी गई तो अखिल झारखंड छात्र संघ आजसू मारवाड़ी महाविद्यालय में तालाबंदी करने के लिए बाध्य होगी।

मौके पर मौजूद रांची विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अजीत कुमार सिन्हा ने कहा की जल्द ही सभी समस्या का समाधान किया जाएगा, मारवाड़ी महाविद्यालय ही अब अपने सारे परीक्षा करवाएगी, मारवाड़ी महाविद्यालय का रिजल्ट पुनः प्रकाशित किया जाएगा।

एमएसएमई मंत्रालय की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

रोजगार प्रदान करने में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका

PHOTON NEWS KHUNTI : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय, एमएसएमई मंत्रालय की ओर से कर्रा प्रखंड सभागार में मंगलवार को बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) विषयक एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नागेशिया ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड के एमएसएमई और अन्य हितधारकों को सक्षम, पहचान, सुरक्षा और उनके प्रतिस्पर्धी लाभ के लिए आईपीआर को सक्षम बनाने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूक

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

करना था। कार्यक्रम का संयोजन एवं समन्वयन ज्योत्सना गुड़िया, सहायक निदेशक, एमएसएमई ड़ीएफओ ने किया।

बताया गया कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का अत्यधिक जीवंत और गतिशील क्षेत्र है और बड़े रोजगार के अवसर प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज के वैश्विक प्रतिस्पर्धी व्यापार परिदृश्य में, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) से संबंधित मुद्दे उनकी स्थिरता के लिए काफी महत्वपूर्ण हो गए हैं। वैश्विक मानकों और तकनीकी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए, एमएसएमई अब प्रतिस्पर्धी लाभ और तकनीकी लाभ प्राप्त करने के लिए अपनी आईपी परिसंपत्तियों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित कर रहे है, क्योंकि ये विपणन और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बहुत महत्वपूर्ण उपकरण हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ज्योत्सना गुड़िया, सहायक निदेशक ने बौद्धिक संपदा अधिकार पर हर तरह की जानकारी साझा की और भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओ जैसे उद्यम पंजीकरण, चैम्पियन पोर्टल, पीएमएस स्कीम, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन कार्यक्रम जैसी विभिन्न योजनाओ के बारे मे जानकारी दी।

उन्होंने प्रतिभागियों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया तथा उनके सवालों का निराकरण किया। उन्होंने सभी को बौद्धिक संपदा अधिकार योजना को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में रितेश कुमार महतो, अधिवक्ता झारखंड उच्च न्यायालय, रांची के अलावा ब्लॉक कोर्डिनेटर, आशीष वर्मा, पंकज शर्मा, संतोष सोनी, जॉन हस्सा और अन्य अतिथिगण मौजूद थे।

लोहरदगा के एकलव्य बालिका विद्यालय में विधिक जागरुकता शिविर आयोजित

PHOTON NEWS LOHARDAGA : राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार एकलव्य मॉडल बालिका आवासीय विद्यालय, कुजरा, लोहरदगा में विधिक जागरुकता शिविर के साथ करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुजरा आवासीय विद्यालय के छात्राओं ने बाल विवाह, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के ऊपर नाट्य मंचन किया। नारी अस्मिता को लेकर काव्य पाठ और महिला सशक्तिकरण को लेकर भाषण का आयोजन किया गया। विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुरूआत एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय की प्राचार्य अमृता मिश्रा ने किया। बच्चों को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजेंद्र बहादुर पाल ने कहा कि

सामाजिक कुरीतियों को दूर करना हम सब का दायित्व है। विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वह पाठ्य पुस्तकों में पढ़ रहे सिद्धांतों का अपने जीवन में अनुकरण करते हुए समाज के उन दुगुर्णों को दूर करें, जिससे समाज अभी भी अछूता नहीं है। बाल विवाह, डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम एवं चारों ओर फैली गंदगी को लेकर पीडीजे ने उपस्थित छात्राओं एवं लोगों को आगाह किया।

इस मौके पर कई छात्राओं ने पीडीजे के रूप में कार्य संपादन में आ रही समस्याओं एवं चुनौतियां को लेकर अपने प्रश्न रखे। साथ ही साथ बच्चों ने कानून के क्षेत्र में करियर बनाने को लेकर पीडीजे से जानकारियां प्राप्त की।

रांची से वाराणसी के बीच 132 किमी की गति से पटरी पर दौड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस

सुबह 9.38 बजे रांची स्टेशन से रवाना हुई सेमी हाईस्पीड एक्सप्रेस, 38 मिनट विलंब से खुली

PHOTON NEWS RANCHI : रांची से वाराणसी के बीच सेमी हाईस्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रांची स्टेशन पर सादे समारोह के बीच बीच सुबह 9.38 बजे ट्रेन को स्टेशन से रवाना किया गया। अपने निर्धारित समय से 38 मिनट विलंब से ट्रेन का परिचालन हुआ। ट्रेन 132 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति से ट्रैक पर दौड़ी। उद्घाटन के इस कार्यक्रम में रांची रेलवे स्टेशन पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू, समीर उरांव, मंत्री दीपक बिरुआ, विधायक सीपी सिंह, विधायक कोचे मुंडा, दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम अनिल मिश्रा और डीआरएम जसमीत बिंद्रा उपस्थित थे। परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि केंद्र सरकार रेलवे के के माध्यम से झारखंड को जोड़ रहा है, उसी तरह झारखंड सरकार मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना से दूर दराज के क्षेत्रों व प्रखंडों को रांची से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने रेल को लेकर जो घोषणाएं की थी, सभी पूरी हुई। वे बधाई के पात्र हैं। राज्यसभा सांसद आदित्य कुमार साहू ने कहा कि रांची-बनारस वंदेभारत ट्रेन को तीन दिन लोहरदगा-टोरी लाइन होकर चलानी चाहिए, साथ ही गरीब लोगों के लिए सुविधा इस ट्रेन में मिलनी चाहिए। समीर उरांव ने कहा कि नागरिक सुविधाओं के प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। मोदी ने गारंटी दी है और देने का भी काम कर रहे हैं। ट्रेन में बच्चें अपने साथ वंदे भारत, चंद्रयान, सशक्त भारत सहित पर्यावरण संरक्षण की तस्वीर और पोस्टर बनाकर जागरूक करने का काम कर रहे थे। ट्रेन में लगभग 100 स्कूली छात्र-छात्राएं सवार थे। यात्रा में रांची से वाराणसी के बीच वंदे भारत का सात स्टेशनों पर ठहराव व स्वागत हुआ।

सेमी हाईस्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर लुफ्त उठाते भाजपा सांसद संजय सेठ व अन्य।

अब रांची से पुरी के लिए चौथी वंदे भारत जल्द : संजय

सांसद संजय सेठ ने कहा कि रांची-पुरी के बीच भी जल्द ही वंदेभारत एक्सप्रेस चलेगी। इसको लेकर रेलमंत्री से उन्होंने आग्रह किया है। हटिया-पुरी के बीच चलने वाली ट्रेन में काफी भीड़ होती है। ऐसे में यात्रियों को परेशानी होती है। लेकिन, इसकी सुविधा होने से कम समय में पुरी तक पहुंचना संभव होगा। साथ ही यात्रियों को एक बेहतर सुविधा भी मिलेगी। भगवान जगन्नाथ की यात्रा के लिए यात्रियों को ज्यादा परेशानी नहीं होगी। उनका टिकट कंफर्म हो सकेगा। कई दफा यात्रियों को सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ता , जिसकी दूरी अधिक रहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ही यह सब संभव हो सका है। इससे पहले भी उन्होंने रेलमंत्री से रांची-बनारस के बीच भी वंदेभारत एक्सप्रेस चलाने का आग्रह किया था। इस ट्रेन के परिचालन यात्री बाबा विश्वनाथ का दर्शन आसानी कर सकेंगे। इसके लिए 13 घंटे का सफर नहीं करना होगा। बल्कि आठ घंटे के अंदर रांची से वाराणसी पहुंच सकेंगे। पुरी को लेकर कई यात्री भी इसकी मांग कर रहे हैं, जिसे लेकर उन्होंने इस मांग को आगे बढ़ाया गया। वंदे भारत ट्रेन उदघाटन के बाद अब ट्रेन 18 मार्च से नियमित चलेगी। सिर्फ गुरुवार को ट्रेन का परिचालन नहीं होगा। बल्कि सप्ताह में छह दिन ही चलेगी। वाराणसी तक यात्रियों को एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 2725 रुपये (भोजन के साथ) व 2325 रुपये (बिना भोजन के) और चेयरकार के लिए 1505 रुपये (भोजन के साथ) व 1160 रुपये (बिना भोजन के) का किराया भुगतान करना होगा। इसमें यात्रियों को सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना परोसा जाएगा। जबकि वाराणसी से रांची वापसी के दौरान एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 2675 रुपये (भोजन के साथ) व 2325 रुपये (बिना भोजन के) और चेयरकार के लिए 1450 रुपये (भोजन के साथ) व 1160 रुपये (बिना भोजन के) का किराया भुगतान करना होगा। इसमें यात्रियों को शाम में चाय और रात्रि का खाना का दिया जाएगा। वंदे भारत ट्रेन 7.50 घंटे में वाराणसी पहुंचेगी। ट्रेन रांची स्टेशन से सुबह 5.10 बजे खुलेगी और दोपहर एक बजे वाराणसी स्टेशन पर पहुंचेगी। जबकि वाराणसी स्टेशन से ट्रेन शाम 4.05 बजे खुलेगी और रांची स्टेशन पर रात्रि 11.55 बजे पहुंचेगी। इस दौरान ट्रेन रांची स्टेशन और वाराणसी स्टेशन के बीच छह स्टेशनों पर रूकेगी। इसमें मुरी स्टेशन, बोकारो स्टील सिटी, कोडरमा, गया, सासाराम और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन शामिल है। अमूमन वाराणसी जाने में ट्रेन से 13 घंटे लगते हैं। लेकिन इस बार वंदे भारत से आठ घंटे से भी कम समय में वाराणसी पहुंचना संभव होगा।

आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस का भी परिचालन शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ-साथ रांची- मधुपुर -रांची एक्सप्रेस का आसनसोल तक विस्तार तथा नई ट्रेन आसनसोल-हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस का परिचालन किया गया।यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रांची-मधुपुर-रांची एक्सप्रेस का आसनसोल तक विस्तार दिया गया। उद्घाटन स्पेशल ट्रेन का आसनसोल प्रस्थान 9 बजे हुआ तथा ट्रेन चित्तरंजन, जामताड़ा, मधुपुर, न्यू गिरिडीह, जमुआ, धनवार, नावाडीह, महेशपुर, कोडरमा, बरही, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना, मेसरा, टाटीसिलवे, रांची होते हुए 19:30 बजे हटिया पहुंची। ट्रेन 13514 /13513 हटिया - आसनसोल - हटिया एक्सप्रेस का नियमित परिचालन हटिया से 13 मार्च एवं आसनसोल से 14 मार्च को प्रारंभ होगा। ट्रेन 13514 हटिया - आसनसोल एक्सप्रेस 13 मार्च से प्रत्येक सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शनिवार एवं रविवार को हटिया से प्रस्थान करेगी। इस ट्रेन का हटिया प्रस्थान 15:00 बजे, रांची आगमन 15:10 बजे, प्रस्थान 15:15 बजे, टाटीसिलवे आगमन 15:38 बजे प्रस्थान 15:40 बजे, मेसरा आगमन 15:46 बजे प्रस्थान 15:48 बजे, बरकाकाना आगमन 16:38 बजे प्रस्थान 16:43 बजे, हजारीबाग टाउन आगमन 17:37 बजे प्रस्थान 17:39 बजे, बरही आगमन 18:21 बजे प्रस्थान 18:23 बजे, कोडरमा आगमन 19:00 बजे प्रस्थान 19:20 बजे, महेशपुर आगमन 19:59 बजे प्रस्थान 20:01 बजे, नावाडीह आगमन 20:17 बजे प्रस्थान 20:19 बजे, धनवार आगमन 20:34 बजे प्रस्थान 20:36 बजे, जमुआ आगमन 20:57 प्रस्थान 20:59 बजे, न्यू गिरिडीह आगमन 21:30 बजे प्रस्थान 21:32 बजे, मधुपुर आगमन 22:11 बजे प्रस्थान 22:16 बजे, जामताड़ा आगमन 22:43 बजे प्रस्थान 22:45 बजे, चित्तरंजन आगमन 22:58 बजे प्रस्थान 23:00 बजे एवं आसनसोल आगमन 23:40 बजे होगा । ट्रेन 13513 आसनसोल - हटिया एक्सप्रेस 14 मार्च से प्रत्येक सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शनिवार एवं रविवार को आसनसोल से प्रस्थान करेगी। ट्रेन का आसनसोल प्रस्थान 04:10 बजे, चित्तरंजन आगमन 04:33 बजे प्रस्थान 04:35 बजे, जामताड़ा आगमन 04:52 बजे प्रस्थान 04:54 बजे, मधुपुर आगमन 05:30 बजे प्रस्थान 05:35 बजे, न्यू गिरिडीह आगमन 06:21 बजे प्रस्थान 06:23 बजे, जमुआ आगमन 06:51 बजे प्रस्थान 06:53 बजे, धनवार आगमन 07:16 बजे प्रस्थान 07:18 बजे, नावाडीह आगमन 07:33 बजे प्रस्थान 07:35 बजे, महेशपुर आगमन 07:49 बजे प्रस्थान 07:51 बजे, कोडरमा आगमन 08:20 बजे प्रस्थान 08:40 बजे, बरही आगमन 09:26 बजे प्रस्थान 09:28 बजे, हजारीबाग टाउन आगमन 10:15 बजे प्रस्थान 10:17 बजे, बरकाकाना आगमन 11:22 बजे प्रस्थान 11:27 बजे, मेसरा आगमन 12:39 बजे प्रस्थान 12:41 बजे, टाटीसिलवे आगमन 12:58 बजे प्रस्थान 13:00 बजे, रांची आगमन 13:40 बजे प्रस्थान 13:45 बजे एवं हटिया आगमन 14:00 बजे होगा। इन ट्रेनों में एसएलआर के 02 कोच, सामान्य

एक स्टेशन एक उत्पाद योजना का उद्घाटन

पीएम नरेन्द्र मोदी वंदे भारत को वीडियो कांफ्रेंसिंग से हरी झंडी दिखाने के बाद रांची मंडल के रांची, हटिया, गोविंदपुर रोड, मुरी, इटकी, पिस्का, सिल्ली, टांगरबसली एवं टाटीसिल्वे स्टेशनों पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के स्टाल का भी उद्घाटन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस योजना को प्रमुखता के साथ विभिन्न स्टेशनों पर बढ़ावा दिया जा रहा है। ट्रेन का परिचालन सप्ताह में सिर्फ छह दिन होगा। गुरुवार को ट्रेन का परिचालन नहीं होगा। ट्रेन में कुल कोच होंगे। एक कोच एग्जीक्यूटिव क्लास और शेष सात कोच चेयरकार के होंगे। ट्रेन को लेकर टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है।

BRIEF NEWS

जेपीएससी ने जारी किया एडमिट कार्ड, 17 को एक्जाम

RANCHI : झारखंड लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा (जेपीएससी) के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। एडमिट कार्ड जारी करने से पहले शनिवार को जेपीएससी में अधिसूचना जारी कर 12 मार्च को एडमिट कार्ड जारी करने की बात कही थी। सिविल सेवा की परीक्षा 17 मार्च को है। परीक्षा दो पालियों में होगी पहली पाली की परीक्षा 10 से 12 वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दो से चार बजे तक होगी। जेपीएससी के आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अभ्यर्थी अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए यूजर आईडी जैसे रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी और पासवर्ड डालना होगा।

14 आरक्षियों को हवलदार रैंक में मिलेगी प्रोन्नति

RANCHI : आयुधिक आरक्षी को आयुधिक हवलदार कोटि में प्रोन्नति मिलेगी। आईजी मुख्यालय की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक हुई, जिसमें 14 पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति देने का निर्णय लिया गया। जिन्हें प्रोन्नति मिली है, उनमें पुष्कर कृष्ण, ईश्वर राम, सरोज राम, दिलीप कुमार, राधाकांत प्यारेलाल, परमा राम, लाल सिंह मुंडा, रमाशंकर रजक, विवेक कुमार चौधरी, सोहन लाल, मनोज कुमार, विजय रजवार, अर्जुन राम और विनोद कुमार दास शामिल हैं।

ट्रक में आग लगाने वाले 7 दोषी करार, अदालत ने पीआर बॉन्ड पर छोड़ा

RANCHI : सड़क जाम कर ट्रक में आग लगाने के मामले में 7 आरोपियों को अपर न्याययुक्त एमके वर्मा की अदालत द्वारा दोषी पाते हुए पीआर बॉन्ड पर छोड़ा गया। उन्हें एक साल तक विधि व्यवस्था बनाए रखने की शर्त पर छोड़ा गया। जिन्हें अदालत ने दोषी पाया उनमें गोविंद भाटिया, अंकित नायक, बबलू मुंडा, अर्जुन महतो, रामजीत नायक, एस नायक एवं बजाज मुंडा शामिल है। बाकी तीन महिला तीजन देवी, अनीता देवी एवं शांति देवी को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी किया। बता दें कि साल 2016 में अनगड़ा-हुंडरूफॉल सड़क दुर्घटना में डेढ़ साल के एक बच्चे की मौत हो गयी थी और उनके माता पिता गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

बाइक चोर गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

RANCHI : रांची पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का खुलासा किया है। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चोरी की छह बाइक साथ तीन चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों में सूरज कुमार, कौशलेन्द्र कुमार और तौफिक आलम शामिल हैं। मंगलवार को इसकी जानकारी एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने दी। उन्होंने बताया कि डेली मार्केट थाना क्षेत्र में एन्टी क्राइम चेकिंग के दौरान तीन संदिग्ध वाहन चालकों को उनके वाहन सहित पकड़कर पूछताछ की गई। उनसे वाहन संबंधित कागजात की पुलिस ने मांग की। इसपर वे कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाये। पूछताछ के क्रम में पता चला कि तीनों व्यक्ति बिहार के हैं, जो रांची में रहकर मोटरसाइकिल चोरी का गिरोह बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

आने वाले दिनों में चार डिग्री बढ़ेगा राज्य का तापमान

RANCHI : राज्य के मौसम में अब गर्मी की दस्तक पड़ चुकी है। तेज धूप के साथ ही लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है। आने वाले दिनों में राज्य में गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले तीन दिनों के अंदर तापमान में चार डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की जायेगी। जिससे लोगों को अधिक गर्मी का एहसास होगा। वहीं दिन के समय धूप में भी तेजी देखी जायेगी। हालांकि 13 और 14 मार्च को राज्य के कुछ हिस्सों में आंशिक बादल का असर देखा जायेगा। जिससे थोड़ी राहत लोगो को मिल सकती है। 15 मार्च को मौसम साफ रहेगा। जबकि 16 से 18 मार्च तक राज्य के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश के आसार है।

atomy
ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

7 राज्यों में 8 माइग्रेशन सेंटर का उद्घाटन परेशानी होने पर मजदूर ले सकते हैं मदद

माइग्रेशन सेंटर का उद्घाटन करते श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता।

PHOTON NEWS RANCHI : एक राज्य से दूसरे राज्य कमाने जाने वाले मजदूरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कोरोना काल में इसकी बानगी देखने को मिली थी। इसे लेकर झारखंड सरकार ने उन्हें मदद पहुंचाने की ठानी है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने मंगलवार को देश के 7 राज्यों में 8 माइग्रेशन सेंटर का उद्घाटन किया। रांची के होटल रेडिशन हुए उद्घाटन कार्यक्रम का श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता और श्रम आयुक्त संजीव कुमार बेसरा ने किया। मंगलवार को मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत देशभर में स्थापित इन माइग्रेशन सेंटर्स का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया। माइग्रेशन सेंटर चेन्नई, तिरुपपुर, आंध्रप्रदेश के हैदराबाद, कर्नाटक के बेंगलुरु, महाराष्ट्र के पुणे, गुजरात के अहमदाबाद, राजस्थान के नीमरामा और नई दिल्ली में खोला गया है इस मौके पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि राज्य में कई उद्योग खोले जा रहे हैं। जिससे यहां के मजदूरों को काम करने बाहर ना जाना पड़े। फिलहाल श्रमिकों को अगर किसी तरह की परेशानी हुई तो वे इन सेंटर्स पर सरकार से मदद ले सकते हैं। मौके पर संजीव कुमार बेसरा श्रम आयुक्त ने कहा कोरोना के समय में मजदूरों को बहुत कठिनाइयां हुई। उनके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने कई कदम उठाए। झारखंड सरकार ने प्रवासी मजदूरों की सहायता के लिए एक ओर नया कदम उड़ाया है। जिसके तहत जब काम को लेकर कई भी विभिन्न जगहों में प्रवास करता है तो वहां किसी प्रकार की समस्या ना हो। इसके लिए इन केंद्रों को खोला गया है। जिसमे एक माह तक रहने और खाने की निःशुल्क सुविधा दी जाएगी। ये केंद्र काउंसलिंग सेंटर की तरह भी काम करेगा।

शॉर्ट सर्किट से तीन दुकानों में लगी आग, जलकर राख

RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र के नामकुम बाजार चौक स्थित हुनमान मंदिर के समीप दुकान में मंगलवार अहले सुबह करीब तीन बजे आग लग गयी। बताया जाता है कि तीन गुमटी नुमा दुकानों में आग लगी। दुकान पूरी तरह से जलकर राख हो गया। अगलगी में पूनम देवी की पूजा के सामान और कपड़ा धुलाई की दुकान, शंकर रजक की फल और पूजा के सामान की दुकान और सतेंद्र यादव की पान और जनरल स्टोर की दुकान शामिल हैं। शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। बताया जा रहा कि एक दुकान में आग लगने के बाद आग ने दो अन्य दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया । घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर पुलिस ने इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड के वाहन वहां पहुंचा और आग पर काबू पाया।

8 आईएएस का तबादला, श्रीनिवासन बने ग्रामीण विकास विभाग के सचिव

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने आठ आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान रांची के निदेशक श्रीनिवासन को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। श्री श्रीनिवासन अगले आदेश तक अपने कार्य के साथ ग्रामीण कार्य विभाग सचिव और श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान के निदेशक के पद के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। ग्रामीण विकास विभाग सचिव के पद पर पदस्थापित चंद्रशेखर को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक नगर विकास एवं आवास विभाग का सचिव बनाया गया है। चंद्रशेखर को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ जुडको का प्रबंध निदेशक और ग्रेटर रांची विकास एजेंसी का प्रबंध निदेशक का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। दक्षिण छोटा नागपुर प्रमंडल रांची के प्रभारी प्रमंडलीय आयुक्त बालकिशुन मुंडा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक पलामू प्रमंडल मेदिनी नगर का प्रभारी प्रमंडलीय आयुक्त बनाया गया है। इसीप्रकार राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के विशेष सचिव अंजनी कुमार मिश्रा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक दक्षिण छोटा नागपुर का प्रभारी प्रमंडलीय आयुक्त, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर सचिव सुनील कुमार- दो को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ उत्पाद आयुक्त झारखंड रांची का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

18वें सचिव के रूप में के श्रीनिवासन ने पदभार ग्रहण किया।

सुखदेव सिंह को मुख्य स्थानिक आयुक्त झारखंड भवन का अतिरिक्त प्रभार

महानिदेशक श्री कृष्ण लोक सेवा संस्थान में पदस्थापित सुखदेव सिंह को उनके कार्यों के साथ मुख्य स्थानिक आयुक्त झारखंड भवन का जिम्मा सौंपा गया है। सचिव खाद्य आपूर्ति विभाग अमिताभ कौशल को अपने कार्यों के साथ सचिव सूचना जनसंपर्क विभाग बनाया गया है। मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल को स्थानिक आयुक्त झारखंड भवन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रभारी सचिव श्रम विभाग मुकेश कुमार को अपने कार्यों के साथ प्रभारी सचिव उत्पाद विभाग बनाया गया है, वहीं प्रबंध निदेशक खाद्य निगम सत्येंद्र कुमार को अपने कार्यों के साथ निदेशक नगरीय प्रशासन विभाग के पद पदस्थापित किया गया।

ब्रिगेडियर लेवल के अधिकारी समेत 4 पर कार्रवाई, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी शुरू

राष्ट्रपति का समय नहीं मिलना दुर्भाग्यजनक : विनोद पांडे

PHOTON NEWS RANCHI : इंडिया गठबंधन को राष्ट्रपति से मिलने का समय नहीं मिल सका। इसपर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने प्रतिक्रिया दी है। झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं को राष्ट्रपति से मिलने का समय नहीं मिलना प्रदेश के लोगों के लिए दुर्भाग्यजनक है। पांडे ने ने कहा कि 4 मार्च को झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा एक पत्र राष्ट्रपति भवन को भेजा गया था, जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं गठबंधन दलों के नेताओं की ओर से राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा गया था, मगर राष्ट्रपति भवन द्वारा आई सूचना के अनुसार, समय अभाव के कारण राष्ट्रपति मिलने में असमर्थ हैं। विनोद पांडे ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यजनक है कि झारखंड की अस्मिता से जुड़े तीन मामले आरक्षण का दायरा बढ़ाने, सरना धर्म कोड और 1932 खतियान आधारित स्थानीय एवं नियोजन नीति को लेकर इंडिया गठबंधन का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति से मिलना चाहता था, पर समय नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि सरना धर्म कोड झारखंड के आदिवासी समाज का सबसे प्रमुख मांग रहा है और इसको लेकर लंबे समय से आंदोलन किया जा रहा है। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने इस बिल को विधानसभा से पास करके राजभवन भेजा। इसके साथ ही झारखंड के लोगों के बहुत पुरानी मांग 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति और नियोजन नीति का बिल भी हेमंत सोरेन सरकार ने विधानसभा से पास करके राजभवन को भेजा। मगर इस दुर्भाग्य ही कहा जाएगा की राजभवन में लंबे समय से लटकाया और फिर सरकार को वापस भेज दिया गया। विनोद पांडे ने सीएए कानून पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि यह अजीब सी स्थिति है। हमारे देश से 11 लाख लोग भारत छोड़कर चले गए जो कहीं ना कहीं हमारे देश के आर्थिक स्थिति के लिए अच्छा संकेत नहीं है। सरकार इन्हें वापस लाने के बजाय विदेश के लोग को यहां पर बसाने का रास्ता खोलना चाहती है।

राजभवन ने लौटाए कई बिल : झामुमो

पांडे ने कहा कि इसके बाद फिर सरकार ने इस बिल को पास करके राजभवन को भेजा गया है। इसी तरह झारखंड में एसटी एससी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण का दायरा बढ़ाते हुए एसटी को 26 से 28, एसी का 10 से 12 और ओबीसी का 14 से 27 प्रतिशत करने का बिल पास करके राजभवन को भेजा गया। एक तो राजभवन ने इसे लंबे समय तक लटकाए रखा, उसके बाद इसे भारतीय संविधान का हवाला देते हुए संविधानिक नहीं होने की दुहाई देते हुए वापस कर दिया। इन सभी मामलों को लेकर इंडिया गठबंधन के लोग राष्ट्रपति से मिलना चाहते थे। मगर राष्ट्रपति भवन के द्वारा समय नहीं दिया गया। पांडे ने कहा कि एक बार फिर से राष्ट्रपति भवन को पत्र लिखकर समय की मांग की जाएगी।

डबल मर्डर केस में शामिल अपराधी को पुलिस ने दबोचा

आपसी विवाद में हुई थी बिरसा उरांव की हत्या

CRIME REPORTER RANCHI : पंडरा ओपी क्षेत्र के ओझा मार्केट स्थित जनक नगर में 21 फरवरी को देर शाम अज्ञात अपराधियों ने बिरसा उरांव और उसकी पत्नी सोनी मुंडा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में रांची पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि आरोपी ने बिरसा उरांव की आपकी विवाद में हत्या कर दी।

बिरसा आरोपी युवक को लगातार धमकी दे रहा था

जेल से निकलने के बाद बिरसा आरोपी युवक को लगातार धमकी दे रहा था, इसी वजह उसने बिरसा की हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार जिस वक्त बिरसा को गोली मारी गयी, उस दौरान बिरसा की पत्नी सोनी मुंडा ने आरोपी युवक को पकड़ लिया था, जिस वजह से उसकी भी गोली मारकर हत्या कर दी गयी।

बिरसा उरांव हत्या के मामले में जेल से सजा काटकर बाहर निकला था : बिरसा उरांव घटना से कुछ देर पहले अपने घर लौटा था। उसकी पत्नी घर के बाहर खाना बना रही थी। इसी दौरान एक अपराधी बगल के खेत के रास्ते मौके पर पहुंचा और दोनों को गोली मार दी ।बिरसा उरांव हत्या के मामले में जेल से सजा काटकर, कुछ दिन पहले ही बाहर निकला था। बिरसा ने तीन शादियां की थी। सोनी मुंडा बिरसा उरांव की तीसरी पत्नी थी।

BRIEF NEWS

जीएसटी विभाग ने ज्वेलरी शॉप में की छापेमारी, 67 लाख रुपये ठोका जुर्माना

ROURKELA : जीएसटी विभाग की ओर से आज राउरकेला को कनक अलंकार ज्वेलरी शॉप में छापेमारी की गई। आभूषणों की बिक्री के लिए ग्राहकों को बिलिंग में कथित अनियमितताओं के लिए पिछले साल नवंबर में व्यापारिक प्रतिष्ठान पर छापा मारा गया था। इस बीच, कनक ज्वेलरी पर 67 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। जुमार्ना तुरंत नहीं चुकाया गया, इसलिए कुछ आभूषण जीएसटी विभाग ने जब्त कर लिए। लेकिन, 3 माह बाद भी जुमार्ना नहीं भरने पर मंगलवार को विभागीय अधिकारी आभूषण जब्त करने पहुंचे। दूसरी ओर, कनक अलंकार की ओर से कहा गया है, जिसने जुमार्ने के खिलाफ अपील की है।

राउरकेला में टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट हुआ शुरू

ROURKELA : रघुनाथपाली विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रत्याशी प्रशांत सेठी मंगलवार को सेक्टर-14 स्थित राउरकेला यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा दूसरे हरमोहन प्रहराज मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम का आयोजन करने वाले यूथ क्लब के सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और धन्यवाद दिया। वहीं प्रशांत सेठी ने कहा कि खेलकूद से स्वस्थ्य शरीर और मन तैयार होता है।

दुकान का एस्बेस्टस तोड़ कर चोरी, पुलिस ने शुरू की जांच

ROURKELA : राउरकेला कचहरी रोड पर सोमवार की रात दो दुकानों में चोरी हुई है। दोनो दुकानों से लाखों रुपये का सामान की चोरी हुई है। चोरों ने दुकान का एस्बेस्टस तोड़कर अंदर घुसे। बदमाशों ने एक कपड़े की दुकान और दूसरा किराना दुकान से चोरी किया है। कपड़ा दुकान से दो लाख रुपये का रेडीमेड कपड़ा चोरी हुआ , जबकि किराना दुकान से कुछ नकदी की चोरी हुई। उदितनगर थाना पुलिस वैज्ञानिक टीम के साथ मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है।

जमशेदपुर में 16 से 18 तक होगा भोजपुरी नाट्य महोत्सव

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में 16 से 18 मार्च तक संध्या 6 बजे से भोजपुरी नाट्य महोत्सव होने जा रहा है, जिसमें शहरवासियों को पहले दिन ह्यहाथी के दांतह्न व ह्यअमन के रखवारह्न, दूसरे दिन ह्यलांस नायक खूब सिंहह्न व ह्यरघुनाथ जी के गोआहीह्न और 18 मार्च को ह्यपार्कह्न का मंचन होगा। महोत्सव का आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से नई दिल्ली की नाट्य संस्था रंगश्री व सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के सौजन्य से हो रहा है। महोत्सव में फ्री इंट्री पास के लिए अपने मोबाइल फोन पर सुग्गा एप डाउनलोड करने के लिए कहा गया है।

पुलिस अधिकारियों ने किया बैंकों का औचक निरीक्षण

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर मंगलवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों के बैंको में पुलिस अधिकारियों की टीम ने बैंको का औचक निरीक्षण किया। जिले के सभी थानेदारों ने आपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाले बैंक शाखाओं का निरीक्षण किया वहीं सभी डीएसपी भी बैंक के मुख्य शाखाओं में पहुंचे थे। इस दौरान बैंक के आस पास संदिग्ध व्यक्ति देखे जाने पर सूचना देने को कहा गया है। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि बैंकों में या बैंक के आस-पास किसी तरह की लूट या छिनतई की घटना ना हो इसको लेकर यह निरीक्षण किया गया है।

पुलिस व आबकारी विभाग ने 18 करोड़ का अफीम किया नष्ट

बकुआ व कुकुरभुका गांव में 5.25 25 लाख अफीम के पौधों को उजाड़ा

PHOTON NEWS MAYURBHANJ : शिमिलीपाल जंगल में ड्रग माफिया अफीम की खेती कर रहे हैं। कुछ दिन पहले सुंदरगढ़ जिले की सीमा से लगे झारखंड के जंगल में अफीम की खेती होने की सूचना मिली थी। अब शिमिलिपाल अभयारण्य में अफीम की खेती की खबर ने सभी को चौंका दिया है। जशीपुर पुलिस और आबकारी विभाग को मिली सूचना के आधार पर करंजिया उपजिला पुलिस पदाधिकारी सुब्रत कुमार के नेतृत्व में यशीपुर पुलिस, आबकारी विभाग और वन विभाग ने मंगलवार को संयुक्त छापेमारी की। पुलिस ने बकुआ और कुकुरभुका गांव में खेती किये गये 5 लाख 25 हजार अफीम के पौधों को नष्ट कर दिया है। इसी तरह यजगढ़ में करीब 4 लाख अफीम के पेड़ नष्ट किये गये हैं। नष्ट किये गये अफीम के पेड़ की अनुमानित कीमत 18 करोड़ रुपये बतायी जा रही है।

खेत से अफीम की पौधों को उजाड़ते पुलिस के जवान। ● फोटोन न्यूज

यशीपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शिमिलिपाल अभयारण्य के जजगढ़ में 11 एक-ड़ खेत में अफीम उगाई गई थी। विशेष सूत्र से सूचना मिलने के बाद आबकारी विभाग मौके पर पहुंचा। कुल 3 लाख 85 हजार अफीम के पेड़ जब्त किये गये हैं। इस घटना के आधार पर यशीपुर आबकारी थाने में मामला दर्ज किया गया है। इस अफीम के पेड़ की अनुमानित कीमत 7 करोड़ 70 लाख रुपये होगी, जबकि दो जगहों पर अफीम की खेती की लागत 18 करोड़ रुपये होगी।

सांसद ने पुलिस बैरक में डायनिंग हॉल व किचन का किया शिलान्यास

PHOTON NEWS CHAIBASA : सिंहभूम की सांसद सह भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा के कर कमलों द्वारा सांसद निधि से निर्मित सदर थाना, चाईबासा के पुलिस बैरक में एक डायनिंग हॉल एवं किचन रूम के निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को किया गया। शिलान्यास पंडित संजय मिश्रा के द्वारा विधि विधान से संपन्न करवाया गया। विगत दिनों सांसद श्रीमती कोड़ा से मुलाकात कर भवन की जर्जर स्थिति से अवगत करवाते हुए झारखण्ड पुलिस मेंस एसोसिएशन, चाईबासा शाखा के पदाधिकारियों ने संभावित दुर्घटना को देखते हुए ऐतिहातन पुलिस बैरक में एक डायनिंग हॉल एवं किचन रूम निर्माण सांसद निधि से करवा दिए जाने का अनुरोध किया था।

सांसद गीता कोड़ा ने मानवीय संवेदनाओं के आधार पर उल्लेखित निर्माण कार्य के लिए सांसद निधि प्रदान की है। मंगलवार का दिन झारखण्ड पुलिस मेंस एसोसिएशन, चाईबासा शाखा के पदाधिकारियों के लिए खुशियों भरा रहा उनकी चिर प्रतिक्षित मांग जो पुरी हुई। पदाधिकारियों ने सांसद गीता कोड़ा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समस्या पर यथोचित पहल हेतु धन्यवाद दिया है। शिलान्यास के मौके पर सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा को लागू करने में पुलिस की सबसे बड़ी भूमिका है। पुलिस को आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा का जिम्मा प्राथमिक रूप से दिया गया है। पुलिस के लिए नागरिकों की सेवा और उनके कल्याण के लिए योगदान देने के अवसर अन्य विभागों की अपेक्षा अधिक है।

सांसद कोड़ा ने कहा कि जो आम लोगों की जान-माल की रक्षा करते हैं, हम सभी लोगों की भी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि उन लोगों को भी यथासंभव सहयोग किया जाए। वहीं पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सांसद गीता कोड़ा को कुछ और मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं की भी जानकारी देते हुए पहल करने का अनुरोध किया।

ओड़िया शास्त्रीय भाषा दिवस मना

PHOTON NEWS ROURKELA : ओड़िया भाषा विकास मंच और बाजीराउत शिक्षण निकेतन के स्कूल की प्रधानाध्यापिका सौदामिनी मुदाली की अध्यक्षता में उड़िया शास्त्रीय भाषा दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नाटककार प्रफुल्ल कुमार सामल और मुख्य वक्ता के रूप में मंच के संपादक आततरान महापात्र शामिल हुए और कहा कि भाषा ही जाती की पहचान होती है। भाषा एक अतीत अस्तित्व है,भाषा ही भविष्य है।

भाषा ही देश की पहचान है। हमारी ओड़िया भाषा को शास्त्रीय दर्जा 20 फरवरी 2014 को केंद्र सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा ओड़िया भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दी गई। भारत सरकार ने 11 मार्च 2014 को आधिकारिक राजपत्र में इसे शास्त्रीय भाषा घोषित किया। परिणामस्वरूप, उड़िया को भारत की छठी भाषा के रूप में शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ। सभी उड़ियावासियों के लिए उड़िया को पहली आर्य भाषा के रूप में शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलना जाति की गौरव है। बैठक में शिक्षक अक्षय कुमार दास ने ओड़िया की भाषा और विरासत पर सुंदर भाषण दिया, जबकि शिक्षिका पुषामाला त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

आइएमए के अध्यक्ष व सचिव के खिलाफ विधायक सरयू राय ने की कार्रवाई की मांग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है, जिसमें आइएमए जमशेदपुर के अध्यक्ष व सचिव पर कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने लिखा है कि इन्होंने विधानसभा में मेरे प्रश्न पूछने पर मेरी सार्वजनिक तौर पर निंदा की है, जिसके लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष और मानद सचिव पर विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई की जाए।

सरयू राय की फाइल फोटो।

विधायक ने लिखा है कि पूर्वी सिहंभूम जिला के सिविल सर्जन, डॉ. जुझार माझी पर स्वास्थ्य विभाग, झारखंड सरकार द्वारा प्रपत्र ह्यकह्न गठित कर विभागीय कार्रवाई चलाने के संबंध में मेरा अल्पसूचित प्रश्न एक मार्च.को विधानसभा के सभा पटल पर रखा गया था। उक्त प्रश्न के माध्यम से मैंने सरकार से यह जानना चाहा था कि क्या डॉ. जुझार माझी के विरूद्ध प्रपत्र ह्यकह्न गठित करने की कार्रवाई का पूर्वी सिंहभूम जिला के पूर्व यक्ष्मा पदाधिकारी, डॉ. रेणुका चौधरी के मामले से संबंधित है। इसके बाद मैंने रेणुका चौधरी द्वारा सेवाकाल में लंबे समय तक कार्य से अनुपस्थित रहने, उपस्थिति पंजिका पर फर्जी हस्ताक्षर करने आदि के बारे में भी सरकार से जानकारी चाहा था। मेरे प्रश्न का सरकार द्वारा दिया गया उत्तर भ्रामक है और इसमें जानबुझकर तथ्य को छिपाया गया है। इस पर आइएमए के पदाधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि मैं जान-बूझकर डॉक्टरों को प्रताड़ित कर रहा हूं, क्योंकि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रेणुका चौधरी और पूर्व सिविल सर्जन डॉ अरविंद कुमार लाल को स्वास्थ्य विभाग क्लीनचिट दे चुका है।

झारखंड में 13 सीटों पर भाजपा व एक सीट पर आजसू लड़ेगी चुनाव : लक्ष्मीकांत वाजपेयी

PHOTON NEWS CHAIBASA : बीजेपी के झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा है कि बीजेपी झारखंड में 13 सीट और आजसू एक सीट पर लोकसभा चुनाव 2024 लड़ेगी। एनडीए झारखंड की सभी 14 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। बूथ कार्यकर्ता पार्टी को जीत दिलायेंगे। उन्होंने ये बातें कोल्हान दौरे के दौरान आदित्यपुर में कहीं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ठगबंधन है। ईडी और सीबीआई से बचने के लिए यह गठजोड़ किया गया है। महागठबंधन की कोख में ही मौत हो चुकी है। यह चुनाव से पहले ही कई टुकड़ों में बंट गया है।

कोल्हान दौरे पर बीजेपी प्रभारी

कोल्हान दौरे पर मंगलवार को उन्होंने झींकपानी प्रखंड के जोड़ापोखर में महिला समूहों के साथ संवाद किया। वहीं, चाईबासा में झारखंड प्रभारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी झारखंड में राज्य सरकार की नाकामियों और केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर चुनाव लड़ेगी। चंपाई सोरेन की सरकार हेमंत सोरेन की पार्ट-2 सरकार के रूप में काम कर रही है, जो हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है। इस सरकार के कार्यकाल में आदिवासी, दलित और पिछड़ों पर लगातार अत्याचार हो रहा है। हेमंत सोरेन जैसे ही झारखंड के मुख्यमंत्री बने सात आदिवासियों की नृशंस हत्या हो गयी। वहीं, राज्य में महिला दारोगा रूपा तिर्की की हत्या कर दी गयी। इसके बाद आदिवासी दारोगा को ट्रक से कुचलकर मार दिया गया। सिंहभूम लोकसभा सीट पर भाजपा की तैयारियों की समीक्षा के बाद वाजपेयी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता मोदी सरकार के 10 साल की उपलब्धियों को लेकर जनता के पास जाएंगे और उनसे मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए वोट मांगेंगे।

आरक्षण की बात करने वाली सरकार पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन नहीं कर पायी : बीजेपी के प्रदेश प्रभारी ने कहा कि आरक्षण की बात करने वाली राज्य सरकार आज तक पिछडा वर्ग आयोग और महिला आयोग का गठन नहीं कर पायी है। यहां डीएमएफटी फंड की लूट हो रही है। राज्य में बिजली और सिंचाई सुविधा का अभाव है। प्रधानमंत्री नल- जल योजना में मात्र 51% ही काम हुआ है। उन्होंने कहा कि सीएए से किसी की भी नागरिकता को नुकसान नहीं होगा। हिंदुस्तान में जो रह रहा है, उसकी नागरिकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यदि पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय प्रताड़ित होकर आयेंगे, तो उन्हें नागरिकता दी जायेगी। इससे किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, जेबी तुबिद, गीता बलमुचू व पूर्व विधायक शशिभूषण सामड भी उपस्थित थे।

केंद्र की योजनाओं का लाभ उठा महिलाएं हुई आत्मनिर्भर : बीजेपी के झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने मंगलवार को झींकपानी प्रखंड के जोड़ापोखर में महिला समूहों के साथ संवाद किया। इस दौरान महिला समूहों ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों पर संतोष जताया। उन्होंने महिला समूहों को केंद्र की ओर से उनके उत्थान के लिए चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। आज महिलाएं केंद्र सरकार की योजनाओं से रोजगार कर आत्मनिर्भर बनी हैं। इससे वे अपना और समाज के सपने को साकार कर रही हैं।

मोदी सरकार विकास को लेकर कृतसंकल्प : इस दौरान सांसद सह लोकसभा प्रत्याशी गीता कोड़ा ने कहा कि मोदी सरकार विकास को लेकर कृतसंकल्प है। शशिभूषण सामड ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा की जीत से नरेंद्र मोदी को और मजबूती मिलेगी। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजू पांडेय, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष दुर्गावती बोयपाई, बबलू शर्मा, सन्नी पासवान, पप्पू महतो, नित्यानंद खंडाइत, जयश्री मुंडा, रेंगो सुंडी, घासीराम गोप, रिंकू गोप आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम में उपस्थित लक्ष्मीकांत वाजपेयी, गीता कोड़ा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में आज से शुरू होगा स्वदेशी मेला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में 13 से 21 मार्च तक स्वदेशी मेला लगेगा। आयोजक सीबीएमडी के चेयरमैन (झारखंड) मुरलीधर केडिया व मेला संयोजक अशोक गोयल ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह शहर का 17वां स्वदेशी मेला है, जिसमें झारखंड सहित पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, बंगाल, तमिलनाडु, केरल, मुंबई, मध्यप्रदेश, गुजरात, बिहार, असम सहित कई राज्यों के उद्यमी-व्यवसायी स्टॉल लगाएंगे। मेले में हैंडीक्राफ्ट, लघु एवं कुटीर उद्योग के उत्पाद ,एजुकेशन, रियल इस्टेट, ऑटो इंडस्ट्री, टेक्सटाइल, हैंडलूम, एफएमसीजी, इलेक्ट्रानिक्स, हेल्थ, फर्नीचर, सामाजिक क्षेत्र सहित लगभग 350 स्टॉल लगेंगे। फूड स्टॉल एवं बच्चों के लिए झूले भी रहेंगे। प्रतिवर्ष की भांति मेला में प्रवेश निशुल्क रहेगा। मेले में प्रतिदिन हर वर्ग के लिए प्रतियोगिता होगी। प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या होगी, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा छऊ, लोक नृत्य, कवि सम्मेलन, जादू, गीत एवं गजल का आयोजन होगा। इस बार मेले का मुख्य आकर्षण रविवार 17 मार्च, को संध्या 7.00 बजे से होने वाला राष्ट्रीय कवि सम्मेलन होगा।

मेले की जानकारी देते लोग। ● फोटोन न्यूज

टाटा-बक्सर ट्रेन के समय में की गई बदलाव की मांग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : टाटा-बक्सर ट्रेन का परिचालन 8 मार्च से प्रारंभ हो गया है, लेकिन अब इसकी टाइमिंग में बदलाव की मांग की जा रही है। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता मंगलवार को टाटानगर रेलवे के स्टेशन प्रबंधक से मिले। इन्होंने मांगपत्र सौंपते हुए कहा कि यह ट्रेन प्रतिदिन सुबह 8 बजकर 15 मिनट पर टाटानगर से खुलकर रात 10 बजकर 50 मिनट पर बक्सर पहुंच रही है। वहीं बक्सर से सुबह 3.30 बजे खुलकर शाम 5.20 बजे टाटानगर स्टेशन पहुंच रही है। इस समय सारिणी से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को काफी असुविधा हो रही है। इसका समय इस तरह किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को ट्रेन पकड़ने और ट्रेन से उतरने के बाद अपने गांव तक पहुंचने में आसानी हो। यदि समय में जल्दी बदलाव नहीं किया गया तो कांग्रेस कार्यकर्ता आंदोलन को बाध्य होंगे।

रामलीला मैदान में चल रही भागवत कथा के चौथे दिन कथावाचक ने सुनाए कई रोचक प्रसंग, बोले-

श्रीकृष्ण के जीवन से शिक्षा लेकर हर परिस्थिति में मुस्कुराएं

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : साकची स्थित रामलीला मैदान में चल रही भागवत कथा के चौथे दिन मंगलवार को कथावाचक स्वामी सर्वज्ञानंद जी महाराज ने श्रीकृष्ण लीला, श्री गोवर्धन पूजा, झूला उत्सव, छप्पन भोग, श्रीराम जन्म, श्री कृष्ण जन्म एवं नंदोत्सव की कथा का प्रसंग सुनाया । श्री श्री रामलीला उत्सव समिति द्धारा आयोजित भागवत कथा में महाराज ने कहा कि श्रीकृष्ण का अद्भुत चरित्र जीवन की हर परिस्थिति में हमें मुस्कुराने की प्रेरणा प्रदान करता है। हमें उनके जीवन चरित्र से शिक्षा लेनी चाहिए। स्वयं के साथ-साथ दूसरे लोग भी खुश रहें और प्रसन्न रहें, ऐसा कार्य करना चाहिए।

कथा में धूमधाम से नंदोत्सव मनाया गया, जिसमें श्रद्धालु नंद के आनंद भयो..., जय कन्हैयालाल की... का उद्घोष करते हुए झूम रहे थे। कथा में चौथे दिन भी डा. डीपी शुक्ला, रामफल मिश्र, रामगोपाल चौधरी, शंकर सिंघल, पवन अग्रहरी, मनोज कुमार मिश्र, रामकेवल मिश्र आदि सहित काफी संख्या में कथा प्रेमी उपस्थित थे।

स्वामी सर्वज्ञानंद जी महाराज।

शीतला मंदिर, साकची की प्रबंध समिति का हुआ गठन, अध्यक्ष बने नट्टू झा

JAMSHEDPUR : झारखंड राज्य हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक ने शीतला मंदिर, साकची की प्रबंध समिति का गठन किया है, जिसके अध्यक्ष कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रवींद्र उर्फ नट्टू झा बनाए गए हैं। इनके अलावा समिति में उपाध्यक्ष विधायक मंगल कालिंदी व संजय मिश्रा, सचिव वीडी गोपालकृष्णा, कोषाध्यक्ष विश्वनाथ राय, सदस्य अधिवक्ता अनिल तिवारी, प्रकाश झा व पवन तिवारी, परविंदर सिंह,आशुतोष सिंह, विजेंद्र पांडे व सामंता कुमार शामिल हैं। एसडीओ धालभूम, महाप्रबंधक जुस्को व थाना प्रभारी साकची आमंत्रित सदस्य होंगे। ज्ञात हो कि इससे पूर्व शीतला मंदिर का संचालन एसडीओ धालभूम की अध्यक्षता में हो रहा था, लेकिन गत दिनों मंदिर में कई विवाद हुए। इसे देखते हुए बोर्ड ने नई व्यवस्था की है।

साकची स्थित शीतला मंदिर। ● फोटोन न्यूज

मणिपुरी नृत्य ने किया निशब्द कर्नाटक गायन ने किया मुग्ध

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : संगीत नाटक अकादमी, भारत सरकार की ओर से आयोजित कला उत्सव में एक से बढ़कर एक कलाकारों की प्रस्तुति हो रही है। 11-14 मार्च तक चलने वाले महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को कोलकाता, भुवनेश्वर, इंफाल व कर्नाटक, के कलाकारों ने अपनी कला से समां बांध दिया। इंफाल से आईं थोकचोम इबेमुबी का मणिपुरी नृत्य देख दर्शक निश्शब्द रह गए। इसी तरह कोलकाता की शुभ्रा गुहा का हिंदुस्तानी गायन, मुंबई की राधा नम्बूदरी का कर्नाटक गायन, भुवनेश्वर से आए विजय कुमार जेना का ओडिशी और तिरवनंतपुरम की कलामंडलम गिरिजा के कुटियाट्टम नृत्य ने हर किसी को मुग्ध कर दिया। डीबीएमएस हाई स्कूल, कदमा के कलाकृति प्रेक्षागृह में चल रहे उत्सव का समापन 14 मार्च को होगा।

इस अवसर पर डीबीएमएस ट्रस्ट के चेयरपर्सन बी चंद्रशेखर व ललिता चंद्रशेखर, संगीत नाटक अकादमी परिषद के सदस्य डॉ संजय चौधरी, अनीता रामाकृष्णन, श्रीप्रिया धर्मराजन व प्राचार्या डॉ जूही समर्पिता ने अंग वस्त्रम प्रदान कर कलाकारों का सम्मान किया।

नृत्य करती कलाकार।

बीजेपी ने भी इशारों में ठोका था दावा जानिए मां जानकी की जन्मभूमि का सियासी समीकरण

सीतामढ़ी। लोकसभा सीट पुनौरा धाम को लेकर काफी चर्चित है। इस बार भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण के बाद सीता की मंदिर निर्माण के लिए मांग की जा रही है। वर्तमान में सुनील कुमार पिंटू यहां से सांसद हैं, लेकिन उनके बागी तेवर को देखते हुए जदयू उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा चुकी है। नीतीश की पार्टी इस सीट से देवेश सिंह ठाकुर को अपना उम्मीदवार बनाने का ऐलान कर चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद देवेश सिंह ठाकुर का नाम आगे कर चुके हैं। हालांकि, पिछले दिनों पुनौरा

धाम पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सीतामढ़ी में कमल खिलाने की बात कही थी, जिसके बाद यह कयास तेज हो गए थे कि बीजेपी इस सीट पर दावा ठोक सकती है। इसके अलावा उपेंद्र कुशवाहा भी सीतामढ़ी में पांच सभाएं कर चुके हैं। और घूम-घूम कर सीतामढ़ी पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। जदयू जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुशवाहा का कहना है कि यह सीट जेडीयू की परंपरागत है। उन्हें भरोसा है कि यह सीट एनडीए गठबंधन के द्वारा जदयू को ही दी जाएगी। हालांकि उम्मीदवार को लेकर उन्होंने चुप्पी साध ली। वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष के द्वारा इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं की गई। उन्होंने कैमरा पर बोलने से इनकार किया है। साथ ही कहा है कि अभी कुछ कहना मुनासिब नहीं है। जो एनडीए का निर्णय होगा वह सर्वमान्य होगा। एक वक्त था जब सीतामढ़ी सीट पर कांग्रेस का कब्जा हुआ करता था। 1977 को छोड़कर कर 1989 तक कांग्रेस के इस सीट पर जीत दर्ज करती आई। अब तक सीतामढ़ी लोकसभा सीट पर सबसे अधिक कब्जा कांग्रेस का रहा है। कांग्रेस ने यहां पांच बार जीत दर्ज की है। इसके बाद चार बार जनता दल, राजद के दो बार, जदयू तीन बार और रालोसपा व प्रजा सोशलिस्ट पार्टी ने एक एक बार यहां से जीत दर्ज की है। सीतामढ़ी लोकसभा क्षेत्र का भूगोल दो बार बदला। वर्ष 1952 के पूर्व यह मुजफ्फरपुर पूर्वी क्षेत्र में था। 1957 में जिले में पुपरी और सीतामढ़ी नामक दो संसदीय क्षेत्र बने। 1971 में पुपरी लोकसभा क्षेत्र विलोपित होकर शिवहर संसदीय सीट बनी। फिर 2008 में हुए परिसीमन में मुजफ्फरपुर जिले के औराई विधानसभा सीट को सीतामढ़ी क्षेत्र से हटा दिया गया। सीतामढ़ी कभी कांग्रेस और समाजवादियों का गढ़ रहा।जीत दर्ज की थी। 1989 में जनता दल के हुकुमदेव नारायण यादव, 1991 और 1996 में नवल किशोर राय ने जीत दर्ज की। 1998 में राजद के सीताराम यादव जीते। 1999 में हुए लोकसभा चुनाव में नवल किशोर राय ने जीत दर्ज की। 2004 जदयू को यह सीट मिली है।

साल 2019 में यहां से चिकित्सक वरुण कुमार को लोकसभा का उम्मीदवार बनाया गया। हालांकि उनकी टिकट वापस लेकर भाजपा के विधायक रहे सुनील कुमार पिंटू को दे दी गई। सुनील कुमार पिंटू जदयू से यहां के सांसद है। इस बार भी कयास लगाया जा रहा है कि यह सीट जदयू के खाते में ही जाएगी और देवेश चंद्र ठाकुर पार्टी यहां से उम्मीदवार बनाएगी।

सासाराम से बसपा ने लोकसभा का अपना उम्मीदवार उतरा

कैमूर। देश में कभी भी लोकसभा चुनाव का बिगुल बज सकता है। इसको लेकर सारी पार्टियां सीटों पर उम्मीदवार को लेकर मंथन कर रही है। इसी बीच बसपा ने सासाराम संसदीय क्षेत्र से संतोष कुमार को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। साथ ही दावा किया की उत्तर प्रदेश से बिहार के कई जिले सटे हैं। इस कारण बसपा से ही दूसरे पार्टियों की लड़ाई है। लगभग बिहार के डेढ़ दर्जन संसदीय क्षेत्र पर बसपा भारी है। बसपा से ही अन्य पार्टियों की लड़ाई होगी। दूसरी पार्टियों के द्वारा जब भी बिहार में मौका मिला किसी ने कुछ भी काम करके नहीं दिखाया जनता सभी पार्टियों से त्रस्त है और इस बार बसपा को जीताने का काम करेगी। बसपा उम्मीदवार जीतने के बाद पलटने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारे एक दो विधायक या सांसद जीत कर आते हैं, तो वह जीतने के बाद दल बदल लेते हैं। लेकिन उनको भी जनता अगले चुनाव में पटकनी दे देती है। जिस दिन हम बहुमत में जीत कर आएंगे। हमारा संख्या 10 और 20 का होगा न तो कोई विधायक पलटेगा और न ही कोई सांसद। सासाराम संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी संतोष कुमार ने बताया कि हमारे संसदीय क्षेत्र में विकास की काफी कमी है। इस बार चुनाव में जीतने के बाद सांसद वर्तमान द्वारा किसी भी प्रकार का विकास का कार्य नहीं कराया गया है। जनता इनसे त्रस्त है और जब कांग्रेस पार्टी के लोग यहां पर जीत हासिल किए थे तो उनके द्वारा भी विकास के क्षेत्र में काम नहीं कराया, जिस कारण इस बार जनता मुझे प्यार और आशीर्वाद देगी। बसपा के केंद्रीय प्रभारी डॉक्टर लालजी मेघाकर ने बताया सासाराम संसदीय क्षेत्र से संतोष कुमार को बसपा उम्मीदवार घोषित कर रही है। बीजेपी और दूसरी पार्टियों से लोग घबरा गए होगी।

छात्र कोष से 57.54 लाख का गबन मामला

बेतिया। में सीजेएम के आदेश पर जिले के दो पूर्व अ्रड एवं एक उ्ढड सहित 12 लोगों के विरोध एफआईआर दर्ज की गई है। सभी पर नंदनगढ़ इंटर कॉलेज लौरिया के छात्र कोष से 57 लाख 54 हजार रुपए के गबन का आरोप है। दरअसल, नंदनगढ़ इंटर कॉलेज लौरिया के प्राचार्य सैयद बाबू अहमद के आवेदन पर सीजेएम के आदेश से लौरिया थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। लौरिया थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि प्राचार्य सैयद बाबू अहमद के

परिवारवाद दायर पर कांड संख्या - 53/24 दर्ज किया गया है। मामले का अनुसंधान दरोगा रविंद्र नाथ यादव कर रहे हैं। दो पूर्व डीईओ हरेंद्र झा और विनोद कुमार विमल के साथ डीपीओ राजन कुमार पर भी गबन का आरोप लगाया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोप है कि नंदनगढ़ कॉलेज दशकों से संचालित और बिहार बोर्ड से मान्यता प्राप्त है। इसका संचालन आरोपी प्राचार्य सुनील कुमार राव द्वारा नियत मौजा से अलग अपने निजी भवन में कर दिया गया। जहां उन्होंने अपनी पत्नी को सचिव, भाई को कोषाध्यक्ष और चाचा को अंकेक्षक बनाकर छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक शुल्क के तौर पर जमा कुल 57.54 लाख रुपए का गबन कर लिया। प्राचार्य पर यह भी आरोप लगाया गया है कि जिले के दो पूर्व डीईओ हरेंद्र झा और विनोद कुमार विमल के साथ माध्यमिक शिक्षा के तत्कालीन डीपीओ राजन कुमार भी बीएसईबी से जारी यूजर आईडी और पासवर्ड मुहैया करा कर इस गबन और सरकारी राशि के बंदरबांट में शामिल रहे। आरोपी तत्कालीन डीईओ विनोद कुमार विमल ने बताया कि उनके पदभार ग्रहण करने से पहले ही उनके पूर्ववर्ती डीईओ हरेंद्र झा द्वारा माध्यमिक शिक्षा के डीपीओ के माध्यम से आरोपी प्राचार्य सुनील कुमार राव को यूजर आईडी और हुई।

पुलिस ने 5 संदिग्धों से की पूछताछ नहीं मिला कोई सुराग

मुजफ्फरपुर। के जल संसाधन विभाग में सहायक अभियंता के पद पर तैनात महिमा कुमारी की संदिग्ध हालात में हुई मौत के राज का पदार्फाश अभी तक पुलिस नहीं कर पाई है। घटना के सोलह दिन गुजरने के बाद भी सहायक अभियंता के मौत के मामले में पुलिस के हाथ अभी तक खाली है। जबकि इस मामले में गठित एसआईटी की टीम अभी तक इस मामले में पांच संदिग्धों को हिरासत में लेकर

पूछताछ कर चुकी है। लेकिन इसके बाद भी पुलिस को इस मामले में अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है। ऐसे में अब पुलिस की आखिरी उम्मीद एफएसएल की जांच रिपोर्ट पर है। वही, मृतका अभियंता के मोबाइल के कॉल रिकॉर्ड से भी पुलिस को कोई अहम जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि, इस मामले में पुलिस की गठित एसआईटी टीम अभी भी एएसपी टाउन भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में लगातार इस संदिग्ध मौत की गुत्थी को सुलझाने की कोशिश में जुटी हुई है। लेकिन इस मामले में अभी तक पुलिस को कोई अहम लीड नहीं मिल पाई है। जिससे यह मामला पुलिस के लिए भी एक अनसुलझी गुत्थी बनी हुई है। गौरतलब है कि 24 फरवरी को देर शाम मुजफ्फरपुर के जल संसाधान विभाग में तैनात एक महिला इंजीनियर महिमा का शव संदिग्ध हालत में सदर थाना क्षेत्र के प्रजापति नगर में उसके कमरे से संदिग्ध हालात में प्राप्त हुआ था। जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। इस संबंध में महिला सहायक अभियंता के परिजनों द्वारा सदर थाना में उसकी हत्या की प्रथमिकी दर्ज कराई गई है।

शादी में शामिल होने गए थे मां-पत्नी घर पर थी दहशत फैलाने के लिए फोड़ा बम

जमुई। के मलयपुर थाना क्षेत्र के तोमर टोला में एक घर में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने इस घटना को सोमवार देर रात अंजाम दिया है। चोरों द्वारा नगदी, जेवरात सहित कांसा, पीतल के बर्तन को भी चुरा लिया गया। चोरों ने इस दौरान दहशत फैलाने के लिए एक बम भी विस्फोट किया था। पीड़ित परिवार द्वारा मामले की जानकारी रात में ही मलयपुर पुलिस को दी गई थी। पुलिस सूचना पर रात में घटनास्थल

पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गई है। पीड़ित गौतम झा पिता रतिकांत झा ने बताया कि हम गांव में ही एक लड़की की शादी में शामिल होने के लिए गए थे। लगभग 1:30 बजे पत्नी ने फोन कर जानकारी दी कि घर में चोरी हो गया है। सूचना पाकर शादी छोड़ घर आए। घर में सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। घर के बाहर भी कुछ सामान बिखरा हुआ था। उन्होंने बताया कि एक बक्से का ताला तोड़कर चार भर सोना, एक बक्से से डेढ़ लाख से अधिक कैश और लगभग आठ बोरा में रखा कांसा, पीतल का बर्तन की चोरी हुई है। सभी समानों का दाम अगर जोड़ दिया जाए तो लगभग 4 से 5 लाख के करीब होगी। पीड़ित ने बताया कि चोरों द्वारा दहशत फैलाने के लिए एक बम भी फोड़ा गया था। इससे मेरी मां और पत्नी डर गई और मां गिर गई। इस घटना में मां के पैर में चोट भी लगी है। वहीं पीड़ित की पत्नी संगीता झा ने बताया कि सभी चोर जैकेट और लाल मफलर पहना हुआ था। पीड़ित द्वार लिखित आवेदन देने की प्रक्रिया की जाएगी। बता दें कि एक दिन पहले भी इसी गांव के तोमर टोला के अरुण सिंह के घर में भी चोरी की घटना घटी थी।

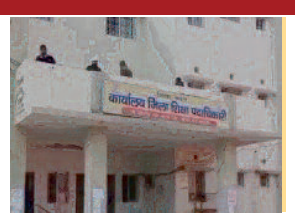

तीन महीने से कई सदस्य दूसरे जगह कर रहें हैं प्रवास बहुमत के लिए 18 सदस्यों का होना जरूरी

नालंदा। 12 मार्च यानी आज जिला परिषद को अपना नालंदा जिप अध्यक्ष और उपाध्यक्ष मिल जाएगा। 8 फरवरी को हुए अविश्वास प्रस्ताव की विशेष बैठक में तत्कालीन अध्यक्ष पिंकी कुमारी एवं उपाध्यक्ष अनुराधा देवी की कुर्सी चली गई थी। तब से दोनों ही सीट खाली चल रही है। 34 सदस्यीय जिला परिषद के आधे से अधिक राजनीति के कारण घर परिवार से दूर रह रहे हैं। चर्चा है कि वे लोग सीधे चुनाव के दिन यानी आज समाहरणालय पहुंचेंगे। जिला परिषद में कुल 34 सदस्य हैं। जिप अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष दोनों सीट पर कब्जा करने के लिए 18

सदस्यों का बहुमत साबित करना होगा। एक गुट के तरफ 19 तो दूसरे गुट में 15 सदस्य हैं। जिप अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का पद रिक्त होने के बाद राज्य चुनाव आयोग ने नए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए तिथि निर्धारित की थी। अध्यक्ष के लिए जहां कुल 2 लोग रेस में हैं। हुआ है। वाले परिणाम के बाद ही पता चलेगा।

घर खर्च के लिए पैसे न देने से नाराज थी विवाहिता

पूर्णिया। पति-पत्नी की आपसी लड़ाई में पत्नी ने जहर खाकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। विवाद का कारण पति का घर खर्चा के लिए पत्नी को पैसे न देना है। इसी को लेकर पति पत्नी के बीच आपसी कहासुनी हुई। जिसमें पत्नी ने जहर खा लिया। इसके बाद से ही पत्नी की स्थिति गंभीर है। जिसे इलाज के लिए पूर्णिया ॠटउल में भर्ती कराया है। जहां, डॉक्टर की निगरानी में महिला का इलाज जारी है। ये पूरा मामला चंपानगर थाना क्षेत्र के मसूरिया का है। महिला की पहचान मसूरिया गांव निवासी अनमोल मेहता की पत्नी निभा कुमारी (22) के वी के रूप की गई। मामले की जानकारी देते हुए सास सुषमा देवी ने बताया कि उनके बेटे अनमोल मेहता से अक्सर उनकी बहू से पैसे

को लेकर आपस में कहासुनी होती रहती है। आज सुबह भी दोनों के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ। बहू का कहना है कि वो पैसे कमाकर उसे सौंप दे ताकि वो घर का खर्च चला सकें। जबकि वो ऐसा नहीं करता। इसी बात को लेकर आज दोनों के बीच आपसी कहासुनी और फिर लड़ाई हुई। जिसके बाद बेटा काम पर चला गया।

जिससे बहू ने गुस्से में आकर आत्महत्या करने की कोशिश से जहर खा लिया है।

12 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली पटना के बेऊर जेल में बंद दो गैंगस्टर से कई राउंड पूछताछ

समस्तीपुर। शहर के मोहनपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वेलर्स शोरूम में हुई 8 करोड़ के जेवरात लूट के 12 दिन गुजर चुके हैं। जिला पुलिस के साथ ही राज्य एसटीएफ की टीम अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर खाक छान रही है लेकिन उसे अब तक सफलता नहीं मिली है। जबकि जिला पुलिस के साथ ही घटना के दूसरे दिन यानी 1 मार्च को समस्तीपुर पहुंचे दरभंगा परिक्षेत्र के डीआईजी बाबूराम ने भी गिरोह की पहचान कर लेने का दावा किया था। लेकिन इस मामले में अब तक किसी भी बदमाशों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। हालांकि, इस दौरान कई लोगों को पुलिस उठाकर

पूछताछ कर चुकी है। लेकिन पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है। जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल भी उठने लगा है। एएसपी संजय पांडेय का दावा है कि इस लूटकांड में बहुत जल्द ही उन्हें सफलता मिलने वाली है। गिरोह की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिला पुलिस और राज्य एसटीएफ की टीम बदमाशों के करीब पहुंचने के लिए समस्तीपुर मंडल कारा के साथ ही पटना के बेऊर जेल में बंद जिले के कुख्यात अपराधी के साथ मोकामा के एक गैंगेस्टर से पूछताछ की जा चुकी है। बताया गया है कि उसका सरगना इन दोनों रहकर कई लूट की घटनाओं को अंजाम दिया है खासकर स्वर्ण व्यवसायी उसके निशाने पर रहे हैं। उसे अपराधी के संबंध अब राज्य के अलावा दूसरे राज्यों के भी बड़े अपराधियों गिरोह से हो चुका है माना जा रहा है कि इस घटना में इस अपराधी ने लाइनर की भूमिका निभाई है जबकि बाहरी अपराधियों को बुलाकर इस घटना कांड कौन जाम दिलाया गया है क्योंकि घटना के दौरान कई अपराधी मुंह खोले हुए थे जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि वह बाहर के होंगे जबकि तीन अपराधी ने मुंह बांध रखा था जिसे यह माना जा रहा है कि तीनों अपराधी समस्तीपुर के रहने वाले हैं। 28 फरवरी की रात करीब 8 बजे हथियार बंद बदमाशों ने शहर के मोहनपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वेलर्स में लूट की घटना को अंजाम दिया था। बदमाश करीब 10 किलो से अधिक का सोना और हीरे का जेवरात ले गए थे। जिसका बाजार मूल करीब 8 करोड़ रुपए से अधिक होगा। इतनी बड़ी राशि होने के बाद इस मामले में राज्य एसटीएफ की टीम को भी लगाया गया है। बताया गया कि पिछले तीन दिनों से राज्य एसटीएफ की टीम समस्तीपुर जिला के अलावा बेगूसराय पटना के बाढ़ मुजफ्फरपुर आदि कई दियारा इलाके में छापेमारी कर रही है। समस्तीपुर के एएसपी संजय पांडे ने कहा कि इस घटना को पेशेवर बदमाशों ने अंजाम दिया था। कुछ मिले सीसीटीवी के आधार पर बदमाशों की पहचान की कोशिश की जा रही है। जिला पुलिस की स्पेशल टीम के साथ ही राज्य एसटीएफ की टीम लगातार काम कर रही है। गिरोह की पहचान कर ली गई है जल्द ही जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

पीएम मोदी ने छपरा में कई योजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

छपरा। जंक्शन स्टेशन पर भारतीय रेल के आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई योजना का लोकार्पण किया। छपरा जंक्शन परिसर के सकुर्लेटिंग एरिया में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें प्रधानमंत्री ने गुजरात के अहमदाबाद से रिमोट द्वारा सभी योजनाओं का लोकार्पण किया। स्थानीय स्टार पर महराजगंज सांसद, छपरा विधायक और महापौर ने प्रतिनिधि के रूप में शिरकत की। इस दौरान छपरा मांझी रेलखंड का दोहरीकरण और विद्युतीकरण छपरा जंक्शन और छपरा कचहरी के बीच तीसरी रेल लाइन और छपरा जंक्शन पर प्लेटफॉर्म 1 से 7 तक बने नव निर्मित फुट-ओवरब्रिज सहित एक स्टेशन एक उत्पाद का लोकार्पण किया गया। इससे गेट नंबर 1 से गेट नंबर 2 तक जाने में लोगों को सहूलियत होगी। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए सांसद जनार्धन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि यह छपरा के लिए शौभाग्य की बात है कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा कई योजनाओं का लोकार्पण किया गया। छपरा जंक्शन सहित देहात क्षेत्र के स्टेशन को भी प्राथमिकता दी जा रही है। सारण में अलग अलग योजना में लगभग 100 करोड़ योजना कार्य किया जा रहा है। मांझी से छपरा दोहरीकरण और छपरा जंक्शन से छपरा कचहरी तक तीसरी लाइन बेहद महत्वपूर्ण कार्य हुआ है।

11वीं के प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका कोआसमान के नीचे फेंका

मोतिहारी। से एक वीडियो सामने आया है। जिसमें 11 वीं के प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका स्कूल परिसर में फैला हुआ है। शिक्षक उसे उठा रहे हैं। इस बात की जानकारी जब डीएम सौरभ जोरवाल को लगी तो उन्होंने तुरंत डीईओ को मामले में संज्ञान लेने को कहा। जिसके बाद डीपीओ नित्यम वहां पहुंच सभी को संतुलित करने में जुट गई है। जबकि परीक्षा 13 मार्च से शुरू होना है। प्रश्न पत्र लेने आए शिक्षकों ने बताया कि तीन दिन पूर्व प्रश्नपत्र और कॉपी के आने की जानकारी मिली। उसके बाद से प्रतिदिन प्रश्नपत्र ढूंढ़ने आ रहे हैं। कई शिक्षक अपने विद्यालय के प्रश्नपत्र ढूंढते नजर आ रहे है। जबकि कई शिक्षक पिछलें दो तीन दिनों से अपने विद्यालय के प्रश्नपत्र को ढूढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें नहीं मिल रहा है।कई शिक्षक को उनके विद्यालय के एक विषय का,तो कई शिक्षक को दो विषय का हीं प्रश्नपत्र मिला है। शिक्षक हैरान परेशान प्रश्नपत्र ढूढ़ने में लगे हैं। बता दें कि आगामी 13 मार्च से ग्यारहवीं और 16 मार्च से नौंवी की वार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है। परीक्षा के लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने चार दिन पहले प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका ट्रक से भेजी गई। पटना से आए प्रश्नपत्र को ट्रक चालक ने शहर के एमजेके कन्या प्लस टू विद्यालय में खूले में रख दिया, जिसके बाद शिक्षकों को अधिकारियों द्वारा बोला गया कि आप लोग अपना प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका के बंडल ढूंढ लीजिए। जिसके बाद सभी शिक्षक खुले मैदान में प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका को ढूंढने में लग गए, जिले के 478 विद्यालय में ग्यारवीं का परीक्षा होना है।

चोर होने के शक में लोगों ने लात-घूंसे चप्पल और पत्थर बरसाए

पटना। के नौबतपुर में तीन युवकों को पोल से बांध कर पीटा गया। इस पिटाई का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ युवक को लात-घूंसे, चप्पल से मार रहे हैं। कुछ लोग पत्थर से भी मारते दिखाई दे रहे हैं। घटना नौबतपुर के एक गांव की है, जहां मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने तीन युवक को पोल से बांध मारपीट की। चोर होने के शक में लोगों ने तीनों को पकड़ा था। हालांकि बाद में ग्रामीणों ने नौबतपुर थाने के हवाले कर दिया है। नशे की हालत में तीनों युवक को पुलिस थाने ले आई। आरोपियों से पुलिस पूछताछ की जा रही है। पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी विक्रम सिहाग ने बताया कि तीनों युवक को नशे की हालत में अजय नगर बालाजी गांव से पकड़ा गया है। स्थानीय लोगों ने बांधकर पिटाई की है। इस बीच पुलिस को जानकारी मिली थी। बालाजी गांव के ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से गांव में जानवरों की चोरी हो रही है। घर के आगे लगी गाड़ियां भी गायब हो जा रही है। इससे ग्रामीण काफी परेशान थे। वार्ड संख्या 6 में कुछ युवक चोरी की नीयत से गांव में घुस आए थे। इसकी सूचना ग्रामीणों को लग गई। इसके बाद ग्रामीणों ने पूरे गांव के लोगों को जमा करके तीनों चोर को घेर कर पकड़ लिया। फिर पोल से बांध कर पिटाई की गई। ग्रामीणों में ही कुछ लोगों ने इसकी सूचना नौबतपुर थाने को दी। नौबतपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों युवकों को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई।

भारत में उच्च शिक्षा व विकास का दशक

भारत की प्रगति के चित्रपट में, बीता दशक उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव की कहानी का जीवंत सूत्रधार रहा है। यह अवधि बदलाव को दशार्ती है, जहां शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञान के मंदिर भर नहीं रहे, बल्कि शिक्षण और समाज को समान रूप से आकार देते हुए नवाचार की आजमाइश बन गए। वैश्विकस्तर पर हो रहे परिवर्तनों के बीच, भारत का उच्च शिक्षा क्षेत्र उत्तरोत्तर विकसित हो रहा है। धूप में कमल की तरह खिल रहा है। यह केवल संख्या में वृद्धि का ही नहीं, बल्कि क्षमता की जागृति का भी प्रतीक है, जो भविष्य को ज्ञान, कौशल और विजन के सूत्र से बुन रहा है। अब जबकि भारत विश्व के लिए मानव संसाधनों का सबसे बड़ा उत्पादक बनने की दिशा में क्रमिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हम भविष्य के संभावित घटनाक्रमों का अनुमान लगाते हुए बीते दशक में उच्च शिक्षा के परिदृश्य में भारत द्वारा की गई प्रगति पर विचार करते हैं। संभावनाओं से भरपूर दशक की शुरूआतः भारतीय उच्च शिक्षा परिदृश्य वर्ष 2013-14 में बड़े बदलाव की ओर अग्रसर होने के कारण एक अहम पड़ाव पर था। हालांकि उसकी प्रगति स्पष्ट थी, लेकिन पहुंच बढ़ाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण चुनौतियां यथावत थीं।18-23 वर्ष आयु वर्ग के लिए लगभग 23 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) के साथ पहुंच और नामांकन सीमित थे, जिनसे नितांत क्षेत्रीय असमानताएं एवं सामाजिक-आर्थिक बाधाएं प्रकट होती थीं। 723 विश्वविद्यालयों और 36,634 कॉलेजों सहित संस्थागत परिदृश्य, बुनियादी ढांचे की बाधाओं से विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में जूझ रहा था। वित्त पोषण एक और महत्वपूर्ण मुद्दा था। जीडीपी के 3.84 प्रतिशत के कुल शैक्षिक व्यय में से उच्च शिक्षा को सीमित आवंटन प्राप्त हो रहा था। यद्यपि एमओओसी जैसी डिजिटल पहल (एनपीटीईएल के एक प्रमुख उपलब्धि होने के नाते) उभर चुकी थी लेकिन असमान इंटरनेट कनेक्टिविटी और ढांचागत चुनौतियों के कारण उसकी पहुंच सीमित थी। ऑनलाइन शिक्षा, हालांकि संभावनाएं दर्शा रही थी, लेकिन मुख्यधारा के शिक्षण अनुभवों में पूर्ण एकीकरण के सामर्थ्य के साथ वह अपनी प्रारंभिक अवस्था में थी। इन चुनौतियों के बावजूद, वर्ष 2013-14 आत्मनिरीक्षण और सुधार का दौर भी रहा। इसने भविष्य में आगे बढ़ने की महत्वपूर्ण प्रेरणा का कार्य किया, जहां भारतीय उच्च शिक्षा पहुंच के अंतर को पाटने, गुणवत्ता बढ़ाने और परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों को अपनाने का प्रयास करेगी। प्रमुख सुधार और पहलः 2014 के बाद के वर्ष भारतीय उच्च शिक्षा को परिवर्तनकारी पथ पर आगे बढ़ाने की दिशा में हुए ठोस प्रयासों के साक्षी रहे। शिक्षा तक पहुंच को व्यापक बनाने, उसकी गुणवत्ता बढ़ाने और तकनीकी प्रगति को अपनाने के प्रति लक्षित सुधारों और पहलों ने इस परिदृश्य को नया आकार दिया। नए विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की विशेषकर वंचित क्षेत्रों में स्थापना से संस्थागत नेटवर्क में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। साथ ही श्रेयस योजना, प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा योजना, सब्सिडी के माध्यम से छात्र ऋण को किफायती बनाने के प्रयास (केंद्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी योजना 2009 को मजबूत करना) और क्रेडिट गारंटी फंड आवंटन (सीसीएफ योजना 2015) करने आदि जैसे लक्षित छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के साथ हाशिये पर मौजूद समुदायों तक इस पहुंच का विस्तार हुआ और देश भर में महत्वकांक्षाओं को प्रेरणा मिली। एआईएसएचई वर्ष 2021-22 के अनुसार, उच्च शिक्षा में नामांकन वर्ष 2014-15 में 3.42 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 4.33 करोड़ हो गया। जीईआर वर्ष 2014-15 में 23.7 से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 28.4 हो गया, महिला जीईआर वर्ष 2014-15 में 22.4 से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 28.5 हो गया। इस विस्तार के परिणामस्वरूप लाखों युवा उच्च शिक्षा में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें पहले से कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के प्रतिनिधित्व में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एक परिवर्तनकारी रोडमैप के रूप में उभरी है, जिसमें बहु-विषयक शिक्षा, कौशल विकास और उद्योग भागीदारी पर जोर दिया गया है। इस मूलभूत बदलाव का उद्देश्य स्नातकों को उपयुक्त कौशल से लैस करना और तेजी से विकसित हो रहे नौकरी बाजार में रोजगार क्षमता को बढ़ावा देना है। केवल मेट्रिक्स के संदर्भ में ही नहीं, बल्कि एनईपी ने, भारत में शिक्षा परिदृश्य को मौलिक रूप से फिर से परिभाषित करने के अपने प्रयासों की बदौलत इस क्षेत्र में हितधारकों के भीतर प्रेरणा और उत्थान की भावना जगाई है। विश्वविद्यालयों ने पाठ्यक्रम में संशोधन को अपनाया, लचीली क्रेडिट प्रणाली, पसंद-आधारित पाठ्यक्रम और उद्योग के अनुरूप विशेषज्ञता की शुरूआत की। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार के अग्रणी संस्थानों के साथ सहयोगपूर्ण अनुसंधान संबंधी पहल समृद्ध हुई, जिससे वैश्विक मंच पर भारत के अनुसंधान आउटपुट को बढ़ावा मिला। शिक्षक एवं शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन, गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम, नेशनल मिशन ऑन मेंटरिंग, अटल एफडीपी आदि जैसे शिक्षक प्रशिक्षण प्रयासों का संकाय विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वयं (जिसे वर्ष 2016 में पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विस्तारित और समृद्ध किया गया) और एमओओसी जैसे डिजिटल शिक्षा प्लेटफार्मों के उदय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में क्रांति ला दी। ऑनलाइन डिग्री कार्यक्रमों ने विकल्पों का और अधिक विस्तार किया।

भारत की मुक्त व्यापार के लिए दूरगामी सोच

ANALYSIS

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह समझौते मेक इन इंडिया को बढ़ावा देनेवाले तथा युवा एवं प्रतिभाशाली श्रमबल को अनेक नए अवसर प्रदान कर रहे हैं । इस दिशा में भारत-यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन व्यापार एवं आर्थिक साझीदारी समझौता (टीईपीए) पर हस्ताक्षर भारत की आर्थिक क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। इससे पूर्व भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी के समझौते पर दस्तखत किए गए। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 60 अरब डॉलर सालाना से बढ़ाकर अगले पांच वर्षों में 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया। सेवाओं का व्यापार 15 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। वाणिज्य मंत्रालय का यह आंकड़ा भी है कि भारत के कपड़ा, दवा, जवाहरात, गहनों और प्लास्टिक के उत्पादों, ऑटो और चमड़ा, प्रोसेस्ड कृषि और डेयरी उत्पादों, हस्तशिल्प, फर्नीचर, खाद्य और पेय पदार्थों, इंजीनियरिंग जैसे ज्यादा श्रम वाले उद्योगों में 10 लाख नए रोजगार पैदा होंगे।

भारत इस समय दुनिया के तमाम देशों के साथ आर्थिक क्षेत्र में कदम से कदम मिलाकर चल रहा है और एक देश के बाद दूसरे देश के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने में सफल हो रहा है। भारत की इस सफलता ने आज देश में शुरू हुए स्टार्टअप्स को एक नई उड़ान दे दी है। यह समझौते मेक इन इंडिया को बढ़ावा देनेवाले तथा युवा एवं प्रतिभाशाली श्रमबल को अनेक नए अवसर प्रदान कर रहे हैं । इस दिशा में भारत-यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन व्यापार एवं आर्थिक साझीदारी समझौता (टीईपीए) पर हस्ताक्षर भारत की आर्थिक क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। इससे पूर्व भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी के समझौते पर दस्तखत किए गए। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 60 अरब डॉलर सालाना से बढ़ाकर अगले पांच वर्षों में 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया। सेवाओं का व्यापार 15 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। वाणिज्य मंत्रालय का यह आंकड़ा भी है कि भारत के कपड़ा, दवा, जवाहरात, गहनों और प्लास्टिक के उत्पादों, ऑटो और चमड़ा, प्रोसेस्ड कृषि और डेयरी उत्पादों, हस्तशिल्प, फर्नीचर, खाद्य और पेय पदार्थों, इंजीनियरिंग जैसे ज्यादा श्रम वाले उद्योगों में 10 लाख नए रोजगार पैदा होंगे। इसी तरह से भारत के सबसे महत्वपूर्ण एफटीए भारत के पूर्व में स्थित देशों आसियान, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ हैं। जिसके परिणाम स्वरूप आज प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से देश की कुल जनसंख्या में से करोड़ों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। वस्तुतः

मोदी सरकार जिस तरह से एक-एक योजना पर गहराई से कार्य कर रही है, उसे देखते हुए अब लगने लगा है कि वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्था जल्द ही बन जाए। एक-एक बिन्दु पर कार्य की गहराई इसी से समझी जा सकती है कि पिछले 16 साल की मशक्कत के बाद सरकार ने यूरोपीयन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टेपा) करने में सफलता प्राप्त की है। यानी कि पिछले 10 साल कांग्रेस की सरकार जो कर-के नहीं दिखा पाई उसे लोकसभा चुनाव के पूर्व मोदी सरकार लगातार के अपने प्रयासों के परिणाम स्वरूप करने में सफल हो गई। देश में आज हर रोज हजारों नए व्यापारिक प्रतिष्ठान खुल रहे हैं, कंपनियों द्वारा बनाए माल की खपत यदि नहीं होती है तो कंपनी को दिवालिया होने से कोई रोक नहीं पाता, ऐसे में हर कंपनी को उसकी निर्माण वस्तु के हिसाब से मार्केट मिले यह आवश्यक है। आज यह अच्छी बात है कि केंद्र की भाजपा सरकार इस कार्य को पूरा करती हुई दिखाई दे रही है। हालांकि यह भी सच है कि कुछ देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा अधिक है, जिसमें कि चीन का जिक्र अक्सर आता है, किंतु इसके साथ ही यह भी सच है कि दुनिया के तमाम देशों के साथ जो पिछले 10 सालों में मोदी सरकार के प्रयासों से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) हुए हैं, उनमें भारत आज लीडर की भूमिका में पहुंच गया है। अभी जो भारत - यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन ने व्यापार एवं आर्थिक साझीदारी समझौता (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, यदि उसके ही लाभ देखें तो लगता है कि देश के कितने अधिक लोगों को एक साथ रोजगार मिल जाएगा। यह पहली बार है और बड़ी उपलब्धि भी कि भारत एक साथ चार विकसित देशों जिनमें स्विट्जरलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन शामिल हैं, के साथ यह हस्ताक्षर करने में सफल हुआ है । जिसमें कि यह सुनिश्चित किया गया है कि 100 बिलियन डॉलर के निवेश और एक मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार की बाध्यकारी प्रतिबद्धता रहेगी। पहले 10 सालों में 50 अरब डॉलर तो बाद के पांच सालों में 50 अरब डॉलर का निवेश किया जाना तय किया गया है । समझौते से फार्मा, टेक्सटाइल जैसे सेक्टर के साथ सर्विस सेक्टर में भी इन चार देशों के बाजार में भारत की पहुंच आसान हो जाएगी। यहां अच्छा यह भी है कि इस समझौते से भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोप के बड़े बाजार में पहुंच सहज होगी। जिसका कि बड़ा लाभ यह है कि यूपोरीय यूनियन के सर्विस सेक्टर में स्विट्जरलैंड की बड़ी हिस्सेदारी है और अब सर्विस सेक्टर से जुड़ी भारतीय कंपनियां स्विट्जरलैंड में अपना आधार बना कर यूरोप के बाजार में प्रवेश कर सकेंगी। इससे आईटी, बिजनेस, शिक्षा, मनोरंजन, ऑडियो-विजुअल सेक्टर के सर्विस को प्रोत्साहन मिलेगा। स्विस चाकलेट्स, घड़ी एवं अन्य सामग्री भारतीयों को सस्ते दाम पर उपलब्ध हो जाएंगी। इस अनुबंध से वस्तु निर्यात से लेकर सेवा निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा और ग्रीन एनर्जी, केमिकल्स, मशीनरी जैसे क्षेत्र में निवेश कई गुना बढ़ जाएगा। कहना होगा कि यह टीईपीए बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी, विनिर्माण, मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, खाद्य प्रसंस्करण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं और बीमा जैसे क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करके ₹मेक इन इंडिया₹ और आत्मनिर्भर भारत को गति देगा। इसके साथ ही टीईपीए भारत में अगले 15 वर्षों में व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण के लिए बेहतर सुविधाओं सहित भारत के युवा महत्वाकांक्षी कार्यबल के लिए बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष रोजगारों के सृजन में तेजी लाएगा। यह तो हुई इस अनुबंध की बात लेकिन इससे पहले भारत ने जो अनुबंध दूसरे देशों से किए हैं, उससे किस तरह भारत पिछले साल 2023 में दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बना है, वह हम सभी ने देखा है। इसी के साथ बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दावा करते हुए कहा था, मैं देश को... विश्वास दिलाता हूं कि हमारे तीसरे कार्यकाल में भारत, शीर्ष 3 अर्थव्यवस्था में पहुंच कर रहेगा और ये मोदी की गारंटी है। निश्चित ही यह गारंटी आज अपना कार्य सफलता से पूरा करती हुई दिखती है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने भारत को लेकर जो कहा वह भी सच होता दिख रहा है । वस्तुतः जीटीआरआई का कहना है कि चार यूरोपीय देशों के संघ ईएफटीए के साथ भारत व्यापार समझौतों का सफलतापूर्वक संपन्न होना और ब्रिटेन, ओमान जैसे देशों के साथ समझौते के करीब पहुंचना आज भारत का व्यापार उदारीकरण तथा आर्थिक एकीकरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। वह भी ऐसे दौर में जब पूरी दुनिया संरक्षणवाद को अपना रही हो। निश्चित ही आज यही कहना होगा कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के आर्थिक विस्तार और विश्व बाजार में एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के जातीय समीकरण के सामने पस्त विपक्ष

एक पुरानी राजनीतिक कहावत है कि दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। कहते हैं यहां पर जिसने जितनी सीटें जीतीं, उसके लिए नई दिल्ली तक पहुंचने का रास्ता उतना ही आसान हुआ। उत्तर प्रदेश में विजय का परचम लहराने के लिए जातियों की समझ ही सब कुछ है। यहां विकास के नाम पर वोट भी तभी मिलता है, जब जातियों को सही तरह से साधा जाए। बात चाहे ओबीसी की हो, मुस्लिम की हो या सवर्ण समाज को साधने की, सभी का उत्तर प्रदेश की सियासत में अहम योगदान रहता है। यहां के बारे में एक कहावत चर्चित है कि यहां वोटर नेता को वोट नहीं देते बल्कि जाति को देते हैं। जाहिर है कि सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश पर हर पार्टी की नजर है। यहां भारतीय जनता पार्टी से लेकर सपा, कांग्रेस और बसपा भी अपना जनाधार मजबूत करने में पूरी ताकत के साथ जुट गई है। जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर अपने-अपने वोट बैंक को दुरुस्त करने के लिए खास रणनीति बनाई जा रही है। इस मद्देनजर जो एक कम्युनिटी प्रदेश की हर राजनीतिक पार्टी की नजर में है, वो ओबीसी समुदाय है। प्रदेश में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ओबीसी से आता है और जिसकी ओर उनका झुकाव होता है, वही पार्टी यहां सबसे मजबूत स्थिति में मानी जाती है। ऐसे में इन्हें लुभाने के लिए हर पार्टी अपने-अपने स्तर पर अपनी-अपनी रणनीति के अनुसार कोशिश कर रही है। उत्तर प्रदेश में ओबीसी वोट का प्रतिशत 52 फीसदी है। ये ओबीसी वोट, यादव और गैर यादव में बंटा हुआ है। यादव वोट 11 फीसदी है तो गैर यादव 43 फीसदी है। ओबीसी वोट में यादव जाति के बाद सबसे ज्यादा संख्या कुर्मी मतदाताओं की है। इसके बाद मौर्य और कुशवाहा और चौथे नंबर पर लोध जाति है। पिछड़ा वर्ग में पांचवीं सबसे बड़ी जाति के रूप में मल्लाह (निषाद) हैं। ओबीसी वोट बैंक में राजभर बिरादरी की आबादी दो फीसदी से कम है। राज्य में दलित वोट बैंक, जाटव और गैर जाटव में बंटा हुआ है। दलितों में जाटव जाति की संख्या कुल वोट का 54 फीसदी है। दलितों में 16 फीसदी पासी और 15 फीसदी वाल्मीकि जाति है। राज्य में सवर्ण मतदाता की आबादी 23 फीसदी है। इसमें सबसे ज्यादा 11 फीसदी ब्राह्मण, आठ फीसदी राजपूत और दो फीसदी कायस्थ है। देश में उत्तर प्रदेश मुस्लिम जनसंख्या के हिसाब लिहाज से चौथा सबसे बड़ा राज्य है। यहां पर लगभग 20 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं। 2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-अपना दल गठबंधन को 50.76 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा ने 62 और अपना दल ने दो सीट जीती थीं। सपा-बसपा और आरएलडी गठबंधन को 38.89 फीसदी वोट मिले थे। सपा ने पांच और बसपा ने 10 सीटें जीती थीं। 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए सबसे शर्मनाक रहा। उसे 6.31 प्रतिशत वोट शेयर के साथ सिर्फ एक सीट पर जीत मिली। अगर साल 2014 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत के साथ 71 सीट मिलीं और पार्टी के खाते में 42.3 फीसदी वोट गए। इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और आरएलडी का खाता भी नहीं खुला। बसपा को 19.6 फीसदी वोट मिले। सपा ने पांच ही लोकसभा सीट जीती। उसे कुल 22.2 फीसदी वोट मिले। कांग्रेस ने दो सीटें जीती और उसका वोट फीसदी 7.5 रहा। थिंक टैंक सीएसडीएस और लोकनीति के एक सर्वे के मुताबिक 2019 के चुनाव में 82 फीसदी ब्राह्मणों ने भाजपा और उसके सहयोगियों के लिए वोट किया। 89 फीसदी राजपूतों ने भाजपा को वोट दिया। वैश्यों का 70 फीसदी वोट भाजपा के खाते में गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में निर्णायक माने जाने वाले जाटों का 91 फीसदी वोट भाजपा को मिला। वर्ण व्यवस्था की अन्य जातियों में से 5 फीसदी ने कांग्रेस, 84 फीसदी ने भाजपा गठबंधन और 10 फीसदी ने सपा-बसपा गठबंधन को वोट किया। ओबीसी की दूसरी बड़ी जाति कोइरी-कुर्मी का 80 फीसदी वोट भाजपा, 14 फीसदी वोट सपा-बसपा, कांग्रेस को 5 फीसद और अन्य दलों को 1 फीसदी वोट मिला। यादव-कोइरी-कुर्मी के अलावा ओबीसी की अन्य जातियों में से 72 फीसदी ने भाजपा, 18 फीसदी ने सपा-बसपा, 5 फीसदी ने कांग्रेस और 5 फीसदी ने अन्य दलों को वोट किया। अनुसूचित जाति की बड़ी जातियों में से एक जाटव है। इस जाति का 75 फीसद वोट सपा-बसपा, 17 फीसद भाजपा, 1 फीसद कांग्रेस और अन्य दलों को 7 फीसद वोट मिल। एससी की अन्य जातियों के वोटों में से भाजपा गठबंधन को 48 फीसद, सपा-बसपा गठबंधन को 42 फीसद, कांग्रेस को 7 फीसद और 3 फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। उत्तर प्रदेश के 73 फीसद मुसलमानों ने सपा-बसपा गठबंधन, 14 फीसद ने कांग्रेस, 8 फीसद ने भाजपा गठबंधन और पांच फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। अन्य जातियों में से 50 फीसद ने भाजपा गठबंधन, 35 फीसद ने सपा-बसपा, 1 फीसद ने कांग्रेस और 14 फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। वास्तव में, सामान्य, गैर यादव ओबीसी, अन्य अति पिछड़े, और गैर जाटव दलित पर भारतीय जनता पार्टी की अच्छी पकड़ है। भारतीय जनता पार्टी को साल 2014, 2019 के लोकसभा चुनाव में और साल 2017 तथा 2022 के विधानसभा में अच्छी-खासी संख्या में ओबीसी वोटर्स का साथ मिला। सपा की नीतियों से असंतुष्ट ओबीसी समुदाय ने भाजपा का दामन थामा। भाजपा अपने इस समर्थन को आने वाली लोकसभा चुनाव में बरकरार रखना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी वोटर्स में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए तमाम तरह के जतन कर रही है। इसका मकसद गैर-यादव पिछड़ी जाति के लोगों को लामबंद करना है। इसके अलावा ओम प्रकाश राजभर को एनडीए में लाना भाजपा की ओबीसी नीति का ही नतीजा है। संजय निषाद और अनुप्रिया पटेल पहले से ही भाजपा के साथ हैं। आरएलडी के एनडीए का हिस्सा बनने से यह वोट बैंक और मजबूत होगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

आजादी की लड़ाई के साथ विकसित भारत के संकल्प का तीर्थ बने साबरमती आश्रम में आज एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। हमने स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय विरासत से जुड़े प्रेरणास्थलों के विकास का भी अभियान चलाया है। बापू के आदर्श और उनसे जुड़े प्रेरणातीर्थ राष्ट्र निर्माण की यात्रा में हमारा निरंतर मार्गदर्शन करते रहेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

शिक्षा समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर जाने वाला आंदोलन है। इसलिए हमारी सरकार राज्य में शिक्षा का बेहतर वातावरण बनाने के लिए प्रयत्नशील है। सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट- मैट्रिक छात्रवृत्ति, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना, माकी मुंडा छात्रवृति योजना, गुरुजी स्टूडेंट कार्ड के बाद अब मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना की शुरूआत की गई है, जिसके तहत विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की जायेगी तथा भोजन के लिए ₹2500 प्रति माह दिए जायेंगे। बच्चों, आप लोग सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दीजिए, बाकी सब कुछ हमारी सरकार देख लेगी।

(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

साहित्य संवर्द्धन में साहित्य अकादमी का योगदान

भारत सरकार ने स्वायत्त साहित्यिक संथा के रूप में साहित्य अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स) की स्थापना का आधिकारिक निर्णय दिसंबर 1952 में लिया था और 12 मार्च, 1954 को इसका उद्घाटन तत्कालीन उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने किया था। इस वर्ष हम इस महत्वपूर्ण संस्था की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। साहित्य अकादमी को आधिकारिक रूप से इस प्रकार परिभाषित किया गया है- भारतीय साहित्य के सक्रिय विकास के लिए कार्य करनेवाली एक राष्ट्रीय संस्था, जिसका उद्देश्य उच्च साहित्यिक मानदंड स्थापित करना, भारतीय भाषाओं में साहित्यिक गतिविधियों को समन्वित करना एवं उनका पोषण करना तथा उनके माध्यम से देश की सांस्कृतिक एकता का उन्नयन करना होगा। इस संस्थान की प्रमुख विशिष्टता यह है कि इसका प्रबंधन और संचालन लोकतांत्रिक ढंग से साहित्यकारों द्वारा किया जाता है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में जितनी भाषाएं शामिल हैं, उनसे संबंधित रचनाओं का पाठ होता है, सेमिनार होते हैं तथा पत्रिकाओं का प्रकाशन होता है। बिना किसी भेदभाव के सभी भाषाओं के लिए पुरस्कार दिये जाते हैं। अगर हिंदी के लिए पुरस्कार की राशि एक लाख रुपये है, तो कोंकणी के लिए भी इतनी ही राशि दी जाती है। साहित्य अकादमी में कई श्रेणियां हैं, जिनमें लेखकों को शामिल किया जाता है। सामान्य परिषद सबसे शक्तिशाली इकाई है, जिसमें लगभग सौ सदस्य होते हैं। ये सदस्य सभी प्रांतों से आते हैं। राज्य सरकारें तीन नाम भेजती हैं, जिनमें से एक को पिछली सामान्य परिषद द्वारा अगले पांच वर्षों के लिए चुना जाता है। इसके अलावा विश्वविद्यालयों, भाषाओं की सेवी संस्थाओं, प्रकाशकों, केंद्र सरकार और विभिन्न अकादमियों आदि के प्रतिनिधि भी सामान्य परिषद में होते हैं। साथ ही, एक प्रतिष्ठित साहित्यकार को भी चुना जाता है। सामान्य परिषद से ही कार्यकारी मंडल को बनाया जाता है। यह मंडल मुख्य रूप से संस्थान को संचालित करता है। पुरस्कारों की विभिन्न श्रेणियां हैं। प्रतिष्ठित साहित्यकारों को सीनियर फेलोशिप दी जाती है। ऐसे साहित्यकार समय-समय संस्थान को सलाह देते हैं। इस प्रकार बिना किसी नौकरशाही के साहित्यकार ही भारतीय साहित्य के संवर्द्धन का कार्य करते हैं। कोई भी स्वायत्त संस्था हो, चाहे निर्वाचन आयोग हो या सर्वोच्च न्यायालय हो, कार्यपालिका यानी शासन द्वारा उसमें हस्तक्षेप करने का प्रयास हमेशा होता है। उन्हें लगता है कि पैसा सरकार का लग रहा है, तो निर्णय भी उन्हीं को करना चाहिए। साहित्य अकादमी संसद द्वारा पारित अपने संविधान से मार्गदर्शन लेती है। विभिन्न पद चुनाव द्वारा निर्धारित होते हैं। ऐसे में हस्तक्षेप की कोशिशें अभी तक काफी हद तक कामयाब नहीं हो पायी हैं। मेरे कहने का आशय यह नहीं है कि पूरी स्वायत्तता रहती है, पर बहुत स्वतंत्रता से काम होता है। दखल यह होता है कि संस्कृति मंत्रालय के बहाने सरकार कभी कभी कुछ काम सौंप देती है, जो अकादमी कर देती है। साहित्य अकादमी नयी पीढ़ी के रचनाकारों को स्थान देने के लिए प्रयासरत है। उदाहरण के लिए, अकादमी में हिंदी भाषा का संयोजक होने के नाते मैंने यह तय किया है कि जहां भी कार्यक्रम हों, उनमें युवा पीढ़ी के साहित्यकारों को रचना पाठ या वक्तव्य के लिए आमंत्रित किया जाए। अभी इंदौर में उपन्यासों पर कार्यक्रम होना है, जिसमें सेमिनार के साथ-साथ रचना पाठ भी होगा। अकादमी की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर दिल्ली में जो एक सप्ताह का साहित्योत्सव आयोजित किया जा रहा है, उसमें भी युवा पीढ़ी की साहित्यकार अच्छी संख्या में भाग ले रहे हैं। यह अकादमी की नीति का हिस्सा है कि जिन रचनाकारों को पहले नहीं बुलाया जा सका है।

न्यायपूर्ण नागरिकता

लगभग चार वर्ष के इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम अर्थात सीएए को देश भर में लागू करके न केवल अपने आलोचकों को चौंकाया है, बल्कि देश अपने लोगों की नागरिकता सुनिश्चित करने की जरूरी दिशा में बढ़ चला है। इस नए कानून का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे देशों से आने वाले मुस्लिमों को अब भारत में सहजता से नागरिकता नहीं मिलेगी, जबकि इन देशों से आने वाले हिंदू, सिख, ईसाई व अन्य धर्म के लोगों को सहजता से नागरिकता हासिल हो जाएगी। कानून के तहत पात्र लोग नागरिकता के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। गौर करने की बात है कि पिछले दिनों से अनेक नेता सीएए के लागू होने के संकेत दे रहे थे। यहां तक कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि आम चुनाव से पहले ही सीएए को लागू कर दिया जाएगा। चुनाव की घोषणा के ठीक पहले सीएए को लागू कर सरकार ने अपना एक वादा पूरा कर दिया है। दरअसल, सीएए एक ऐसा मोर्चा है, जिसे लेकर केंद्र सरकार की आलोचना हो रही थी। सीएए का विरोध करने वाले ज्यादातर लोग शांत थे और अनेक लोग सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे थे। वाकई, संसद में 11 दिसंबर, 2019 को सीएए पारित हो गया था, और कुछ ही घंटों में कानून को अधिसूचित भी कर दिया गया था, पर इसके लिए नियम तय नहीं हुए थे। कानून बन जाने के बाद नियम तय करना जरूरी होता है और नियम तय करने के लिए सरकार लगातार समय ले रही थी। इस वजह से सरकार की आलोचना भी हो रही थी। बहरहाल, नियम न तय होने से आगे नई लोकसभा में तकनीकी परेशानियां आ सकती थीं, अतः केंद्र सरकार ने चुनाव से ठीक पहले इस कार्य को अंजाम देकर एक तरह से अपना ही अधूरा काम पूरा किया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

टाटा टियागो को मिले है एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 4-स्टार

-कार का माइलेज भी है जबर्दस्त

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की टाटा टियागो अपने सेगमेंट में मारुति ऑल्टो, एस-प्रेसो, सेलेरियो और वैगनआर जैसी कारों को टक्कर देती है। इस कार की सबसे खास बात इसकी सेफ्टी रेटिंग है। लेकिन, बजट सेगमेंट की कारें सेफ्टी के मामले में उतनी आगे नहीं होती हैं। जबकि टाटा टियागो बजट सेगमेंट की कार होते हुए भी अच्छी बिल्ड क्वालिटी के साथ आती है और इसे एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 4-स्टार मिले हुए हैं। टाटा टियागो बाजार में 5.65 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होकर 8.90 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक की कीमत में मिलती है.इस कार में 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है जो 86बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। ये कार सीएनजी ऑप्शन में भी आती है। इस इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। जहां तक माइलेज की बात है तो कंपनी के मुताबिक पेट्रोल में इसकी माइलेज 19.01केएमपीएल है। वहीं, एक किलो सीएनजी में इसे 26.49केएम तक चलाया जा सकता है। साथ ही इसमें 8-स्पीकर साउंड सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और

कूल्ड ग्लोवबॉक्स जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। सेफ्टी के लिहाज से इसमें पैसेंजर सेफ्टी के लिए डुअल फ्रंट एयरबैग, रियर पार्किंग सेंसर, ईबीडी के साथ एबीएस और कॉर्नरिंग स्टेबिलिटी कंट्रोल का सपोर्ट मिलता है।इस कार में ऐपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एलईडी डीआरएलएस के साथ प्रोजेक्टर हेडलाइट्स, रियर डिफॉगर और बैक वाइपर जैसे फीचर्स मिलते हैं।

महिलाओं की म्युचुअल फंड में 21 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च 2017 में 15 फीसदी से बढ़कर दिसंबर 2023 में लगभग 21 फीसदी हो गई है। इस साल फरवरी में म्यूचुअल फंड में प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति 50 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई, इसका कारण ये भी माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में निष्क्रिय निवेशक बचत करने और ज्यादा कमाने का लक्ष्य बना कर म्यूचुअल फंड का रुख कर रहे हैं। यह जानकारी एएमएफआई यानी एसो सिएशन ऑफ म्युचुअल फंड के आंकड़ों से मिली है। एम्फी के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि विकास की यह गति इस अवधि के दौरान शहरी केंद्रों की तुलना में अविकसित या अल्पविकसित केंद्रों में अधिक थी। बी-30 शहरों में महिला पोर्टफोलियो और संपत्ति की हिस्सेदारी क्रमशः 15 फीसदी से बढ़कर 18 फीसदी और 17 फीसदी से 28 फीसदी हो गई है। एम्फी की ये रिपोर्ट क्रिसिल ने तैयार की, जिसमें कहा गया है कि लगभग 50 फीसदी महिला निवेशक 25-44 आयु वर्ग में आती हैं, जबकि व्यक्तिगत निवेशकों के कुल समूह में यह लगभग 45 फीसदी है। गोवा में म्यूचुअल फंड उद्योग में महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40 फीसदी है, इसके बाद पूर्वोत्तर राज्य 30 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चंडीगढ़, महाराष्ट्र और नई दिल्ली में भी प्रबंधनाधीन संपत्तियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 फीसदी से अधिक है। इसके अलावा, महिला म्यूचुअल फंड वितरकों की संख्या भी बढ़ी है। दिसंबर, 2023 तक इनकी संख्या 42,000 के स्तर पर पहुंच गई।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बदलीं

ब्रेंट क्रूड 0.22 फीसदी बढ़कर 83.83 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.14 फीसदी बढ़कर 80.19 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.22 फीसदी बढ़कर 83.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं मंगलवार को कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ बदलाव देखा जा रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 5 पैसे और डीजल में 3 पैसे की गिरावट आई है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 1 पैसे महंगा हुआ है, जबकि डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 9 पैसे और डीजल की कीमत में 7 पैसे का इजाफा हुआ है। बिहार में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10-10 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। मध्य प्रदेश में मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 53 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी दिख रही है। तेलंगाना में पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 56 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 102.86 रुपये और डीजल 94.46 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

स्पेसएक्स ने 6 घंटे के अंदर 46 स्टारलिंक सैटेलाइट लांच किया

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने छह घंटे के भीतर पृथ्वी की निचली कक्षा में 46 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रहों को प्रक्षेपित किया। कंपनी ने अपने कहा` कि उपग्रहों को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन में स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 (एसएलसी -40) से कंपनी के दो चरण वाले फाल्कन 9 रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया है। 23 उपग्रहों का पहला सेट भारतीय समय के अनुसार सोमवार सुबह 4ः35 बजे रवाना हुआ।कंपनी ने कहा` कि यह इस मिशन का सपोर्ट करने वाले रॉकेट की 11वीं उड़ान थी। इसने पहले क्रू-5, जीपीएस 3 स्पेस व्हीकल 6, इनमारसैट आई6-एफ2, सीआरएस-28, इंटेलसैट जी-37, एनजी-20 और अब पांच स्टारलिंक उपग्रह प्रक्षेपित किए जा चुके हैं।

इससे पहले 9 अगस्त को स्पेसएक्स ने अपने स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रहों का एक और बड़ा बैच ऑर्बिट में लॉन्च किया था और समुद्र में एक जहाज पर एक रॉकेट उतारा। स्पेसएक्स कर्मिशियल इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए स्टारलिंक नामक एक उपग्रह इंटरनेट समूह विकसित कर रहा है। जनवरी 2020 में स्टारलिंक कंसटेलेशन अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह तारामंडल बन गया है और जुलाई 2022 तक इसके ऑर्बिट में 2700 से अधिक छोटे उपग्रह शामिल हैं।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक , टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीददारी से आई है। आज के कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 165.32 अंक करीब 0.22 फीसदी बढ़कर 73,667.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 3.05 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर अंत में 22,335.70 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों मारुति, इंफोसिस, टीसीएस और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त रही। वहीं एसबीआई जेएसडब्ल्यू स्टील , आईटीसी , एनटीपीसी , टाटा मोटर्स, ग्रेसिम, अडानी पोर्टस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले गत दिवस बाजार में भारी गिरावट रही थी। वहीं आज सुबह घरेलू शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 42.52 अंक ऊपर 73,545.16 पर और निफ्टी 6.90 अंक ऊपर 22,339.60 पर कारोबार करता दिखा। प्री-ओपनिंग सेशन में बेंचमार्क इंडेक्स सपाट कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स 34.24 अंक ऊपर 73,536.88 पर और निफ्टी 16 अंक ऊपर 22,348.70 पर दिख रहा है।

गत दिवस कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 617 अंक कमजोर हुआ। वहीं निफ्टी में भी 161 अंक की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 616.75 अंक की भारी गिरावट के साथ 73,502.64 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स में 73,433.91 और 74,187.35 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 160.90 अंक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,332.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में 22,307.25 और 22,526.60 के रेंज में कारोबार हुआ।

ऑयल इंडिया का 2023-24 में मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली । ऑयल इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में मजबूत शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि राजस्व और मार्जिन में गिरावट देखी गई। तीसरी तिमाही में वित्त वर्ष 24 में ऑयल इंडिया का मुनाफा 1,584.3 करोड़ और राजस्व 5,323.7 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.3 फीसदी कम है। इस दौरान कंपनी का मार्जिन 39.6 फीसदी रहा। पिछले एक साल में ऑयल इंडिया के शेयरों में शानदार प्रदर्शन रहा है। इस अवधि में शेयर की कीमत में लगभग 140 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले तीन सालों में शेयर की कीमत में 390 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। 2024 में भी ऑयल इंडिया के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। साल की शुरुआत से अब तक शेयर की कीमत में लगभग 70 फीसदी की वृद्धि हुई है।

वनवेब को स्पेक्ट्रम जल्द मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारती समूह द्वारा समर्थित वनवेब ने स्पेक्ट्रम के लिए आवेदन कर दिया है और उसने उम्मीद जताई है कि रेडियो तरंगों का शीघ्र आवंटन हो जाएगा। ह्यूजेस कम्युनिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचसीआईपीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी को इस साल जून तक वाणिज्यिक उपग्रह संचार सेवाएं शुरू होने की उम्मीद है। एचसीआईपीएल और वनवेब ने पूरे भारत में लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) संपर्क सेवाएं मुहैया कराने के लिए एक छह वर्षीय वितरण भागीदार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि वनवेब को भारत में शुरुआती बढ़त हासिल होगी, क्योंकि भारत में उसकी प्रतिस्पर्धी कंपनियां अभी विकास के विभिन्न चरण में हैं। वनवेब ने स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए दूरसंचार विभाग (डॉट) की वायरलेस योजना एवं समन्वय शाखा (डब्ल्यूपीसी) के पास आवेदन किया है। स्पेक्ट्रम आवंटित होने के बाद वनवेब वाणिज्यिक सेवाएं शुरू कर सकती है।उन्होंने उम्मीद जताई कि वनवेब 2024 की पहली छमाही में वाणिज्यिक सेवा शुरू करने में सक्षम हो सकेगी। उन्होंने कहा कि वनवेब कम आबादी वाले गांवों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थिति में है। एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक जैसी डायरेक्ट-टू-मोबाइल सेवा उपलब्ध कराने की वनवेब की कोई योजना नहीं है, क्योंकि यह तकनीक अभी विकसित हो रही है और परिपक्व नहीं है।

फ्लाई91 की वाणिज्यिक उड़ान सेवा 18 मार्च से शुरू होगी

पणजी । क्षेत्रीय एयरलाइन फ्लाई91 अपनी वाणिज्यिक सेवाएं 18 मार्च से शुरू करेगी। इसमें गोवा को बेंगलुरु और हैदराबाद से जोड़ने वाली उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा एयरलाइन बेंगलुरु और हैदराबाद से सिंधुदुर्ग के लिए उड़ानें भी संचालित करेगी। फ्लाई91 के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन अप्रैल से लक्षद्वीप के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना भी बना रही है। एयरलाइन को छह मार्च को विमानन नियामक डीजीसीए ने लाइसेंस दिया था। अ धिकारी ने मोपा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि फ्लाई91 के पास छह महीनों में कुल छह एटीआर 72-600 विमान होंगे। फिलहाल इसके बेड़े में दो विमान हैं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में फ्लाई91 की योजना लगभग 35 विमानों को बेड़े में शामिल करने और 50 शहरों को जोड़ने की है। जस्ट उड़ो एविएशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित एयरलाइन टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क बढ़ाना चाहती है।

मारुति सुजुकी की कई कारें मिल रही हैं सस्ती

-ग्राहकों को दिए जा रहा है आकर्षक बेनिफिट्स

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ महीनों से मारुति सुजुकी कंपनी द्वारा ग्राहकों को आकर्षक बेनिफिट्स दिए जा रहा है। डिस्काउंट्स की रेंज अलग-अलग शहर में अलग-अलग हो सकती है। साथ ही ये स्टॉक भी निर्भर करता है। मारुति सुजुकी अपनी प्रतिस्पर्धी कीमत के लिए जाना जाता है और उसने अपने कुछ मॉडल्स पर 4,000 रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये तक की छूट की घोषणा की है। इग्निस नेक्सा रेंज की एक पॉपुलर गाड़ी है। मार्च के महीने में इसके मैनुअल और एएमटी वेरिएंट पर 79,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसके पेट्रोल वेरिएंट्स पर 48,000 रुपये तक और सीएनजी ट्रिम्स पर 33,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। बलेनो इग्निस की तरह सेम 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आता है। जो 90एचपी की पावर और 113एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। सियाज और एक्सएल6 की बात करें तो इन पर क्रमशः 53,000 रुपये और 20,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। ग्रांड विटारा सीएनजी पर टोटल 4,000 रुपये तक की वैल्यू के बेनिफिट्स दिए जा रहे हैं।

वहीं, दूसरे वेरिएंट्स पर 59,000 रुपये तक की छूट का

फायदा ग्राहक उठा सकते हैं। ग्रांड विटारा हायब्रिड की बात करें तो इस पर 79,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है।

1.2 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आने वाले फोंकस मॉडल्स पर 20,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। वहीं, 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल वेरिएंट्स पर 55,000 रुपये तक के बेनिफिट्स का फायदा ग्राहक उठा सकते हैं। मार्च के महीने में जिम्नी पर सबसे बड़ी छूट दी जा रही है। ग्राहक इस पर 1.5 लाख रुपये तक टोटल बेनिफिट्स का फायदा उठा सकते हैं।

आरके स्वामी के शेयर 13 फीसदी कमजोर होकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । एकीकृत विपणन सेवा कंपनी आरके स्वामी लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 288 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 13 प्रतिशत कमजोर होकर सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर एनएसई पर 13.19 प्रतिशत टूटकर 250 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 12.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 252 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। शुरुआती कारोबार में शेयर कीमत के आधार पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,420.93 करोड़ रुपये रहा। आरके स्वामी के 423.56 करोड़ रुपये के आईपीओ को 25.78 गुना अभिदान मिला था। आरके स्वामी लिमिटेड रचनात्मक क्षेत्र, मीडिया, डेटा एनालिटिक्स और बाजार अनुसंधान के लिए सेवाएं देती है।

स्पाइसजेट के वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन में रणनीतिक पुनर्गठन के तहत उसके वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक एयरलाइन के मुख्य परिचालन अधिकारी अरुण कश्यप और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने अपना इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि स्पाइसजेट के रणनीतिक पुनर्गठन के तहत मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। प्रवक्ता ने कहा कि हाल में पूंजी जुटाने के साथ ही कंपनी पिछले सभी विवादों के समाधान की प्रक्रिया तेज कर रही है और राजस्व तथा यात्रियों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है।

सेमीकंडक्टर कारोबार में प्रवेश कर सकता है अडानी समूह

- क्वालकॉम के सीईओ से मिले गौतम अडानी

मुंबई ।

अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी क्वालकॉम के सीईओ क्रिस्टिआनो आर अमॉन से मिले। गौतम अडानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्वालकॉम के सीईओ से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), उभरती हुई टेक्नोलॉजी और भारत में सेमीकंडक्टर्स को लेकर अमेरिकी कंपनी का विजन से मैं प्रभावित हो गया। गौतम अडानी की क्वालकॉम के सीईओ से मुलाकात को लेकर कहा जा रहा है कि अडानी ग्रुप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में प्रवेश कर सकता है। अडानी ग्रुप के सीईओ ने लिखा कि क्वालकॉम के सीईओ से मुलाकात अच्छी रही। अमेरिका की चिप मेकर कंपनी क्वालकॉम दुनिया के अलग-अलग बाजारों को लेकर स्पष्ट नीति रखती है। भारत ने देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए तेजी से प्रयास किए हैं। अमेरिकी कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी का सेमीकंडक्टर प्लांट गुजरात के साणंद में बन रहा है। इस प्लांट में असेंबली, टेस्ट, मार्किंग और पैकेजिंग की जाएगी। माइक्रोन टेक्नोलॉजी इस प्लांट पर लगभग 22500 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। यह देश का पहला हाई एंड सेमीकंडक्टर फेब्रिकेशन प्लांट होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि यह प्लांट 2024 के अंत तक काम शुरू कर देगा। यह प्लांट न सिर्फ सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए इकोसिस्टम तैयार करेगा बल्कि इससे जुड़े कच्चे माल के उत्पादन को भी बढ़ावा देगा। इसके अलावा हाल ही में सरकार को इजरायल की टावर सेमीकंडक्टर और टाटा ग्रुप से भी प्लांट बनाने के प्रस्ताव मिले थे। सरकार फिलहाल इन दोनों के अलावा कई कंपनियों के प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

फरवरी में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ी: सियाम

नई दिल्ली ।

भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गई है। उद्योग निकाय सियाम ने यह जानकारी देते हुए कहा कि स्पोर्ट यूटीलिटी वाहनों (एसयूवी) की बाजार पर पकड़ बरकरार है। ऑटो कंपनियों ने पिछले महीने डीलरों को कुल 3,70,786 यात्री वाहन भेजे, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,34,790 इकाई था। सियाम के एक अे धिकारी ने कहा कि यात्री वाहनों ने इस साल फरवरी में अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा फरवरी 2023 की तुलना में 10.8 प्रतिशत बढ़कर 3.7 लाख इकाई रहा। समीक्षाधीन माह में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 35 प्रतिशत बढ़कर 15,20,761 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 11,29,661 इकाई थी। इसी तरह तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में 54,584 इकाई रही, जो पिछले साल समान माह में 50,382 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले फरवरी 2024 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में थोड़ी गिरावट हुई।

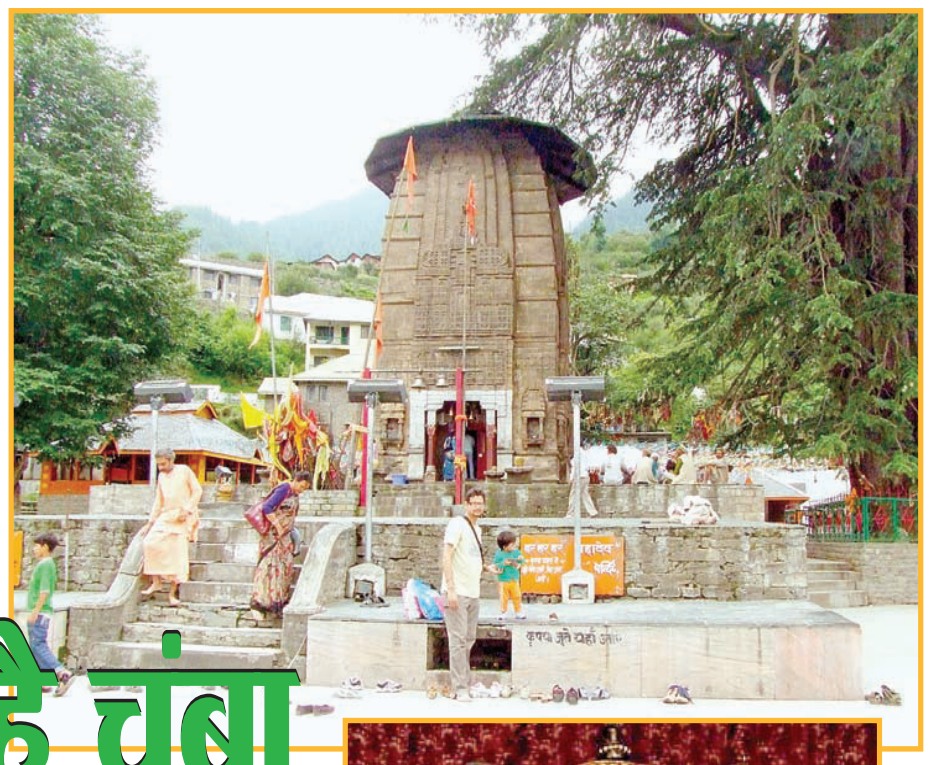

सभी को बुलाती है चंबा की खूबसूरत वादियां

रावी नदी के दक्षिणी किनारे पर बसा हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत शहर चंबा कला और प्राकृतिक परिदृश्य का अद्भुत संगम है। राजा साहिल वर्मा ने इस पहाड़ी शहर की खोज की और अपनी बेटी चंपावती के नाम पर इसका नाम चंबा रखा। चंबा की खूबसूरती को यहां का शांत वातावरण बढ़ा देता है। इसी कारण यह छुट्टी मनाने के लिए बेहतरीन जगहों में से एक है। शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर पर्यटक यहां आकर सुकून महसूस करते हैं। प्रकृति से प्रेम रखने वाले लोगों के लिए चंबा से बढ़ कर कोई जगह नहीं।

चंबा की तीन तरफ बर्फीले पर्वत श्रेणियां इसकी खूबसूरती बढ़ा देती हैं। पहला दौलधर (बाहरी हिमालय) दूसरा पीर-पंजल (मध्य हिमालय) और तीसरा जैसकर पर्वतमाला या आंतरिक हिमालय। चंबा का शांत वातावरण मनोहारी दृश्य, ताजी हवा, ऊंचे पहाड़ और बेहतरीन ढलान आकर्षित करते हैं। चंबा और उसके आसपास की जगह पर्यटकों को मानो बुलाती हैं। यहां आकर पर्यटक इनकी खूबसूरती में खो जाते हैं। कल-कल बहता पानी, पहाड़, झरने और स्नोलाइन किसी चित्रकार के चित्रों की कल्पना हो सकती है या फिर किसी कवि के लिए यह जगह उसकी खूबसूरत कविता लिखने का जरिया। यहां चारों तरफ हरियाली प्रकृति का अद्भुत नजारा प्रस्तुत करती है।

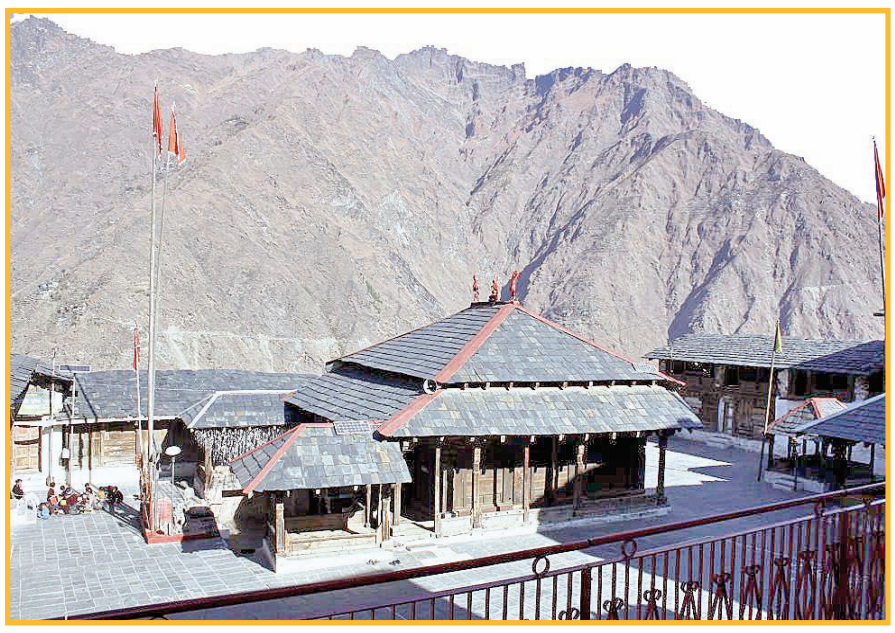

चंबा में देखने के लिए बहुत कुछ है। इनमें मुख्य हैं- लक्ष्मी नारायण मंदिर, चंपावती मंदिर, चौरासी मंदिर, लामा दल वगैरह।

भूरी सिंह म्यूजियम 14 सितंबर 1908 में खोला गया था। इसका नाम राजा भूरी सिंह के नाम पर ही रखा गया, जिन्होंने 1904 से लेकर 1919 तक चंबा पर शासन किया था।

चंबा का चंपावती मंदिर पत्थरों से बना शिकारा मंदिर है जो देवी चंपावती को समर्पित है। मान्यताओं के अनुसार इस शहर का नाम चंबा देवी के पर रखा गया। लक्ष्मी देवी, गणेश और मणिमहेश और नरसिंह का मुख्य मंदिर ही चौरासी मंदिर के नाम से जाना जाता है।

चंबा के उत्तर में छह शिकारा मंदिरों का समूह है, जिसका निर्माण पत्थरों से किया गया है। यह उत्तर से दक्षिण की तरह एक कतार में बना है। इनमें से तीन मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित हैं और तीन भगवान शिव को। इसे चंबा का मुख्य मंदिर और प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर कहते हैं।

चंबा का लांबा डल झील को भी पवित्र माना जाता है। लांबा डल यानी लंबी झील, पत्थरों के बीच बहती यह झील भगवान शिव को समर्पित है। इसी कारण इस झील को बेहद पवित्र माना जाता है।

यहां के खूबसूरत रंग महल पैलेस को राजा उमेद सिंह ने 18वीं शताब्दी में बनवाया था। इस महल को देखकर भगवान श्रीकृष्ण के जमाने का जीवन और समय दोनों की यादें ताजा हो जाती हैं। इसके अलावा आप इसी के पास महाराजा पैलेस भी देख सकते हैं।

ऊंचे पहाड़ों से घिरे चंबा की राजधानी भरमौर को ब्रहमौर भी कहते हैं। यह एक छोटा सा शहर है, जहां प्राचीन मंदिर और स्मारक हैं। ये इस शहर की शान हैं। यहीं से मणिमहेश की यात्रा शुरू होती हैं। यहां खेल प्रेमियों के लिए बेहतरीन ट्रेकिंग की व्यवस्था है।

शिवभक्तों का पसंदीदा पर्वत मणिमहेश कैलाश है। चंबा से लगभग 97 किलोमीटर दूर है मणिमहेश की ग्लेशियर झील जिसके किनारे शिवभक्त पूजा करते हैं और फिर मणिमहेश की यात्रा शुरू होती है। यहा यात्रा बेहद कठिन होती है क्योंकि पहाड़ों और बर्फ से गुजरते हुए लोग यात्रा करते हैं।

चंबा से 56 किलोमीटर की दूरी पर है सलोनी। छह हजार फीट की ऊंचाई पर यह जगह बेहद ही आकर्षक है। सलोनी में बर्फसे ढंके पहाड़ और उसकी चोटी एक पल के लिए किसी की भी सांसें रोक सकती है। यहां के पहाड़ों की चोटियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

चंबा में हर साल सुही माता त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार अप्रैल में आता है और यह रानी चंपावती को समर्पित है। त्योहार में केवल महिलाएं और बच्चे ही भाग लेते हैं। अगस्त में एक हफ्ते तक मंजर मेला चलता है, इस मौके पर मक्के की फसल तैयार होने की खुशी में लोग नाचते-गाते हैं।

यहां का मौसम पूरे साल अच्छा रहता है। गर्मी में जहां सामान्य तापमान होता है। वहीं ठंड में तापमान शून्य डिग्री चला जाता हैं। अगर आप सर्दियों में चंबा की बर्फबारी का मजा लेना चाहता हैं, तो गर्म कपड़े ले जाना न भूलें। यहां आप सड़क, रेल और हवाई मार्ग से पहुंच सकते हैं।

प्रकृति का अनूठा सौंदर्य औली

औली में सर्दी में बर्फ से ढके बुग्याल देखते ही बनते हैं। इन पर स्काइंग का मचा लिया जा सकता है। कहीं आपको छोटे-छोटे झरने और घने जंगल पर्यटकों को अपनी ओर खींच लाते हैं।

उत्तराखंड में हर पर्वत, हर घाटी की अपनी अलग ही नैसर्गिक छटा है। वहीं एक स्थान औली है। औली में न तो कोई भीड है और न किसी तरह का शोर। इस स्थान की विशेषता यहां के हरे-भरे ढलान हैं। मखमली घास के इन ढलानों को बुग्याल कहते हैं। औली अपने आप में न तो कोई शहर है और न बाजार। यह तो बस एक सैरगाह है। यहां पहुंच कर आप यह पाएंगे कि अगर कोई है तो सिर्फ आप हैं और आपके सामने प्रकृति का अनूठा सौंदर्य है। आपके अलावा वैसे तो वहां होते और भी बहुत लोग हैं, पर सब अपने-आप में व्यस्त और मस्त। व्यस्तता का आलम भी सिर्फ एक और वह है प्रकृति की मनोहारी छटा को भिन्न-भिन्न रूपों में देखना तथा आत्मसात करना।

दैनिक जीवन की भागदौड में क्षीण होती ऊर्जा को पुनरू संचित करने के लिए ऐसा ही स्थान चाहिए। यहां के बुग्यालों में आप यायावार की भांति घूमते रहिए। दूर तक फैले इन बुग्यालों में हर तरफ एक सा सौंदर्य नजर आएगा। आसपास देवदार और ओक के घने जंगल भी हैं। कहीं-कहीं आपको छोटे-छोटे झरने भी देखने को मिल सकते हैं। औली के सामने बर्फसे ढके पहाडों की लंबी श्रृंखला देखने को मिलती है। वहां आप एक पॉइंट पर खडे होकर इन पर्वत शिखरों की पहचान भी कर सकते हैं। इसके लिए वहां पीक के नाम और उनकी दिशा का नक्शा पत्थर पर बना है। यह स्थान समुद्रतल से करीब 2520 मीटर की ऊंचाई पर है। इसलिए यहां हमेशा मौसम ठंडा ही बना रहता है।

सर्दियों में तो औली एक अलग ही रूप ले लेता है। यहां के बुग्याल उस समय बर्फ से ढक जाते हैं। तब यह स्कीइंग के ढलानों के रूप में साहसी पर्यटकों को आमंत्रित करते हैं। हिमक्रीडा के उस मौसम में यहां विदेशी सैलानी भी खूब आते हैं। जनवरी-फरवरी में यहां हर साल स्कीइंग की प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। नौसिखिए लोगों के लिए यहां स्कीइंग के कोर्स भी चलाए जाते हैं। स्कीइंग अगर न भी करनी हो तो औली के धवल सौंदर्य को निहारने के लिए तो यहां आया ही जा सकता है। जोशीमठ से औली और गौरसों तक रोप-वे या ट्रॉली मार्ग से आना भी अपने आप में एक रोमांचक अनुभव होता है।

भारी सुरक्षा के बीच एक-दूजे के हुए काला जठेड़ी और अनुराधा

नई दिल्ली । कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी और लेडी डॉन अनुराधा चौधरी ने मंगलवार को शादी कर ली। दोनों दिल्ली के द्वारका स्थित संतोष पैलेस में शादी के बंधन में बंध गए। इस मौके पर सुर्ख लाल जोड़े में अनुराधा नजर आई, जबकि काला जठेड़ी कुर्ता-पायजामा और सदरी पहने हुआ था। इसके पहले लेडी डॉन खुद स्कॉर्पियो ड्राइव करके सोनीपत से दिल्ली पहुंची।उसके साथ परिवार के लोग भी मौजूद हैं। दिल्ली में हो रही चर्चित शादी समारोह की सुरक्षा में अत्याधुनिक हथियारों लैश कमांडो तैनात हैं। ड्रोन से पूरे इलाके पर नजर रखी जा रही है। हॉल के आसपास की छतों पर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात हैं। सभी पुलिसकर्मियों ने बॉडी कैमरा लगा रखा है। शादी में आने वाले मेहमानों को मोबाइल फोन लेकर अंदर जाना मना है। हाई कोर्ट के आदेश के तहत गैंगस्टर काला जठेड़ी को मंगलवार सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक की पैरोल मिली है। इस कारण 4 बजे से पहले ही सारी रस्में पूरी की जा रही हैं। तिहाड़ जेल से भारी सुरक्षा बल के साथ डॉन शादी हॉल में पहुंचा। इसके बाद स्टेज पर जाकर कुछ देर अपनी होने वाली पत्नी अनुराधा चौधरी के साथ बैठा। फिर दोनों शादी के मंडप में पहुंचे, जहां डॉन ने लेडी डॉन को सिंदूर लगाया।

सीएए लागू होते ही देश के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए का नोटिफिकेशन जारी होते ही देश के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दी गई है। दिल्ली में 2020 में सीएए के खिलाफ हुए प्रदर्शन के बाद दंगे भड़क गए थे। पुलिस यहां सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही बरतना नहीं चाहती है। इसिलये उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भी सुरक्षा बढ़ा दी है। सोमवार को नोटिफिकेशन जारी होने से पूर्व पूरे जिले में फ्लैग मार्च निकालने के अलावा सघन तलाशी अभियान भी चलाया गया। कई जगह पुलिस ने ड्रोन का इस्तेमाल किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों समुदाय के लोगों से बातचीत की जा रही है। अमन कमेटी की अब तक 29 बैठकें हो चुकी हैं इसमें एक बैठक जिला स्तर पर हुई। जिला पुलिस उपायुक्त डॉ जॉय टिर्की ने बताया कि सीएए को लेकर लोगों में गलत-फहमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वह अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि कोई माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। हर थाने की पुलिस टीम को क्षेत्र के सभी बदमाशों व संदिग्ध लोगों की लिस्ट बनाकर उन पर नजर रखने के लिए कहा गया है। पुलिस ने आम लोगों से बिल्कुल भी न घबराने की अपील की है।

जैसलमेर के निकट तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक हल्का लड़ाकू विमान तेजस प्रशिक्षण उड़ान के दौरान मंगलवार को राजस्थान के जैसलमेर के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायुसेना ने यह जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि विमान का पायलट उससे सुरक्षित बाहर निकल गया। दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दिया गया है। वायुसेना ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''भारतीय वायुसेना का एक हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस आज एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, पायलट इससे सुरक्षित बाहर निकल गया।

खावडा और अबडासा के बाद अंजार में अतिक्रमणों पर चला बुलडोजर, तीन दरगाहों और एक मंदिर जमींदोज

कच्छ। गुजरात में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रशासन की कार्यवाही जारी है। इसके अंतर्गत कच्छ के अंजार से लेकर देवभूमि द्वारका के सलाया तक अवैध निर्माणों को तोड़ा गया है। कच्छ में जहां पिछले कई दिनों से अवैध अतिक्रमण हटाने का काम चल रहा है, वहीं आज अंजार में धार्मिक अतिक्रमण पर फिर से बुलडोजर चल गया। सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी तीन दरगाहों और एक मंदिर ढहा दिया गया। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रशासन ने अतिक्रमणों का सफाया कर दिया। दूसरी ओर देवभूमि द्वारका के सलाया बंदरगाह में पिछले कुछ दिनों से चल रहा तोड़फोड़ का काम भी आज पूरा हो गया। यहां पुराने रेलवे स्टेशन क्षेत्र में 54 अतिक्रमण हटा दिए गए हैं। जिससे लगभग 1 करोड़ की सरकारी जमीन को दबाव से मुक्त कराया गया है। गैरकानूनी निर्माणों को दूर करने के साथ ही सिस्टम का संदेश साफ है कि धर्म के नाम पर भी कोई अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंजार से हटाए गए धार्मिक अतिक्रमणों में हाजीपीर की दरगाह, नागेशापीर की दरगाह, वल्लीपीर की दरगाह और मामादेव मंदिर शामिल हैं। गौरतलब है कि इससे पहले कच्छ के अबडासा और खावड़ा में भी इसी तरह के ऑपरेशन को अंजाम दिया गया था।

59 फीसदी भारतीयों ने माना, एआई से काम आसान होगा

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर भारतीयों का नजरिया सकारात्मक है। एक नई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। करीब 59 फीसदी भारतीयों का मानना है कि एआई से काम आसान होगा और बेहतर परिणाम आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 80 प्रतिशत भारतीयों और विश्व स्तर पर 73 प्रतिशत लोगों ने जेनरेटिव एआई को इंटरनेट के उदय जितना ही योग्य होने की हिमायत की। सर्वे एआई जैसी उभरती टेक्नोलॉजी के प्रति भारत की बढ़ती सहमति और उत्साह को दर्शाता है। भारत स्थिरता, गतिशीलता, विनिर्माण और दैनिक जीवन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एआई-संचालित समाधानों के लिए उत्सुक है। सर्वे में भारत सहित सात देशों में 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोग शामिल हुए। सर्वे में शामिल होने वाले विश्व के 64 प्रतिशत लोगों ने एआई को भविष्य में सबसे प्रभावशाली तकनीक के रूप में रैंकिंग दी है। रिपोर्ट में भारतीयों के बीच आशावाद की एक मजबूत भावना का पता चला है, जिसमें 76 प्रतिशत व्यक्तिगत रूप से एआई के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप के आगामी युग के लिए तैयार महसूस करते हैं। करीब 81 प्रतिशत भारतीयों और 71 प्रतिशत विश्व के जवाबकर्ताओं का मानना है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तकनीकी प्रगति महत्वपूर्ण होगी।

चीन को भारत की दो टूक, अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था और हमेशा रहेगा

नई दिल्ली। भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर चीन की टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सख्त बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की पूर्वोत्तर राज्य की यात्रा पर चीन द्वारा आपत्ति जताना तर्कसंगत नहीं है। मोदी सरकार ने दोहराया कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि हम प्रधानमंत्री की अरुणाचल प्रदेश यात्रा के संबंध में चीनी पक्ष द्वारा की गई टिप्पणियों को खारिज करते हैं। भारतीय नेता समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश का दौरा करते हैं, जैसे वे भारत के अन्य राज्यों का दौरा करते हैं। ऐसी यात्राओं या भारत की विकासात्मक परियोजनाओं पर आपत्ति करना उचित नहीं है। दरअसल पीएम मोदी ने 9 मार्च को दुनिया की सबसे लंबी ट्विन-लेन सुरंग, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेला सुरंग का उद्घाटन करने के लिए अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया। चीन ने कहा कि उसकी सरकार ने भारत द्वारा अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी है और वह इसका दृढ़ता से विरोध करती है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने पीएम मोदी की अरुणाचल प्रदेश यात्रा के बारे में सवाल का जवाब देकर यह बयान दिया।

रमज़ान शुरू होते ही कश्मीर के बाज़ारों में उत्सव जैसा माहौल, खजूर खरीदने वालों की भारी भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुसलमानों का पवित्र महीना रमजान आज से शुरू होने के कारण कश्मीर घाटी के बाजारों में सोमवार को उत्सव जैसा माहौल रहा। पूरे कश्मीर के बाजार खचाखच भरे हुए थे क्योंकि लोग रमज़ान से संबंधित सामान खरीदते देखे गए। जम्मू-कश्मीर के ग्रैंड मुफ्ती मुफ्ती नसीरुल इस्लाम फारूकी ने घोषणा की कि आज शाम जम्मू-कश्मीर में रमजान का चांद देखा गया है। जीएनएस के अनुसार इस्लाम ने कहा 1445 ए.एच. का रमज़ान वर्धमान जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में देखा गया था और पवित्र महीना आज शाम से शुरू हो रहा है और कल उपवास के महीने का पहला दिन मनाया जाएगा।

श्रीनगर और घाटी के अन्य बाजारों में लोग इस सबसे पवित्र महीने के लिए खरीदारी में व्यस्त थे। इन बाजारों के दुकानदार अपनी बिक्री में बढ़ोतरी देखकर खुश थे। श्रीनगर के स्थानीय निवासी शौकतनाज़रि कहते हैं, 'रमजान आध्यात्मिक नवीकरण और सामुदायिक जुड़ाव का समय है।' उन्होंने कहा कि हलचल भरे बाजारों

और परिवारों को एक साथ खरीदारी करते देखना खुशी की भावना पैदा करता है। श्रीनगर में दुकानदारों ने अपनी दुकानों को विभिन्न प्रकार की खजूरों से सजाया है। शहर के केंद्र, लालचौक, श्रीनगर में अपनी दुकान रखने वाले एक दुकानदार ने कहा, 'रमजान के दौरान खजूर का विशेष महत्व होता है।' एक अन्य दुकानदार मंसूर कहते हैं, 'खजूर सिर्फ एक खाद्य पदार्थ नहीं है; वे रमजान में मिलने वाले आध्यात्मिक पोषण का प्रतीक हैं।' लालचौक के एक दुकानदार मोहम्मद इब्राहिम ने कहा, 'हम अच्छा व्यवसाय देखकर खुश हैं क्योंकि लगभग हर कोई सामान खरीद रहा है जिसमें खजूर, आटा और अन्य सामान शामिल हैं। हमें उम्मीद है कि यह प्रवाह देर शाम तक जारी रहेगा।'

कश्मीर के बाज़ारों में खजूर खरीदने वालों की भीड़ लगी हुई है। इस रमज़ान में दुकानदारों ने खजूर की आयातित किस्में प्रदर्शित कीं। रमज़ान के पहले दिन खजूर खरीदने के लिए लोगों की भारी भीड़ देखी गई क्योंकि वे रमज़ान का पहला दिन मना रहे थे। वहीं दुकानदारों से बात करने पर उनका कहना है कि इस रमजान में सऊदी अरब, ईरान और ट्यूनीसा के खजूर बिक्री के लिए रखे गए हैं. 'हमने इस रमज़ान में लोगों के लिए सऊदी, ट्यूनीसा और ईरान की तारीखें प्रदर्शित की हैं' इस बीच, स्थानीय लोगों ने कहा, लोगों को इस रमजान में माफी मांगनी चाहिए और दुनिया में शांति के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। एक स्थानीय नागरिक ने कहा, 'मैं लोगों से क्षमा मांगने और प्रार्थनाओं में दृढ़ रहने का आग्रह करता हूं।'' हमें भी इस रमज़ान में गरीबों की मदद करनी चाहिए।'

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को धमकी देने वाला युवक विशेष चतुर्वेदी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को धमकी देने वाला युवक विशेष चतुर्वेदी को पुलिस ने गिरफ्तार कर ली है। बिहार के पटना जिले के बाढ़ एनटीपीसी से विषेश चतुर्वेदी की गिरफ्तारी हुई है। आरोपी युवक दिल्ली में ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केटिंग कंपनी में जॉब करता था। फास्ट्रेशन में आकर युवक ने सोशल प्लेटफार्म पर मुख्यमंत्री को गोली मारने की धमकी दी थी। गिरफ्तार युवक ने मुख्यमंत्री से माफी मांगी है। अपने द्वारा कहे शब्दों को वापस लेने की बात कही है। फिलहाल उस युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामला बीते दिनों की है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमे मुख्यमंत्री को गोली मारने की कही गई थी। पटना पुलिस ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि, इसके पूर्व भी इस मामले में दो लोग गिरफ्तार हुए हैं।

आदिवासी संकल्प से आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन की रक्षा करेंगे : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी आदिवासी संकल्प की गारंटी के माध्यम से आदिवासियों के अधिकारों तथा उनके जल, जंगल, जमीन की रक्षा करेगी। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान आदिवासियों के लिए छह सूत्री संकल्प की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि मोदी सरकार में वन सरंक्षण पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और वन क्षेत्र को मित्र पूंजीपतियों को दिया जा रहा है।

खरगे का कहना था, हम आदिवासियों के जल जंगल जमीन की रक्षा करने की पूरी कोशिश करेंगे और इसे कानून के तहत करेंगे। खरगे ने कहा, वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित किया जाएगा, एक स्पेशल बजट रखा जाएगा और विशेष कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा वन

संरक्षण और भूमि अधिग्रहण अधिनियमों में किए गए सभी संशोधनों को कांग्रेस वापस लेगी, जिनसे आदिवासियों को बड़े पैमाने पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खरगे के अनुसार, कांग्रेस सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उन सभी बस्तियों या बस्तियों के समूहों को अनुसूचित क्षेत्रों के रूप में चिन्हित करने के लिए प्रतिबद्ध है जहां एसटी सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पंचायत प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) के अनुसार राज्यों में कानून बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि ग्राम सरकार और स्वायत्त जिला सरकार की स्थापना हो सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा लाया जाने वाला एमएसपी का अधिकार कानून, जो एमएसपी को कानूनी दर्जा देगा वह छोटे वन उपज को भी कवर करेगा।

उन्होंने दावा किया, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए बजटीय संसाधनों में संतुलित और पर्याप्त हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए 1970 के दशक के अंत मेंइंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई अनुसूचित जाति और जनजातीय उपयोजना के लिए सब प्लान योजना को 2014 में मोदी सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अनुसूचित जाति योजना और जनजातीय उप-योजना को पुनर्जीवित करने और इसे कानून द्वारा लागू करने योग्य बनाने की गारंटी देती है, जैसा कि कुछ राज्यों में कांग्रेस सरकारों ने किया है।

कांग्रेस के एक और दिग्गज नेता का चुनाव लड़ने से इंकार, वर्तमान जिम्मेदारी का हवाला दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस से एक बड़ी खबर सामने आई है। गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख और पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे भरतसिंह सोलंकी ने आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। इसके लिए उन्होंने मौजूदा जिम्मेदारियों का हवाला दिया है। बता दें कि बीते दिन कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर के लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने के ऐलान किया था। जगदीश ठाकोर के बाद अब एक और दिग्गज नेता भरतसिंह सोलंकी ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। भरत सिंह सोलंकी ने ऐलान किया है कि वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। खास बात ये है कि आज कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों का ऐलान हो सकता है। एक और लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां कवायद में जुट गई हैं। दूसरी ओर गुजरात कांग्रेस के पूर्व विधायकों के भाजपा जॉइन करने के बीच कल पूर्व अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने भी ऐलान किया था कि वे लोकसभा नहीं लड़ेंगे। इन सबके बीच अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कांग्रेस के दिग्गज नेता भरत सिंह सोलंकी ने पार्टी से लोकसभा नहीं लड़ने का अनुरोध करते हुए कहा है कि पार्टी ने उन्हें प्रचार की जिम्मेदारी दी है। पार्टी के दिग्गज नेता भरत सिंह सोलंकी ने एक्स पर लिखा कि 'कांग्रेस पार्टी ने दशकों से मुझे और मेरे परिवार को बहुत कुछ दिया है। एआईसीसी जम्मू-कश्मीर के प्रभारी के रूप में मेरी वर्तमान जिम्मेदारी के मद्देनजर और गुजरात में पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से प्रचार करने में सक्षम होने के लिए, मैं विनम्रतापूर्वक हाईकमान को यह चुनाव नहीं लड़ने की अपनी इच्छा से अवगत कराता हूं। हालाँकि, कांग्रेस का आजीवन सिपाही होने के नाते, केंद्रीय नेतृत्व जो भी निर्णय लेगा, मैं उसे स्वीकार करूंगा और उसका पालन करूंगा।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मॉरीशस में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

पोर्ट लुइस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ऐतिहासिक दांडी मार्च की वर्षगांठ पर मंगलवार को यहां मॉरीशस में महात्मा गांधी संस्थान जाकर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि तीन दिवसीय राजकीय दौरे पर पहुंचीं 65 वर्षीय मुर्मू ने मॉरीशस के मोका में स्थित महात्मा गांधी संस्थान में आयोजित एक नागरिक अभिनंदन में राष्ट्रपिता के सार्वभौमिक सिद्धांतों को याद किया। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस मौके पर आयोजित नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने मॉरीशस में अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और भावी पीढ़ियों तक प्रसारित करने के लिए भारतीय प्रवासियों को धन्यवाद दिया। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं मुर्मू ने मंगलवार को महात्मा गांधी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी भी की। विदेश मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा, महात्मा गांधी के ऐतिहासिकदांडी मार्च की शुरुआत वाले दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मॉरीशस के प्रतिष्ठित महात्मा गांधी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की संक्षिप्त सवारी भी की। पोस्ट के मुताबिक, मॉरीशस मेट्रो भारत समर्थित एक प्रमुख परियोजना है, जिसका मॉरीशस के लोगों के जीवन पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में मॉरिशस के प्रधानमंत्री के साथ संयुक्त रूप से मेट्रो सेवा और अस्पताल का उद्घाटन किया था। नमक सत्याग्रह जिसे 1930 के दांडी मार्च के नाम से भी जाना जाता है, का भारत के आजादी के आंदोलन में प्रमुख स्थान है।

केंद्र केरल को 31 मार्च तक एकमुश्त पैकेज देने पर विचार करे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह वित्तीय समस्याओं से निपटने के लिए केरल सरकार को 31 मार्च तक एकमुश्त पैकेज देने पर विचार करे। केरल सरकार के वकील कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ अपने लंबित मुकदमे का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार राज्य को जरूरी राशि नहीं जारी कर रही है। पीठ ने राज्य सरकार की याचिका बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताते हुए कहा कि केंद्र थोड़ा उदार रुख अपनाते हुए केरल को विशेष मामले के रूप में एकमुश्त पैकेज दे सकता है। पीठ ने कहा कि आने वाले बजट में अधिक कठोर शर्तें रखी जा सकती हैं लेकिन 31 मार्च से पहले राज्य को एक विशेष पैकेज दिया जाना चाहिए ताकि वह वित्तीय समस्याओं से निपट सके। इस पर केंद्र की ओर से पेश

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमण ने कहा कि ऑफसेटिंग बैलेंस का केरल के वित्त पर असर पड़ रहा है और राज्य ने राजकोषीय सशक्तीकरण को दो बार टाल दिया है। ऑफसेटिंग बैलेंस वह न्यूनतम राशि होती है जिसे ऋण देने की एक शर्त के रूप में उधारकर्ता को जमा रखने की जरूरत होती है। केरल सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर केंद्र सरकार पर कर्ज लेने की सीमा लगाकर राज्य के वित्त को विनियमित करने के लिए अपनी 'विशेष, स्वायत्त और पूर्ण शक्तियों' के प्रयोग में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया है।

जानबूझकर लोकसभा चुनाव से ठीक पहले लागू किया गया सीएए: जयराम रमेश

सीएए को लेकर मोदी सरकार पर भड़के विरोधी नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने सोमवार देर शाम को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), 2019 को लागू करने से जुड़े नियमों को अधिसूचित किया है, सीएए के लागू होते ही पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से दस्तावेज के बिना आने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने का रास्ता साफ हो गया है। सीएए को लेकर नोटिफिकेशन जारी होने पर कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने सीएए को लागू करने के समय पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पोस्ट किया, दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करने में मोदी सरकार को चार साल और तीन महीने लग गए। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि उनकी सरकार बिल्कुल प्रोफेशनल ढंग से और समयबद्ध तरीके से काम करती है। उन्होंने लिखा, सीएए के नियमों को अधिसूचित करने में लिया गया इतना समय पीएम मोदी के सफेद झूठ की एक और झलक है। नियमों की

अधिसूचना के लिए नौ बार एक्सटेंशन मांगने के बाद घोषणा करने के लिए जानबूझकर लोकसभा चुनाव से ठीक पहले का समय चुना गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा, ऐसा स्पष्ट रूप से चुनाव को ध्रुवीकृत करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से असम और बंगाल में इसका खास असर दिखाई देगा। यह इलेक्टोरल बांड घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार और सख्ती के बाद हेडलाइन को संतुलित करने का प्रयास भी प्रतीत होता है। वहीं सीएए पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि सीएए से अगर किसी नागरिकता रद्द हुई तब उस बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा दक्षिण के राज्य तमिलनाडु के तमिल अभिनेता और तमिलागा वेट्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख थलपति विजय ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 लागू करने के बाद मोदी सरकार पर हमला बोला। 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से बिना दस्तावेज वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों के लिए तेजी से नागरिकता प्रदान करने के लिए संसद द्वारा विवादास्पद कानून पारित किए जाने के 4 साल बाद केंद्र ने नियमों को अधिसूचित करके सीएए लागू किया। विजय ने कहा कि सीएए को लागू करना स्वीकार्य नहीं है। उस माहौल में जहां देश के सभी नागरिक सामाजिक सद्भाव के साथ रहते हैं, भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 (सीएए) जैसे किसी भी कानून को लागू करना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने तमिलनाडु सरकार से यह सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया कि कानून तमिलनाडु में लागू न हो।

दस लाख से अधिक वन्यजीव प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदलते हालात में ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीन हाउस गैसों से बढ़ती चुनौतियों की वजह से पक्षियों का संरक्षण बेहद मुश्किल होता जा रहा है। तरह-तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। वन्यजीवों को विलुप्त होने या शिकार से बचाने के लिए भारत में 1873 में वन्यजीव संरक्षण कानून बनाए गए थे, लेकिन उनसे भी वन्यजीवों, खासकर पक्षियों को शिकार से बचाने में मदद नहीं मिल पाती थी। जब देश आजाद हुआ तो 1952 में वन्यजीव बोर्ड की स्थापना की गई। फिर उसका पुनर्गठन 1991 में किया गया। बोर्ड के गठन के बाद वन्यजीवों के संरक्षण की कोशिशें तेज हुईं, फिर भी जीव-जंतुओं की तस्करी और शिकार पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई। नतीजा ये रहा कि पिछली एक शताब्दी में तस्करी, शिकार और पारिस्थिकी-तंत्र के असंतुलन की वजह से अनेक दुर्लभ पक्षी भी धरती से हमेशा के लिए गायब हो गए। इसमें डोडो, कैरोलिना, तोता, यात्री कबूतर, हंसता हुआ उल्लू, लैब्राडोर बतख और दूसरे कई दुर्लभ पक्षी शामिल हैं। इस समय दस लाख से अधिक वन्यजीव प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। वर्तमान में पक्षियों की तकरीबन दस हजार जीवित प्रजातियां हैं, जिनमें से एक हजार चार सौ अस्सी विलुप्त होने को हैं और दो सौ तेईस गंभीर स्थिति में हैं। 'स्टेट आफ इंडियाज बर्ड्स' के मुताबिक कुछ 'रैप्टर' और बतखों की तादाद में सबसे ज्यादा कमी देखने को मिली है। इसी तरह भारतीय गौरैया और कठफोड़वा खत्म होने के कगार पर बताए जा रहे हैं। यों तो वन्य जीव-जंतुओं के विलुप्त होने का खतरा लंबे समय से मंडराता रहा है, लेकिन पिछली एक शताब्दी में विज्ञान के विकास के साथ वन्यजीवों पर खतरा बहुत तेजी से बढ़ा है।

इसमें राष्ट्रीय स्तर के वन्य अभ्यारण्यों और उद्यानों के निर्धारित क्षेत्रफल को बढ़ाना और पक्षियों के संरक्षण के लिए बजट में और अधिक व्यय का प्रावधान, अवैध शिकार, सुरक्षा क्षेत्र को और बेहतर करना, दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण पर और ध्यान देना, पर्यावरण को पक्षियों के अनुकूल बनाना, विकास की अंधी दौड़ में पक्षी उद्यानों के आसपास की रिहायशी बस्ती को हटाना या दूसरे स्थानों पर उद्यानों को स्थानांतरित करना, जल, भोजन और अन्य वातावरणीय समस्याओं को खत्म करके पक्षियों के वास के अनुकूल बनाना और शिकारियों को कठोर दंड देने के लिए मुफीद कानून बनाने से लेकर पक्षियों के प्रति लोगों में प्यार बढ़ाने जैसे कदम शामिल किए जाने चाहिए। पक्षियों को बचाने की चुनौती जानवरों से ज्यादा है।

दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण के लिए विश्व स्तर पर वन्यजीवों की दुर्लभ प्रजातियों का अंतरराष्ट्रीय व्यापार समवाय भी बनाया गया है,

जिसका कार्य संकटापन्न प्रजातियों के अवैध अंतरराष्ट्रीय व्यापार को रोकना है। भारत भी इसका सदस्य है। भारत ने इस बाबत अनेक जीव-जंतुओं की तस्करी पर रोक लगाने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाए हैं, लेकिन वे नाकाफी रहे हैं, क्योंकि पक्षियों और दूसरे वन्यजीवों की घटती संख्या और लुप्त होती पक्षी प्रजातियों के संरक्षण को मुकम्मल नहीं किया जा सका है। ऐसे में सवाल उठता है कि पक्षियों की घटती संख्या को कैसे रोका जा सकता है? क्या संरक्षण वाली परियोजनाओं को और सुधारने की

अमेरिकी गायिका ने फिर की पीएम मोदी की तारीफ

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुरीद अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने एक बार फिर पीएम मोदी की तारीफ की है। इस बार उन्होंने सीएए लागू करने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि ये लोकतंत्र का सच्चा कार्य है। मिलबेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके दयालु नेतृत्व के लिए धन्यवाद देते हुए सीएए लागू करने पर सराहना करते हुए इसे लोकतंत्र का सच्चा कार्य और शांति का मार्ग बताया। केंद्र सरकार ने संसद में पारित होने के पांच साल बाद नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को सोमवार को अधिसूचित किया, जिससे लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इसे लागू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया। मिलबेन ने अपने एक्स पर लिखा कि यह शांति की ओर एक मार्ग है। यह लोकतंत्र का सच्चा कार्य है। वह अतीत में पीएम मोदी की भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ नेता के रूप में प्रशंसा कर चुकी हैं। एक ईसाई, आस्थावान महिला और धार्मिक स्वतंत्रता की वैश्विक समर्थक के रूप में उन्होंने पीएम मोदी की सराहना की।पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से सीएए लागू करने की घोषणा का मकसद पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों, ईसाई, हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और पारसियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है।पुरस्कार विजेता गायिका ने अपने पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और भारत सरकार को आपके दयालु नेतृत्व के लिए और सबसे महत्वपूर्ण रूप से सताए गए लोगों का स्वागत करने में धार्मिक स्वतंत्रता को बरकरार रखने के लिए धन्यवाद।मिलबेन 15 अगस्त, 2022 को भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में अमेरिका के लिए आमंत्रित सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस?तुति देने वाली पहली अमेरिकी कलाकार हैं।भारत के स्वतंत्रता दिवस की 74वीं वर्षगांठ के लिए 2020 में वर्चुअली प्रस्तुत राष्ट्रगान और 2020 की दिवाली के लिए भजन ओम जय जगदीश हरे की उनकी प्रस्तुति को अमेरिका, भारत और दुनिया भर में लाखों लोगों ने सराहा और देखा है।

विवादों से घिरी राजकुमारी केट मिडलटन की तस्वीर,कई प्लेटफॉर्म ने हटाई

लंदन। ब्रिटेन की राजकुमारी केट मिडलटन की एक तस्वीर विवादों से घिर गई। पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी इस तस्वीर के बारे में कहा जा रहा है कि यह तस्वीर एडिट करके पेश की गई है। विवाद इतना बढ़ा कि कई न्यूज एजेंसियों को यह फोटो अपने प्लेट फॉर्म से हटाना पड़े हैं। कहा जा रहा है कि ये तस्वीर एडिट की गई है। ब्रिटेन में मदर्स डे के मौके पर केंसिंग्टन पैलेस ने रविवार को यह तस्वीर जारी की है। इस तस्वीर में वेल्स की राजकुमारी बगीचे की कुर्सी पर बैठी दिखाई दे रही है। फोटो में उनके साथ उनके तीन बच्चे जॉर्ज, चार्लोट और लुइस हैं। फोटो में राजकुमारी चार्लोट की तस्वीर एडिट करने की बात कही गई है। कहा जा रहा है कि उनके हाथ में सगाई की अंगूठी नहीं है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। पैलेस की ओर से इस फोटो के बारे में कहा गया है कि कि इसे उनके पति प्रिंस विलियम ने खींचा है। फोटो के साथ एक संदेश में उन्होंने लिखा, पिछले दो महीनों में आपकी शुभकामनाओं और निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद। सभी को मदर डे की शुभकामनाएं। फोटो को एडिट किए जाने की बात सामने आने के बाद तीन समाचार एजेंसियों ने इस पर चिंता जताते हुए तस्वीर वापस ले ली। तस्वीर के बारे में कहा जा रहा है कि राजकुमारी चार्लोट का बायां हाथ उनके कार्डिगन की आस्तीन के साथ गलत तरीके से जुड़ हुआ पाया गया, जिससे फोटो की प्रामाणिकता पर संदेह पैदा हो गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, केंसिंग्टन पैलेस ने समाचार एजेंसियों के तस्वीर वापस लेने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वहीं सोशल मीडिया पर इसको लेकर कई यूजर्स ने अपनी बात रखी है। सोशल यूजर्स ने शाही परिवार पर राजकुमारी की एआई-जनरेटेड छवि साझा करने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन के शाही परिवार ने करीब दो महीने पहले घोषणा की थी कि वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन एक सर्जरी की वजह से मार्च तक अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों को स्थगित कर रही हैं। इसके बाद के केट सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखीं। सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके स्वास्थ्य से जुड़ी गोपनीयता को भी संदिग्ध बताया था।

50 सालों से सिर्फ कोका कोला पीकर जिंदा है ये शख्स

ब्राजीलिया। ब्राजील के एक व्यक्ति का दावा है कि वह पिछले 50 सालों से सिर्फ कोका कोला पीकर जिंदा है, उसने पानी की 1 बूंद भी नहीं पी है। पर क्या ये वाकई मुमकिन है, या फिर वो सिर्फ झूठ बोल रहा है? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्राजील के बाहिया में रहने वाले 70 साल के रॉबर्ट पेड्रिरा को अगर दुनिया में कोका कोला का सबसे बड़ा फैन कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। रॉबर्ट का कहना है कि वो पिछले 50 सालों से सिर्फ कोका कोला पी रहे हैं। उन्होंने सिर्फ पानी की एक बूंद ही पी होगी। बाकि खुद को हाइड्रेट रखने के लिए वो कोका कोला का ही सेवन करते हैं। उन्हें मधुमेह और दिल की बीमारी भी है, इसके बावजूद वो कोका कोला पीते हैं। कुछ सालों पहले रॉबर्ट जब कोविड की वजह से अस्पताल में भर्ती हुए थे, तब उन्होंने अपने अस्पताल के केयर चार्ट में ये साफ लिख दिया था कि वो दवाओं को पानी से नहीं, बल्कि कोका कोला से पिएंगे। सोशल मीडिया पर उनका ये चार्ट वायरल हुआ था। तब लोगों को लगा था कि वो झूठ बोल रहे हैं, मगर उनके 27 साल के पोते ने बताया था कि उसे जितना याद है, उसने अपने दादा को कभी कोका कोला के अलावा कुछ और पीते हुए नहीं देखा। जी1 ग्लोबो से हाल ही में बात करते हुए रॉबर्टो ने बताया कि उन्हें कई बीमारियां हैं, फिर भी वो कोक ही पीते हैं। उन्हें लगता है कि अगर कोक पीना इतना बुरा होता, तो उनकी अब तक मौत हो चुकी होती। पर वो जिंदा हैं। 50 सालों से उन्होंने पानी नहीं पिया है। उन्होंने डॉक्टरों से भी ये बात बोली कि उन्हें पानी पीना पसंद ही नहीं है। शख्स आइसक्रीम भी खाता है, तो उसके साथ कोक ही पीता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उसके दिल में 6 स्टेंट पड़े हैं। उसे हार्ट अटैक भी आ चुका है। पर वो किसी की बात नहीं सुनता। शख्स ने कहा कि वो 70 साल का हो चुका है, अपनी जिंदगी जी चुका है, अब वो मरेगा भी तो कोई फर्क नहीं पड़ता, पर वो पानी नहीं पिएगा। बता दें कि इंसान के लिए पानी पीना कितना जरूरी है, ये तो हमें आपको बताने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि ये तो सभी जानते होंगे कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है।

जमैका में हेती को लेकर हुई एक आपात बैठक में अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लींकन, ग्याना के राष्ट्रपति इरफान अली और जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस।

भारत के दिव्यास्त्र ने चीन की उड़ाई नींद, समुद्र में छोड़ा जासूस

नई दिल्ली। भारत ने 5,000 किलोमीटर की दूरी वाली इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सोमवार को पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। यह मिसाइल लगभग पूरे चीन को निशाना बनाने में सक्षम मानी जाती है और ऐसा प्रतीत होता है कि इसने चीन की नींद उड़ा दी है। शायद यही वजह है कि अग्नि-5 मिसाइल की इस टेस्ट फ्लाइट पर संभवत- नजर रखने के लिए उसने भारतीय समुद्र तट के पास अपना जासूसी जहाज तैनात कर रखा था। बीजिंग इसे अनुसंधान पोत बताता है, हालांकि दुनियाभर के विशेषज्ञों के मानना है कि चीन इनका इस्तेमाल दूसरे देशों की हलचल पर नजर रखने के लिए करता है। यह चीनी पोत पहले मालदीव के तट पर लंगर डाले हुए था, हालांकि पिछले हफ्ते ही वह वहां से रवाना हो गया था। इसके बाद उसे भारतीय समुद्री सीमा से थोड़ा बाहर इंटरनेशनल वॉटर्स में मंडराते देख गया था। विशेषज्ञों का अनुमान है कि चीन ने यह पोत ओडिशा तट के पास स्थित डॉ. एपीजी अब्दुल कलाम तट से होने वाले मिसाइल परीक्षण की जासूसी के तैनात किया था। भारत ने 7 मार्च को ही अपने पड़ोसियों को इस मिसाइल टेस्ट के बारे में अलर्ट करते हुए बंगाल की खाड़ी और 3,550 किलोमीटर तक फैले हिंद महासागर क्षेत्र पर एक नोटिस टू एयर मिशन जारी किया था। हर मिसाइल या रॉकेट परीक्षण से पहले यह नोटिस जारी करना अनिवार्य होता है। संभावना है कि चीन के इस जासूस जहाज ने पूरे मिसाइल परीक्षण को देखा होगा और इसकी सीमा और क्षमता के आंकड़ों की गणना की होगी। हालांकि चीन का कहना है कि ये जहाज केवल अनुसंधान उद्देश्यों के लिए हैं, भारत के साथ-साथ कुछ पश्चिमी देशों को भी लगता है कि चीनी वैज्ञानिक अनुसंधान जहाजों का बेड़ा विशेष रूप से सैन्य उद्देश्यों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों की नौसैनिक संपत्तियों से जुड़े संवेदनशील डेटा एकत्र कर रहा है।

मुर्मू ने मॉरीशस के राष्ट्रपति रूपन को 'रुपे कार्ड' उपहार में दिया

पोर्ट लुइस (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को मॉरीशस के अपने समकक्ष पृथ्वीराज सिंह रूपन से मुलाकात की और भारत तथा मॉरीशस के बीच दीर्घकालिक और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर व्यापक चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू ने रूपन को एक 'रूपे' कार्ड उपहार में दिया, जिसे हाल में मॉरीशस में शुरू किया गया है। मुर्मू दिन में तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर यहां पहुंचीं। इस दौरान वह मंगलवार को देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक हैंडल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रेसिडेंशियल स्टेट हाउस में राष्ट्रपति रूपन के साथ गर्मजोशी से और सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। 'एक्स' पोस्ट में मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा गया है, 'दोनों नेताओं ने क्षमता निर्माण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं में सहयोग सहित अनूठे और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।' पोस्ट के मुताबिक, मुर्मू ने आयुर्वेदिक उद्यान की भी सराहना की जो पिछले साल स्टेट हाउस के मैदान में स्थापित किया गया था।'एक्स' पर सिलसिलेवार ढंग से की गयी पोस्ट में विदेश मंत्रालय ने कहा कि द्विपक्षीय वार्ता से पहले रूपन ने स्टेट हाउस में मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया।

पोस्ट में मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा गया है, ' दोनों नेताओं ने भारत और मॉरीशस के बीच रिश्तेदारी, संस्कृति और लोगों के बीच मजबूत संबंधों की ठोस नींव पर बने दीर्घकालिक और करीबी संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।' चौसठ वर्षीय रूपन का जन्म एक आर्य समाज परिवार में हुआ है। मुर्मू ने आयुर्वेदिक उद्यान का भी दौरा किया, जिसे पिछले साल आयुष मंत्रालय के सहयोग से प्रेसिडेंशियल स्टेट हाउस में स्थापित किया गया था। विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति मुर्मू के आयुर्वेदिक उद्यान दौरे की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए रेखांकित किया, 'पारंपरिक चिकित्सा दोनों देशों के बीच साझेदारी का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।' विदेश मंत्रालय ने पहले बताया था कि प्रधानमंत्री कुमार जगन्नाथ ने हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति मुर्मू का पूरे राजकीय सम्मान के साथ स्वागत किया, जो दोनों देशों के बीच करीबी संबंधों को दर्शाता है। राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान दो युद्धपोतों- आईएनएस तीर और सीजीएस सारथी- के साथ भारतीय नौसेना की एक टुकड़ी भी इस समारोह में हिस्सा लेगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि था राष्ट्रपति मुर्मू अपने मॉरीशस समकक्ष पृथ्वीराजसिंह रूपन और प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ द्विपक्षीय बैठक करने के अलावा मॉरीशस नेशनल असेंबली के अध्यक्ष, वहां के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश और देश के कई महत्वपूर्ण नेताओं से भी मुलाकात करेंगी। मंत्रालय ने कहा मुर्मू और जगन्नाथ भारत की सहायता वाली 14 परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे, जो मॉरीशस के साथ भारत की जीवंत विकास साझेदारी के विस्तार और बहुआयामी

प्रकृति को प्रदर्शित करेंगे और यह द्विपक्षीय संबंधों का एक 'प्रमुख स्तंभ' है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 'मुर्मू, वर्ष 2000 के बाद से मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने वालीं छठीं भारतीय राष्ट्रपति हैं। राष्ट्रपति का यह दौरा भारत और मॉरीशस के बीच दीर्घकालिक व स्थायी संबंधों को रेखांकित करता है।'

लंबे समय से था इंतजार, अमेरिका में हिंदुओं के संगठन ने सीएए लागू होने पर जताई खुशी

वाशिंगटन (एजेंसी)। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) नियमों की अधिसूचना के साथ लागू हो गया है। सीएए पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के गैर-मुस्लिम शरणार्थियों के लिए नागरिकता का मार्ग प्रशस्त करता है, जिन्होंने धार्मिक उत्पीड़न का सामना किया और 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश किया। भारतीय-अमेरिकियों ने सीएए को लागू करने के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) जैसे हिंदू अमेरिकी समूहों ने सीएए का स्वागत करते हुए इसे लंबे समय से लंबित बताया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि भारत का सीएए संयुक्त राज्य अमेरिका में धार्मिक शरणार्थियों के लिए लॉटिनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी ने कहा कि भारत का नागरिकता संशोधन अधिनियम लंबे समय से लंबित और आवश्यक है। यह भारत में सबसे कमजोर शरणार्थियों में से कुछ की रक्षा करता है, उन्हें वे मानवाधिकार प्रदान करता है जिनसे उन्हें अपने देश में वंचित किया गया था और उन्हें अपने जीवन का पुनर्निर्माण शुरू करने के लिए आवश्यक नागरिकता का स्पष्ट और त्वरित मार्ग प्रदान करता है।

एचएएफ ने कहा कि सीएए भारतीय नागरिकों के अधिकारों को संशोधित नहीं करता है या सामान्य आप्रवासन के लिए कोई धार्मिक मानदंड लागू नहीं करता है, न ही यह मुसलमानों को भारत में प्रवास करने से रोकता है। शुक्ला ने कहा कि सीएए 1990 से अमेरिका में लंबे समय से स्थापित लॉटिनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है, जिसने उन चुनिंदा देशों के समूह से भागने वाले व्यक्तियों के लिए एक स्पष्ट आव्रजन मार्ग प्रदान किया है जहां धार्मिक उत्पीड़न व्याप्त है। हालाँकि, भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद (आईएएमसी) ने सीएए की कड़ी आलोचना की है।

गृह युद्ध में दुनिया का सबसे खतरनाक शहर! प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने दिया इस्तीफा

हैती में चार हजार कैदियों ने पूरे शहर में आतंक मचा दिया है। हैती की सरकार बेबस नजर आ रही है और पुलिस भी डरी हुई है। सशस्त्र गिरोह देश की राजधानी पर कब्जा कर चुके हैं। वे राष्ट्रपति भवन समेत कई सरकारी इमारतों को निशाना बना रहे हैं। सड़कों पर गोलियां चल रही है। कैरेबियाई राष्ट्र में दबाव और अराजकता के बीच हैती के प्रधान मंत्री एरियल हेनरी ने इस्तीफा दे दिया है। वह देश के अंतिम राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज़ की हत्या के बाद 2021 में प्रधान मंत्री बने। कैरेबियाई समुदाय के अध्यक्ष ने सोमवार को कहा कि हेनरी ने कैरेबियाई राष्ट्र के सरकार प्रमुख के पद से अपना इस्तीफा जारी कर दिया है। कैरेबियाई समुदाय के अध्यक्ष इरफान अली ने हैती की सेवा के लिए हेनरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम एक संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद की स्थापना और एक अंतरिम प्रधानमंत्री के नामकरण पर उनके इस्तीफे को स्वीकार करते हैं। हेनरी ने सशस्त्र गिरोहों से लड़ने में पुलिस की मदद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मिशन का नेतृत्व हासिल करने के लिए पिछले महीने के अंत में केन्या की यात्रा की। लेकिन उनकी अनुपस्थिति के दौरान राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में हिंसा में भारी वृद्धि के कारण वह अमेरिकी क्षेत्र में फंस गए। हेनरी का इस्तीफा तब आया है जब क्षेत्रीय नेताओं ने सोमवार को पास के जमैका में राजनीतिक परिवर्तन की रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की थी, जिसे अमेरिका ने पिछले सप्ताह तेजी से करने का आग्रह किया था, जबकि गिरोह ने हेनरी को पद छोड़ने के लिए कहा था।

यूक्रेन की सेना में 30 फ़ीसदी बढी महिला सैनिकों की संख्या

- यूक्रेन की महिलाओं में राष्ट्र को लेकर गजब का जज्बा

यूक्रेन (एजेंसी)। फरवरी 2022 से यूक्रेन और रूस के बीच में युद्ध चल रहा है। लगातार 2 साल से चल रहे,इस युद्ध में यूक्रेन की महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग ले रही हैं। यूक्रेन की सेना में पिछले 2 साल में 30 फ़ीसदी महिला सैनिकों की संख्या बढ़ी है। महिलाएं स्वयं अपनी इच्छा से सेना में भर्ती होने के लिए आगे आती हैं।

पेशे से वकील, डॉक्टर, नर्स, और अन्य कार्यों में पारंगत महिलायें सेना में बडी संख्या में भर्ती हुई हैं। रूस के भीषण हमलों के सामने भी उनके जज्बे में कोई कमी नहीं आई। सीधी लड़ाई में महिलाएं पूरी शिद्दत के साथ, कुशल सैनिकों की तरह लड़ाई लड़ रही हैं। रूसी ठिकानों पर मोर्टर से फायर करती हैं। रुसी सेना के गोले लगातार बरस रहे हैं। इसके बाद भी बिना डरे वह रूस की सेना का मुकाबला कर रही हैं। घने जंगल और एकांत में ड्यूटी करने से भी उन्हें कोई परहेज नहीं है। विषम परिस्थितियों में वह अपनी ड्यूटी कर रही हैं। देश प्रेम की भावना इतनी जबरदस्त है। यूक्रेन की सेना में महिलाओं से भेदभाव और असमानता होने के बाद भी रूसी महिला सैनिक, बड़ी शिद्दत के साथ लड़ाई लड़ रही हैं। जिसके कारण यूक्रेन युद्ध के मैदान में डटा हुआ है। यूक्रेन का मुकाबला रूस नहीं कर पा रहा है। हालांकि इस बात की भी शिकायतें मिलती हैं, कि यूक्रेन के सैनिक अपनी महिला सैनिकों के साथ यौन दुर्व्यवहार और यौन संबंध भी बनाते हैं। लैंगिक असमानता भी उनके बीच देखने को मिलती है। लेकिन देश प्रेम को लेकर रूसी महिला सैनिक इस विषम परिस्थिति में भी युद्ध के मैदान में डटी हुई हैं। जिसके कारण सारी दुनिया की सेना में यूक्रेन की महिला सैनिकों की तारीफ हो रही है।

यूएस-कनाडा में रहने वाले हिंदुओं ने किया सीएए लागू होने का स्वागत

टोरंटो (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने 'नागरिकता संशोधन कानून' को लागू कर दिया है। इसके बाद से पूरे देश में इस पर चर्चा हो रही है। वहीं, यूएस, यूके और कनाडा के हिंदू संगठनों ने भी केंद्र के इस कदम को मानवाधिकार के मोर्चे पर बड़ी जीत बताया है।

बता दें कि नागरिकता संशोधन कानून 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए अहम एजेंडा था। इस कानून के अनुसार, हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी को भारत की नागरिकता दिए जाने का प्रावधान है, जो धर्म के आधार पर सताए जाने के बाद 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आ गए। कानून के मुताबिक, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर सताए गए लोगों को भारत की नागरिकता दिए जाने का प्रावधान है। कनाडा के हिंदू फोरम ने अपने बयान में कहा, 'पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर सताए जाने के बाद भारत में शरण लेने वाले हिंदुओं को भारत की नागरिता दिलाने के लिए मार्ग प्रशस्त करना केंद्र की मोदी सरकार का सराहनीय कदम है। मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा और विभिन्न अन्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, भारत का दायित्व है कि वह सताए गए व्यक्तियों को उनके धर्म की परवाह किए बिना शरण प्रदान करे।'

वहीं, केंद्र के कदम के बाद वैश्विक मोर्चे पर सक्रिय हिंदू संगठनों ने विश्वास जताया कि आगामी दिनों में भारतीय नागरिकों के बीच इससे भाईचारा बढ़ेगा। अमेरिका स्थित कोलिशन ऑफ हिंदूस ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने केंद्र की मोदी सरकार के इस कदम को मानवाधिकार के मोर्चे पर बड़ी जीत बताया। वहीं, बयान में आगे कहा गया है कि सीएए के लागू होने से मौजूदा नागरिकों की नागरिकता पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आएगी। चाहे वो किसी-भी धर्म संप्रदाय या पंथ के क्यों ना हों।

हिंदू संगठनों ने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान में प्रतिवर्ष अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अनेकों लड़कियों का अपहरण कर उनका धर्मांतरण कराया जाता है, जिसके बाद उनकी शादी अपहरणकर्ताओं से पुलिस और न्यायपालिका की मदद से कराई जाती है। कई बार पीड़िताओं की ओर से इंसाफ की गुहार लगाई जाती है, लेकिन अफसोस हर बार उन्हें अनसुना कर दिया जाता है। वहीं, बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान से कई डरे हुए परिवार भारत में आए, ताकि अपने परिवार की जान बचा सकें और बच्चों को स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा सकें। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा कि यह कानून लंबे समय से प्रतीक्षित और आवश्यक था। यह भारत में कुछ सबसे कमजोर शरणार्थियों की रक्षा करता है, उन्हें वे मानवाधिकार प्रदान करता है, जिनसे उन्हें अपने देश में वंचित किया गया था। उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे यह देखकर गर्व है कि दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र - अमेरिका और भारत - उन लोगों के लिए स्वतंत्रता और नए जीवन का मार्ग प्रशस्त कर आशा की किरण बन रहे हैं, जिन्होंने घोर मानवाधिकार उल्लंघनों का सामना किया है।' वहीं, लंदन के एक हिंदू अधिवक्ता ने कहा, 'यह धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है, जो इसके धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने का अभिन्न अंग है।'

पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे कभी बंद नहीं किए, एलएसी पर ज्यादा सैनिक दोनों के हित में नहीं, सीमा विवाद पर जयशंकर के बयान से दोनों देशों की हो जाएगी बोलती बंद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और चीन के बीच जारी तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस स्थिति से किसी भी देश को कोई फायदा नहीं हुआ है। एक पैनल चर्चा में बोलते हुए जयशंकर ने तनावपूर्ण भारत-चीन संबंधों और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बलों को कम करने और मौजूदा समझौतों को बनाए रखने की आवश्यकता को संबोधित किया। मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हमारे पास इतनी सारी ताकतें नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि हमें उन समझौतों का पालन करना चाहिए जिन पर हमने हस्ताक्षर किए हैं। मेरा मानना है कि यह है जयशंकर ने कहा, 'सिर्फ आम हित में नहीं, मेरा मानना है कि यह चीन के हित में भी है। पिछले चार वर्षों से हमने जो तनाव देखा है, उससे हम दोनों को कोई फायदा नहीं हुआ है।

विदेश मंत्री ने सीमा विवाद के निष्पक्ष और तर्कसंगत समाधान की तलाश के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो पहले से हस्ताक्षरित समझौतों का सम्मान करता है और यथास्थिति को बदलने का प्रयास किए बिना एलएसी को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि जितनी जल्दी हम इसे सुलझा लेंगे, मैं वास्तव में मानता हूं कि यह हम दोनों के लिए अच्छा है। मैं अभी भी निष्पक्ष, उचित परिणाम खोजने के लिए प्रतिबद्ध हूं। लेकिन जो समझौतों का सम्मान करता है वह वास्तविक नियंत्रण रेखा को मान्यता देता है और इसकी मांग नहीं करता है। यथास्थिति को बदलने के लिए। मुझे लगता है कि यह हम दोनों के लिए अच्छा होगा।

जून 2020 में गलवान घाटी में झड़प के बाद पूर्वी लद्दाख में कुछ घर्षण बिंदुओं पर भारत और चीन के बीच लगभग चार साल से चल रहे विवाद के बीच यह टिप्पणी आई है। भारत और चीन ने गतिरोध को हल करने के लिए राजनयिक और उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता के कई दौर में भाग लिया है, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली है। दोनों पक्ष ज़मीन पर 'शांति और शांति' बनाए रखने पर सहमत हुए हैं।

शमी टी20 विश्वकप से बाहर हुए : जय शाह

ऋषभ के खेलने की संभावनाएं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। शमी को इसलिए शामिल नहीं किया गया है क्योंकि हाल में उनकी सर्जरी हुई है। ऐसे में उनके टी20 विश्वकप तक फिट होने की संभावनाएं नहीं हैं। शमी का बाहर होना भारतीय टीम के लिए एक करारा झटका है क्योंकि पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। मोहम्मद शमी की फरवरी में एड़ी की सर्जरी हुई है। वे अभी इससे उबर रहे हैं। ऐसे में उनके जून-जुलाई तक फिट होने की संभावनाएं नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के टी20 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बन रही हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शमी की फिटनेस को लेकर कहा। शाह ने कहा, 'शमी की सर्जरी हुई है। वह लंदन में सर्जरी कराने के बाद स्वदेश लौट आए हैं।' उन्होंने कहा कि शमी की वापसी बांग्लादेश के साथ होने वाली घरेलू सीरीज में हो सकती है। भारतीय टीम को बांग्लादेश के साथ सितंबर में 2 टेस्ट मैच और 3 टी20 मैच खेलने हैं। शमी ने भारत के लिए अपना अंतिम मैच पिछले साल 19 नवंबर को खेला था जो वर्ल्ड कप फाइनल था। इसके बाद से ही शमी भारतीय टीम से बाहर हैं। वहीं शाह ने ऋषभ को लेकर कहा कि वह तेजी से फिट हो रहे हैं। साथ ही कहा कि वह अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें शीघ्र ही फिट घोषित किया जा सकता है।

जायसवाल, एनाबेल सदरलैंड को फरवरी के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया

दुबई।

भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को फरवरी 2024 के लिए आईसीसी पुरुष खिलाड़ी ऑफ द मंथ का पुरस्कार दिया गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। यशस्वी जायसवाल ने पिछले महीने बल्ले से खूब धूम मचाई। इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट की पहली पारी में दोहरे शतक (209) के साथ जायसवाल अपने प्रदर्शन के शीर्ष पर थे और फिर तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी (214) में श्रृंखला का अपना दूसरा दोहरा शतक लगाया। जायसवाल ने अपने पहले तीन टेस्ट मैचों में 560 रन बनाए, जिसमें 20 सिक्स शामिल थे। पहला टेस्ट हारने के बाद जायसवाल की पारी से भारत को सीरीज में वापसी करने में मदद मिली। 22 साल और 49 दिन की उम्र में बैक-टू-बैक दोहरे शतक ने उन्हें सर डोनाल्ड ब्रैडमैन और विनोद कांबली के बाद टेस्ट में दो दोहरे शतक बनाने वाला दुनिया का तीसरे सबसे युवा बल्लेबाज बना दिया। जायसवाल ने आईसीसी से कहा, ÷मैं आईसीसी पुरस्कार हासिल करके वास्तव में खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मुझे और पुरस्कार मिलेंगे। यह सर्वश्रेष्ठ में से एक है और यह मेरी पहली पांच मैचों की श्रृंखला है। मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया, जिस तरह से मैंने

खेला है और हमने श्रृंखला 4-1 से जीती है। यह मेरे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। जायसवाल ने राजकोट में नाबाद 214 रन की पारी को भी अपने लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फरवरी में कई रिकॉर्ड बनाए और राजकोट पारी के दौरान एक टेस्ट पारी में सर्वाधिक छक्के (12) के लंबे समय से चले आ रहे टेस्ट रिकॉर्ड की बराबरी की। अपने श्रेय के लिए, उन्होंने मार्च में अपना फॉर्म बरकरार रखा और 1,000 टेस्ट रन के मील के पत्थर तक पहुंच गए।

साथ ही वो यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय बन गए। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड जीतने वाली पांचवीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गईं, जो पिछले विजेताओं एलिसा हीली, राचेल हेन्स, ताहलिया मैकग्रा और एश्ले गार्डनर के सम्मानित रैंक में शामिल हो गईं। सदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में अपने दोहरे शतक के साथ रिकॉर्ड बुक को फिर से लिखा।

टी20 विश्वकप में विराट, रोहित और शाकिब सहित एशियाई खिलाड़ियों का प्रदर्शन रहा है बेहतर

मुम्बई ।

वेस्टइंडीज और अमेरिका में आगामी टी20 विश्वकप के लिए सभी टीमें तैयारियों में लगी हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर प्रशंसकों को फटाफट क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा। 9वां टी20 विश्व जून में वेस्ट इंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। टी20 विश्वकप की सबसे पहले संस्करण की विजेता भारतीय टीम रही है। वहीं भारत के विराट कोहली और रोहित शर्मा और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन सहित एशियाई टीमों के खिलाड़ियों का इस टूर्नामेंट में दबदबा रहा है। सबसे अधिक मैच रोहित ने खेले है जबकि रन विराट और विकेट शाकिब ने लिए हैं। अब तक आठ बार हुए इस टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की सबसे अधिक दो-दो बार विजेता रही है। वहीं भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने एक-एक बार जीत दर्ज की है। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीम भले ही सबसे अधिक बार यह टूर्नामेंट जीती हैं पर इसमें प्रदर्शन के मामले में एशियाई खिलाड़ी सब पर भारी पड़े हैं। भारत के रोहित और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ने अब तक के सभी आठ टी20 विश्वकप खेले हैं। ये दोनों ही खिलाड़ी इस बार भी टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। टूर्नामेंट में सबसे अधिक मैच खेलने, सर्वाधिक रन बनाने और सबसे अधिक विकेट भी एशियाई खिलाड़ियों ने ही लिए हैं। भारत के रोहित साल 2007 के शुरुआती टी20 विश्वकप से इस टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। टूर्नामेंट के आठ सत्र में उन होंने अब तक सबसे अधिक 39 मैच खेले हैं। रोहित की तरह ही आठों टूर्नामेंट में खेले शाकिब ने 36 मैच खेले हैं जबकि श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान 2007 से 2016 के बीच छह टूर्नामेंट में 35 मैच खेलकर तीसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के हरफनमौला ड्वेन ब्रावो, पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी व शोएब मलिक और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 34-34 मैचों के साथ इस सूची में संयुक्त रूप से चौथे क्रम पर हैं। वहीं विराट ने 27 मैचों में सबसे जयादा 1141 रन बनाये हैं। उनका 81.5 का औसत रहा है। 2012 से टी20 विश्वकप में खेल रहे विराट छठी बार टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। टेस्ट खेलने वाले देशों में टी20 में 50 से अधिक का औसत बनाने वालों में विराट एकमात्र खिलाड़ी हैं। 127 टी20 मैचों में उन्होंने अब तक 51.75 के औसत और 138.15 के स्ट्राइक रेट से 4037 रन बनाए हैं। टी20 विश्वकप यह रन औसत 81.5 तक जा पहुंचा है। वहीं दूसरे नंबर पर श्रीलंका के महेला जयवर्धने रहे हैं। उन्होंने पांच टी20 विश्वकप के 31 मैचों में 39.07 के औसत और 134.74 के स्ट्राइक रेट से 1016 रन बनाए हैं।

विराट के अलावा महेला ही इस टूर्नामेंट में एक हजार से अधिक रन बना सके हैं। वेस्ट इंडीज के क्रिस गेल ने 33 मैचों में 34.46 के औसत और 142.75 के स्ट्राइक रेट से 965 रन बनाये हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 39 मैचों में 34.39 के औसत और 127.88 के स्ट्राइक रेट से 963 रन बनाए हैं। ये दोनों रनों के मामले में तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। पांचवें क्रम पर श्रीलंका के दिलशान हैं जिन्होंने 35 मैचों में 30.93 के औसत और 124.06 के स्ट्राइक रेट से 897 रन बनाए हैं।

महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स ने यूपी वारियर्स को हराया

बेंगलुरु ।

गुजरात जायंट्स ने यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में यूपी वारियर्स को आठ रन से हरा दिया। ये गुजरात की इस लीग में दूसरी जीत है। इसी के साथ ही वारियर्स की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें टूट गयी हैं। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स ने कप्तान बेथ मूनी के नाबाद 74 और साथी सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट के 43 रनों की सहायता से अच्छी शुरुआत की। इसके बाद गुजरात जायंट्स ने लगातार विकेट खोये जिससे टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन ही बना पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वारियर्स की टीम पांच विकेट पर 144 रन ही बना पायी। एशले गार्डनर 15 और कैथरीन ब्राइस 11 रन ही बना पायीं। सोफी एक्लेस्टोन ने तीन जबकि दीप्ति शर्मा 2 विकेट लिए। इसके बाद 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वारियर्स की ने शुरुआती विकेट खो दिये। कप्तान एलिसा हीली 4, किरण नवगिरे शून्य पर ही आउट हो गयीं।

दीप्ति शर्मा ने एक छोर संभाले रखा और नाबाद 88 रन बनाए और पूनम खेमनार ने 36 रन बनाकर यूपी वॉरियर्स की ओर से प्रयास जारी रखे। शबनम एमडी ने तीन विकेट लिए। दीप्ति ने अर्धशतक लगाया और छठे विकेट के लिए 109 रन बनाये पर अंत में टीम आठ रन से लक्ष्य हासिल करने से रह गयी। लेकिन प्रगति बहुत धीमी थी और यूपी वारियर्स ने अंत तक आगे बढ़ने के लिए खुद को बहुत बड़ी बाधा बना लिया। आखिरकार वे आठ रन से चूक गए।संक्षिप्त स्कोर ग्गुजरात जायंट्स ने 20 ओवर में 152/8 (लौरा वोल्वार्ड्ट 43, बेथ मूनी 74 नाबाद; सोफी एक्लेस्टोन 3-38, दीप्ति शर्मा 2-22) ने यूपी वारियर्स को 20 ओवर में 144/5 (दीप्ति शर्मा 88 नाबाद, पूनम खेमनार 36), शबनम एमडी 3-11) आठ रन से हराया।

सूर्यकुमार आईपीएल के शुरुआती दो मैचों से बाहर हुए

नई दिल्ली।

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के शुरुआती दो मैच नहीं खेल पायेंगे। सूर्या के टखने की सर्जरी हाल में हुई है और वह अभी तक इससे उबर नहीं पाये हैं। अभी वह बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनके आईपीएल के शुरुआती दो मैचों में खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। सूर्या के बाहर होने से मुम्मई इंडियंस को करारा झटका लगा है। मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल में अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस से खेलेगी। सूर्या फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं और ऐसे में वह आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर वापसी का प्रयास करेंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस बल्लेबाज का रिहैबिलिटेशन सही रास्ते पर है और वह निश्चित रूप से आईपीएल के आगामी सत्र में वापसी करेगा। करेंगे। एनसीए की 'स्पोर्ट्स साइंस और मेडिकल टीम की मंजूरी के बाद ही वह गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 27 मार्च से शुरु हो रहे मैच में खेल सकेंगे। सूर्यकुमार के इंस्टाग्राम हैंडल को देखे तो उन्होंने स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग से जुड़े व्यायाम करते हुए कुछ वीडियो भी साझा किए हैं। उन्होंने हालांकि अभी तक बल्लेबाजी अभ्यास का कोई वीडियो साझा नहीं किया है। मुंबई इंडियन्स के शुरुआती मैच में अभी 12 दिन बाकी हैं ऐसे में इससे पहले फिट होने के लिए उनके पास काफी कम समय है। सूर्यकुमार मुंबई के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक है। उनके नाम 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4 शतक और 171 से अधिक के स्ट्राइक रेट के साथ 2,141 रन है।

आरसीबी इस बार जीत सकती है आईपीएल : पठान

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि इस बार 22 मार्च से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर टी20 लीग (आईपीएल) में आरसीबी जीत सकती है। इस टूर्नामेंट में आरसीबी का पहला मुकबला गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) से होगा। पठान के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन भी ऐसा ही मानते हैं। पठान ने आरसीबी की संभावनाओं को लेकर कहा कि टीम की बल्लेबाजी अच्छी है। इसके साथ ही सपाट पिचों पर उसके तेज गेंदबाज काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। पठान ने आरसीबी के पूर्व विराट कोहली की टीम के इस साल पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने की संभावनाओं को बेहतर बताया है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब लंबी हो गई है, जो कुछ समय पहले नहीं थी। और साथ ही, बहुत से लोग आरसीबी को अवसर नहीं दे रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी गेंदबाजी प्रभावी नहीं है।

मुझे भी लगता है कि गेंदबाजी बेहतर हो सकती थी, लेकिन उन्होंने जो किया है वह यह है कि उस पिच पर उनके पास एक्सप्रेस गति है। यदि आप चिन्नास्वामी की पिच जैसी सपाट पिचों पर लगातार 140 से अधिक की तेजी गेंदबाजी कर सकते हैं, तो कभी-कभी यह काम कर सकता है। इरफ़ान ने कहा कि विराट के लिए, यह एक बहुत ही खास पल होगा क्योंकि वह 2008 से ऐसा चाह रहे थे लेकिन वह उस ट्रॉफी को हासिल नहीं कर पाए। वहीं हेडन ने इस आईपीएल के लिए आरसीबी की संभावनाओं को लेकर कहा कि विराट ने 2023 में जिस तरह से प्रदर्शन किया, वह उनके 16 सीज़न में दूसरे स्थान पर था, इसलिए यह सिर्फ रन नहीं था, यह शीर्ष पर स्ट्राइक रेट था पर आरसीबी हमेशा इस टूर्नामेंट में विफल इसलिए रही है क्योंकि उसके पास प्रभावी गेंदबाज नहीं थे।

पाक के पूर्व तेज गेंदबाज आमिर दर्शकों के फिक्सर कहने पर भड़के

लाहौर । यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की ओर से खेल रहे पाक टीम के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। मैदान में आये दर्शकों ने उन्हें फिक्सर तक कह दिया। इससे आमिर बुरी तरह से भड़क गये। ये मामला पीएसएल के 28 वें मैच का है जो लाहौर कलंदर्स और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच हुआ। इस मुकाबले में क्वेटा ने अच्छी जीत हासिल की पर उसके गेंदबाज आमिर की इस मैच में प्रशंसकों ने जमकर हूटिंग की। आमिर जब वह फील्डिंग कर के वापस आ रहे थे तो प्रशंसक उन्हें फिक्सर-फिक्सर कह रहे थे। इस दौरान आमिर और प्रशंसकों के बीच झड़प भी हुई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस मैच के दौरान आमिर जब मैदान से बाहर आकर ड्रेसिंग रूम में जा रहे थे तो प्रशंसक उन्हें फिक्सर- फिक्सर कहने लगे। आमिर जब वहां से गुजरे तो उन्होंने एक प्रशंसक की आवाज सुन ली. तब आमिर वापस आए और उसे फटकारते हुए कहा कि घर से यही सीख कर आते हो। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। गौरतलब है कि आमिर को मैच फिक्सिंग के आरोप में साल 2010 में जेल जाना पड़ा था। इसमें उन्हें 6 महीने जेल की सजा हुई थी। स्पॉट फिक्सिंग के मामले में उनपर पांच सालों का प्रतिबंध भी लगा था। इसके बाद से ही आमिर अब टी20 लीग ही खेलते हैं।

रॉय आईपीएल से हटे , केकेआर ने सॉल्ट को शामिल किया

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम ने बल्लेबाज जेसन रॉय की जगह पर आईपीएल 2024 के लिए फिल सॉल्ट को अपनी टीम में शामिल किया है। इससे पहले रॉय ने निजी कारणों से आईपीएल से नाम वापस ले लिया था। आईपीएल के ठीक पहले रॉय का बाहर होना केकेआर के लिए करारा झटका है। केकेआर ने हालांकि इसे स्वीकार करते हुए सॉल्ट के रुप में एक विकल्प रखा है। केकेआर ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपये आधार मूल्य पर शामिल किया है।.आईपीएल की ओर से कहा गया कि केकेआर ने निजी कारणों से आगामी आईपीएल 2024 से बाहर होने की घोषणा की है। उनकी जगह पर शामिल सॉल्ट का बेस प्राइट 1.5 करोड़ रुपए था पर किसी फ्रेंचाइजी को उनमें रुचि नहीं थी। इस कारण वह नहीं बिके। वह इससे पहले भी आईपीएल खेले हैं। साल 2023 के आईपीएल में वह दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरे थे पर खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें दिल्ली ने बाहर कर दिया था। वहीं अब तक आईपीएल में सॉल्ट ने 9 मुकाबले खेले हैं। जिसमें उन्होंने 27 के औसत से 218 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 87 का रहा है। अब देखना होगा कि इस साल वह आईपीएल में केकेआर की ओर से कैसा प्रदर्शन करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई ने ऋषभ को फिट करार दिया, आईपीएल खेलने का रास्ता साफ

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को खेलने के लिए फिट करार दिया है। इस प्रकार ऋषभ अब एक बार फिर मैदान में खेलते हुए नजर आयेंगे। ऋषभ के फिट होने की इस खबर से उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। इस क्रिकेटर की आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स भी इससे उत्साहित है। ऋषभ आखिरी बार 25 दिसंबर 2022 में अंतिम बार मैदान पर उतरे थे। 30 दिसंबर हुए कार हादसे के बाद से ही वह खेल से दूर थे। तकरीबन दो महीने पहले से ही इस क्रिकेटर ने अभ्यास शुरु कर दिया था। उन्होंने कुछ अभ्यास मैच भी खेले हैं। अब बीसीसीआई ने भी उन्हें फिट करार दिया है। बीसीसीआई ने ऋषभ के फिट होने की सूचना सोशल मीडिया पर भी दी है। इसमें कहा गया है कि इस क्रिकेटर को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर फिट घोषित किया गया है. यह इस बात का भी संकेत है कि ऋषभ दिल्ली कैपिटल्स में कप्तान के तौर पर वापसी करेंगे। हाल ही में टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा भी था कि पंत बतौर कप्तान वापसी कर सकते हैं। वहीं साल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वॉर्नर ने की थी। .

दो साल तक पेट की बीमारियों से परेशान रहे देवदत्त

मुम्बई । क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से शानदार पदार्पण किया है। इससे पहले 2020 में अपने पहले आईपीएल में भी उन्हें अवार्ड मिला था। इस क्रिकेटर का करियर आसान नहीं रहा है। उन्हें दो साल तक बीमारी से संघर्ष करना पड़ा है। इससे उनकी बल्लेबाजी पर भी प्रभाव पड़ा है। इस बल्लेबाज को साल 2021 से 2023 तक खराब सेहत से परेशानी हुई। जब देवदत्त को टेस्ट कैप मिली तो आर अश्विन ने उनके लचीलेपन की प्रशंसा की। अश्विन ने मजबूत होने और कभी हार न मानने के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि कठिन समय आपको मजबूत बनाता है। उन्हें रणजी सहित घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के कारण टेस्ट कैप मिली थी। 2022 में देवदत्त पडिक्कल का वजन काफी कम हो गया था। उनकी बीमारी ने उन्हें कमज़ोर बना दिया और इसका असर उनकी बल्लेबाजी पर भी पड़ा। उन्हें फिर से मजबूत होने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उन्हें आंत संबंधी बीमारी थी। इसके कारण वह पेट में दर्द, दस्त और उल्टी से परेशान रहे। ये समस्याएं संक्रमण, कुछ गलत खाने, दवा के दुष्प्रभाव या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती हैं। आंतों की समस्याओं का एक सामान्य कारण गैस्ट्रोएंटेराइटिस है, जो पेट और आंतों की सूजन है।

पंड्या आईपीएल में जीत के लिए कोच के साथ पूजा करते दिखे

मुंबई ।

आईपीएल के 17 सत्र में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी करने जा रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या जीत के लिए पूजा करते नजर आये। इस दौरान उनके साथ टीम के कोच मार्क बाउचर भी थे। हार्दिक को 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के लिए रोहित शर्मा की जगह पर मुंबई इंडियंस (एमआई) का नया कप्तान बनाया गया है। वहीं अब एमआई के एक वीडियो में पंड्या को ड्रेसिंग रूम में प्रवेश करते और मुख्य कोच मार्क बाउचर के साथ पूजा करते देखा गया है। गौरतलब है कि गत वर्ष नवंबर में पंड्या गुजरात टाइटंस (जीटी) से अपनी पहले वाली टीम मुम्बई में वापस आ गये थे। उनकी कप्तानी में गुजरात एक बार विजेता भी बनी। वहीं दूसरे साल उपविजेता रही। गुजरात के लिए 31 मैचों में पंड्या ने 37.86 की औसत और 133 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 833 रन बनाए है। जिसमें छह अर्धशतक भी शामिल हैं। पंड्या ने साल 2015 से 2021 तक एमआई के लिए 92 मैच खेलकर 27.33 की औसत और 153 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,476 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक भी शामिल है। उन्होंने टीम के लिए 42 विकेट भी लिए। पंड्या ने 5 आईपीएल ट्रॉफी भी जीती हैं, जिनमें से 4 एमआई (2015, 2017, 2019, 2020) और जीटी (2022) के साथ हैं।

अरबाज के साथ तलाक पर पहली बार मलाइका ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। अरबाज खान से शादी के 19 साल बाद उन्होंने तलाक ले लिया था। दोनों के बीच बेशुमार प्यार होने के बाद भी दोनों की राहें अलग हो गई थीं। मलाइका फिलहाल अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं।

हाल ही में अभिनेत्री ने फिर से घर बसाने के बार में खुलकर बात की है। साथ ही बताया कि उन्होंने इस तरह की धारणा को कैसे पीछे छोड़ दिया। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक बातचीत में 25 साल की उम्र में अरबाज खान से शादी करने के पीछे का कारण बताते हुए कहा, भले ही अपने परिवार से मुझे किसी तरह के दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। मगर, ऐसा नहीं है कि मैं ऐसे बैकग्राउंड में बड़ी हुई हूं कि मेरे परिवार वाले मुझसे कहें कि तुम्हें इस उम्र में शादी करनी होगी। मुझे अपना जीवन जीने और अच्छे लोगों से दोस्ती करने को कहा गया। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि मेरे दिमाग में क्या आया। मैंने कहा कि 22-23 साल तक मैं शादी करना चाहती हूं। किसी ने मुझ पर कोई दबाव नहीं डाला था, लेकिन मुझे अभी यही करने की जरूरत थी, क्योंकि उस समय मेरे पास यही सबसे अच्छा विकल्प था। अभिनेत्री ने बताया कि शादी के कई साल बाद उन्हें ये एहसास हुआ कि यह वह नहीं है, जो वह चाहती थीं। अरबाज से अलग होने के उनके फैसले के लिए उनसे कई सवाल किए गए। साथ ही उनका मजाक भी बनाया गया। अभिनेत्री ने कहा, जब मैंने तलाक लेने का फैसला किया, तो मुझे नहीं लगता कि इंडस्ट्री में बहुत सारी महिलाएं ऐसी थीं, जो तलाक लेकर आगे बढ़ रही थीं। मुझे लगा मेरे लिए, मेरे करियर के लिए, मेरी पसंद के लिए और अगर मुझे अपने बच्चे को खुश रखना है, तो मुझे अंदर से ठीक महसूस करना होगा। तलाक को हर कोई एक अलग नजरिये से देखता है।

कैंप्स वाले एक्टर्स को दी जाती हैं बड़ी फिल्में

तापसी पन्नू हमेशा से ही इंडस्ट्री में चल रहे कैंप कल्चर, आउटसाइडर्स डिबेट और नेपोटिज्म पर अपने विचार खुलकर रखती आई हैं। हाल ही में तापसी ने जूम को दिए एक इंटरव्यू में बताया है कि उन्हें बड़ी फिल्मों में सिर्फ इसलिए जगह नहीं मिलती, क्योंकि वो किसी कैंप का हिस्सा नहीं हैं। उनका कहना है कि देर रात होने वाली पार्टीज में जाने से उन कैंप में जगह मिल सकती है, लेकिन वो ऐसी किसी पार्टी का हिस्सा बनना पसंद नहीं करती हैं। तापसी ने कहा है, यहां कई बॉलीवुड कैंप हैं। नेपोटिज्म, जिस पर हम बात करते हैं, वहीं प्रॉब्लम है कि लोगों को आसानी से उन कैंप्स में जगह नहीं मिलती। अगर कोई बड़ी बजट फिल्म बन रही है, तो मुझे यकीन है कि कोई मेरी बेइज्जती कर ये नहीं कहेगा कि मैं उस रोल के लिए फिट नहीं हूं, लेकिन हां मुझे उस फिल्म में हिस्सा नहीं दिया जाएगा, क्योंकि मेरे नाम को वहां तक पहुंचने नहीं दिया जाएगा और कैंप के लोगों के नाम का सुझाव दिया जाएगा। आगे उन्होंने कहा, कड़वी सच्चाई यही है कि बड़ी फिल्में एक्सेस मिलने से ही मिलती हैं और मेरे पास उस जगह तक पहुंचने का एक्सेस नहीं है। फिल्मी पार्टीज ही एकमात्र जरिया है, जिससे उन कैंप का हिस्सा बना जा सकता है। आप उन लोगों के साथ सोशल होते हैं, फिर उनसे दोस्ती होती है और फिर वो आपको काम देते हैं। ये ठीक है, लेकिन ऐसा करने के लिए आपको 10 बजे के बाद होने वाली पार्टीज में जाना होता है, लेकिन मेरे लिए ये बहुत थका देने वाली प्रोसेस है। मैं ऐसा नहीं कर सकती। मैं ये करने की बजाए, ज्यादा मेहनत और अच्छा काम करके फिल्में हासिल करती हूं। बताते चलें कि थप्पड़, पिंक, हसीना दिलरुबा जैसी बेहतरीन फिल्मों के बाद अब जल्द ही तापसी, 3 फिल्मों में नजर आने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म हसीना दिलरुबा की सीक्वल फिल्म फिर आई हसीना दिलरुबा है। इसके बाद वो प्रतीक गांधी के साथ वो लड़की है कहां और खेल-खेल में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और वाणी कपूर अहम किरदारों में हैं।

आउटसाइडर को सपोर्ट करने की बात लोग सिर्फ कहते हैं, करते नहीं

विद्युत जामवाल अपनी हर फिल्म के साथ एक्शन की डोज को बढ़ाते जा रहे हैं। वह हमेशा ऊपरवाले के प्लान पर भरोसा करते हैं और किसी भी काम को मुश्किल नहीं मानते। जिंदगी को जिंदादिली के साथ जीने वाले दुनिया के टॉप मार्शल आर्टिस्ट में शुमार एक्टर का कहना है कि आउटसाइडर का सपोर्ट बहुत कम लोग करते हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म क्रैक जीतेगा तो जिएगा को लेकर चर्चा में हैं।

वजन घटाने-बढ़ाने का मेरा कोई सीन नहीं रहा

विद्युत जामवाल जब एक्शन सीक्वेंस के लिए शूटिंग पर जाते हैं तो उनकी मां पूजा-पाठ शुरू कर देती हैं। ऐसे में फिल्म देखने पर उनकी क्या प्रतिक्रिया रहती है। इस पर अभिनेता कहते हैं कि मां कहती हैं कि बस अब हो गया। तुमको जो करना था कर लिया, अब कुछ और करो। हम दोनों एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं। उनकी डांट भी मुझे मीठी लगती है क्योंकि उसमें मेरी फिक्र छुपी होती है। फिल्म के लिए वजन घटाने-बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरा कभी ऐसा कोई सीन नहीं रहा। मेरे अपोजिट विलेन की भूमिका में अर्जुन रामपाल हैं, यह फैसला मेरा था क्योंकि मैं अपने बराबर की टक्कर का एक्टर चाहता था, जो समय बिताने और मेहनत करने के लिए तैयार हो। अर्जुन ने इस फिल्म में अपना सौ फीसदी दिया है। हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। होता क्या है कि जब आप एक्शन फिल्में करते हैं तो हीरो और विलेन के बीच इतनी गुत्थम-गुत्थी होती है कि वो असल में जिगरी दोस्त बन जाते हैं। मैं अपने साथ काम करने वाले हर शख्स को खुद को साबित करने का पूरा मौका देता हूं और जब आप मेहनत करते हैं तो वो आपके काम में भी नजर आ जाता है।

ऊपरवाले के प्लान पर विश्वास है

लोग बोलते हैं कि हमें आउटसाइडर का सपोर्ट करना चाहिए। यह भारत का रियल टैलंट है। लेकिन ऐसा सिर्फ लोग बोलते ही हैं, करते बहुत कम लोग हैं। अगर सब सोचने लगे तो फिर तस्वीर ही बदल जाए। जहां तक मेरे काम के बारे में है तो मैं अपने काम को लेकर बहुत ज्यादा नहीं सोचता। मेरा मानना है कि ऊपरवाला हमारे लिए बहुत कुछ प्लान करता है और मैं उन्हीं पर विश्वास करता हूं। बाकी, अभी निर्देशन का और स्क्रिप्ट राइटिंग का मेरा कोई इरादा नहीं है। मुझे एक्शन और ऐक्टिंग करके मजा आ रहा है।

फिल्मों में चोट लगना लाजिमी है

फिल्म में मैं सिद्धार्थ दीक्षित उर्फ सिद्धू का किरदार निभा रहा हूं। इसमें सभी स्टंट मैंने खुद से ही किए हैं। जब मैं सेट पर मौजूद हूं तो किसी और को स्टंट करने की क्या जरूरत है। इस तरह का सीक्वेंस शूट करने के दौरान काफी रिस्क रहता है लेकिन मजा भी बहुत आता है।

दीपिका को अपनी प्रेरणा मानती हैं आलिया

आलिया भट्ट इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। आलिया अपनी फिल्मों के चलते अक्सर सुर्खियों में छाई रहती हैं। आलिया ने हाल ही में बताया कि वह ऐश्वर्या राय, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण को अपनी प्रेरणा मानती हैं। फोर्ब्स के कार्यक्रम में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि वह उन तीनों की दिल से प्रशंसा करती हैं। इसके अलावा उन्होंने फिल्मों के बारे में बात करते हुए कहा कि इसकी कहानियां सबसे आगे होनी चाहिए न कि व्यक्ति की लोकप्रियता। आलिया ने कहा, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्रियों ने काफी अच्छा किया है। इसके चलते वे मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा रही हैं। ऐश्वर्या राय, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण ये ऐसे कलाकार हैं, जो मेरी दोस्त भी हैं। साथ ही मैं इनकी पूरे दिल से प्रशंसा करती हूं। इसलिए मुझे उन्हें बहुत अधिक श्रेय देना होगा क्योंकि उन्होंने एक तरह से मेरा मार्गदर्शन किया है। उन्होंने आगे कहा, मुझे यह भी लगता है कि हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां परिवर्तन समय की मांग है, जहां आप दुनिया के कई हिस्सों से अलग-अलग चेहरों को अलग-अलग लहजे में बोलते हुए देखना चाहते हैं। फिल्मों पर बात करते हुए आलिया ने कहा, कहानी वह है जो सबसे आगे होनी चाहिए। न कि आप कहां से आते हैं, आप कौन हैं, आप किस लहजे में बोलते हैं। गौरतलब है कि पिछले साल कॉफी विद करण सीजन 8 के एक एपिसोड में करण जौहर ने करीना कपूर खान से पूछा था कि क्या उन्हें लगता है कि दीपिका पादुकोण उनकी प्रतिस्पर्धी हैं। उन्होंने कहा था कि ये सवाल आलिया पर लागू होता है। वहीं, जब करण ने आलिया से ये सवाल किया तो उन्होंने कहा था, प्लीज, बिल्कुल नहीं। वह क्यों होगी? वह मेरी सीनियर हैं। कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हैं।

नितेश तिवारी की रामायण में हरमन बावेजा बनेंगे विभीषण, विजय सेतुपति की छुट्टी

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली आगामी फिल्म रामायण बीते लंबे समय से सुर्खियों में है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में रणबीर, साईं पल्लवी और यश क्रमशः राम, सीता और रावण की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ऐसी अटकलें थीं कि रावण के छोटे भाई विभीषण की भूमिका निभाने के लिए साउथ अभिनेता विजय सेतुपति को अप्रोच किया गया है। हालांकि, अब इस किरदार को लेकर आया नया रिपोर्ट फैंस का उत्साह बढ़ाने वाला है। पहले रिपोर्ट्स थीं कि विजय सेतुपति फिल्म रामायण में विभीषण की भूमिका में नजर आ सकते हैं। खबर के अनुसार, नितेश और विजय के बीच चर्चा चल रही थी, जिसमें विजय के रावण के भाई विभीषण का किरदार निभाने का अनुमान लगाया जा रहा था। हालांकि, अब विभीषण के किरदार के लिए किसी अन्य अभिनेता का नाम सामने आ रहा है, जिसने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। एक नई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हरमन बावेजा नितेश तिवारी की रामायण में विभीषण की भूमिका निभा सकते हैं। हरमन बावेजा ने हंसल मेहता के शो स्कूप से वापसी की है, जिसमें उन्होंने जेसीपी हर्षवर्द्धन श्रॉफ की भूमिका निभाई थी। ऐसा लगता है कि हरमन बावेजा को लंका के राजा रावण के छोटे भाई विभीषण, साथ ही कुंभकर्ण और शूर्पणखा के भाई के किरदार में ढलते देखना इंतजार के लायक है। हालांकि, अब तक इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

शुरू में जो फिल्में देखता, उन किरदारों को जीता और उनके जैसे व्यवहार करता था

पिछले दिनों फेमस पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर ऐक्टर डेब्यू किया। वह फिल्म कुछ खट्टा हो जाए में नजर आए। इस फिल्म में उनके अपोजिट महेश मांजरेकर की बेटी सई मांजरेकर नजर आईं। इसने बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कलेक्शन किया है। लोगों को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।दिल्ली आए गुरु रंधावा और सई मांजरेकर ने हमसे खास बात की। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में बात की है। उन दिनों को भी याद किया, जब वह इतने पॉप्युलर नहीं थे।

आपकी आवाज के सब कायल हैं। अब आप ऐक्टिंग में भी डेब्यू कर चुके हैं। लेकिन अगर आपकी एजुकेशन की बात करें तो पढ़ाई के मामले में आप कैसे थे, क्या कभी स्कूल से आपके घर कोई शिकायत भी आती थी?

मैंने बहुत पढ़ाई की है, मैं बहुत समझदार बच्चा रहा हूं। मैं अपनी पूरी जिंदगी ये ही सोच कर निकाली है कि मुझे अपने परिवार की लाइफ कैसे चेंज करनी है। जो भी मुझे पर वो खर्चा कर रहे हैं, उसे खुद पर कैसे सही तरह से प्रयोग करना है। मेरी आजतक घर पर कोई शिकायत नहीं गई है। मैंने लाइफ में कभी कोई खराब काम नहीं किया है। आमतौर पर कहा जाता है कि एक बच्चे में एक उम्र के बाद बदलाव आ जाता है, लेकिन मैं 14-15 साल की उम्र से पैसा कमाने और अपने परिवार की लाइफ के बारे में सोचता रहता था। कहते हैं कि एक व्यक्ति परिवार और पूरी जनरेशन को बदल कर रख देता है, तो मैंने सोचा मैं क्यों ना वो इंसान बनूं, ताकि आज की जनरेशन और आने वाली जनरेशन गर्व महसूस करे।

आपकी ग्लैमर वाली लाइफ को देखकर हर कोई उससे प्रेरित होता है। लेकिन जब आप कुछ भी नहीं थे, तब किसी बड़े शहर मैं जाने पर आप क्या सोचते थे?

हम उस दौर में बस में जाते थे और उसके आगे ऑटो कर लेते थे, लेकिन जब मैं दिल्ली और अमृतसर जैसे बड़े शहर जाता था, तो मैं सोचता था कि जिन लोगों के पास गाड़ियां हैं और बिजनेस है, तब मुझे लगता था कि इनके पास इतना पैसा कैसे आया होगा। मैं सोचता था कि ऐसा कैसे हो सकता है कि हम सब एक जगह पर रहते हैं, 20 किलो के फासले पर एक अलग दुनिया है। फ्लाइट पकड़कर आप 1 घंटे सफर करो तो एक और अलग दुनिया है। वो सब भी इंसान हैं और मैं भी इंसान हूं तो ये कैसे मुमकिन है? उन लोगों ने भी कुछ सोचा होगा, उनके यहां भी किसी ने ये बदलाव लाए होंगे, कोई उठते ही अमीर नहीं हो जाता है। कोई तो होगा जिनसे आने वाली पूरी जनरेशन बदल दी। और फिर मैंने जो फिल्में भी देखी हैं, वो इसी से रिलेटिड रही हैं। मैं उन फिल्मों के किरदारों को जीता था, उनके जैसे व्यवहार करता था। तो मुझ में हमेशा ही ये रहा है कि कैसे जिंदगी को बदलना है। मैंने जिंदगी में शैतानी कम की है, मेहनत ज्यादा की है। आज भी मैं 24 घंटे मेहनत कर सकता हूं। बाहर से लगता है कि जिंदगी बहुत आसान है, लेकिन मैं 365 दिन और 18 से 19 घंटे काम करता हूं। मैं ये नहीं सोचता कि रात के 9, 10 बज गए हैं तो अब मुझे सोना है। मेरा जब मन करे मैं सो कर उठ भी जाता हूं।

आपने फिल्म कुछ खट्टा हो जाए में जो किरदार निभाया है वो लड़की यूपीएससी की परीक्षा देना चाहती है। ये काफी मुश्किल एग्जाम माना जाता है। लेकिन अगर आपकी पढ़ाई की बात करें तो उसमें आप कैसी थीं और परिवार में आपकी शिक्षा को लेकर क्या कुछ कहा जाता था?

एक दो बार मुझे भी मार पड़ी है। मुझे हर बार तो मार नहीं पड़ती थी लेकिन डांट बहुत खाती थी। लेकिन मेरा ऐसा कुछ ऐसा था कि ना पढ़कर भी ग्रेड आ जाते थे। पता नहीं कैसे आ जाते थे। तो 5वीं तक मुझे मम्मी से काफी डांट पड़ती थी। पापा कुछ नहीं कहते थे। करना है करो, नहीं करना है तो मत करो, उनका कुछ ऐसा था। तब मम्मी कहती थीं पापा कि इस लड़की को कुछ पढ़ने के लिए बोलो। तब पापा मम्मी को दिखाने के लिए मुझ पर चिल्ला देते थे। क्योंकि मम्मी का बैकग्राउंड काफी पढ़ा-लिखा है, तो इसलिए वो भी मुझे पढ़ाई के लिए बोलती रहती थीं। मगर मुझे मार्क्स आ जाते थे।